हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

# रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 12 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 | अंक :99 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण


## ब्रीफ न्यूज

### जम्मू में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना का एक जवान घायल

एजेंसी

जम्मू के अखनूर सेक्टर में सेना के सतर्क जवानों ने शुक्रवार देर रात को हथियारबंद आंतकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया आंतकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सीमा की सुरक्षा कर रहे जवानों को अखनूर सेक्टर के केरी बट्टल इलाके में आतंकवादियों के एक समूह की गतिविधि की जानकारी मिली थी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।अधिकारियों ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक गोलीबारी जारी थी। उन्होंने बताया कि पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है और अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि घायल कर्मी को अस्पताल ले जाया गया है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।सीमा की सुरक्षा कर रहे जवानों को अखनूर सेक्टर के केरी बट्टल इलाके में आतंकवादियों के एक समूह की गतिविधि की जानकारी मिली थी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

## 'परिवार का साथ, परिवार का विकास'

# वाराणसी में विपक्षी दलों पर प्रधानमंत्री ने साधा निशाना

**मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में बोल रहे थे। अपने संसदीय क्षेत्र में विकास के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जहाँ पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहले उचित स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था, वहीं वाराणसी अब स्वास्थ्य सेवाओं के केंद्र के रूप में उभर रहा है।**

एजेंसी

वाराणसी :प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर कटाक्ष किया और कहा कि सत्ता पाने के लिए केंद्रित दलों को मुख्य रूप से अपने परिवारों को बढ़ावा देने की चिंता है। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार समावेशी प्रगति के विचार के माध्यम से सभी लोगों के विकास के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। 3,880 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद बोलते हुए, पीएम मोदी ने कहा, "राष्ट्र की सेवा में हमारा मार्गदर्शक मंत्र हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास' रहा है। इसी भावना के साथ, हम हर नागरिक की बेहतरी के लिए आगे बढ़ते रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि कुछ राजनीतिक समूह जनसेवा से ज्यादा सत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा, "जो लोग सिर्फ.सत्ता हथियाने के लिए दिन-रात खेल खेलते हैं, उनका सिद्धांत 'परिवार का साथ-परिवार का विकास' है।" मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में बोल रहे थे। अपने संसदीय क्षेत्र में विकास के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जहाँ पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहले उचित स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था, वहीं वाराणसी अब स्वास्थ्य सेवाओं के केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, "आज भारत विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है और हमारा काशी इसका सबसे अच्छा मॉडल बन रहा है।" उन्होंने कहा, "भारत की आत्मा इसकी विविधता में बसती है और काशी इसकी सबसे खूबसूरत तस्वीर है। अपने निर्वाचन क्षेत्र में हुए विकास के बारे विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले पूर्वांचल में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था, लेकिन आज काशी स्वास्थ्य की राजधानी बन रही है। उन्होंने कहा, 10-11 साल पहले, पूरे पूर्वांचल में इलाज को लेकर जो परेशानियां थीं, वे भी हम सब जानते हैं। आज स्थितियां बिल्कुल अलग हैं। मेरी काशी अब आरोग्य की राजधानी भी बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, दिल्ली-मुंबई के बड़े-बड़े अस्पताल आज आपके घर के पास आ गए हैं। यही तो विकास है, जहां सुविधाएं लोगों के पास आती हैं।ह्व उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षों में हमने सिर्फ अस्पतालों की गिनती नहीं बढ़ाई बल्कि हमने मरीज की गरिमा भी बढ़ाई है।

उन्होंने सभा में मौजूद जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, जब आपने हमें तीसरी बार आशीर्वाद दिया, तब हमने भी सेवक के रूप में स्नेह स्वरूप अपने कर्तव्य को निभाया है। मेरी गारंटी थी कि बुजुर्गों का इलाज मुफ्त होगा। इसी का परिणाम है,

## तहव्वुर राणा के प्रर्त्यपण को कन्हैया कुमार ने बताया बीजेपी की चाल, प्रियंका चतुर्वेदी ने कांग्रेस नेता पर उठाए सवाल

एजेंसी

**पटना:**कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भाजपा द्वारा केंद्र सरकार की अपने वादों को पूरा करने में विफलता से जनता का ध्यान हटाने की एक चाल है। कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि राणा का प्रत्यर्पण नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक बड़ी कूटनीतिक सफलता है। 64 वर्षीय राणा डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी है, जिसे दाउद गिलानी के नाम से भी जाना जाता है और वह 2008 के हमलों के मुख्य साजिशकताओं में से एक है।कन्हैया कुमार ने कहा कि चूंकि भाजपा के पास नाम के लायक कोई उपलब्धि नहीं है, इसलिए वह किसी न किसी बहाने जनता के मुद्दों को भटकाने की कोशिश करती है। वक्फ विधेयक इसका एक और उदाहरण है। सरकार ने दावा किया कि वह गरीब मुसलमानों के लाभ के लिए यह कानून ला रही है। इस बात पर कौन विश्वास करेगा, जबकि यह सरकार समुदाय के लोगों को अपनी छतों पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं देती है? जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, "हम सभी को अनुच्छेद 370 के हटने के बाद उनकी बयानबाजी याद है। हर भाजपा नेता कह रहा था कि अब बिहार और देश के अन्य हिस्सों के लोग कश्मीर में जमीन खरीद सकेंगे। मुझे एक भी व्यक्ति दिखाइए जो तब से वहां संपत्ति खरीद पाया हो।यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को कुमार की टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक बताया और उनसे कहा कि "वह जो कहते हैं उस पर ध्यान दें"। चतुर्वेदी ने राणा के प्रत्यर्पण को ह्वदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धिह्व बताया और राजद्रोह के आरोपी कुमार से अपना बयान वापस लेने को कहा।

## वक्फ कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन, 10 पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में वक्फ कानून के खिलाफ शुक्रवार को प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान वाहनों में आग लगा दी और सड़क एवं रेल यातायात को बाधित कर दिया।भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुर्शिदाबाद जिले के सुती में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जब निषेधाज्ञा के बावजूद प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया।प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया, जुलूस के दौरान पुलिस वैन और सार्वजनिक बसों को आग लगा दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, समस्या तब शुरू हुई जब जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्र हुए और वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन किया।उन्होंने शमशेरगंज में डाकबंगला मोड़ से सुतिर सजुर मोड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग-12 के एक हिस्से को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने कहा, ह्यह्यप्रदर्शन तब हिंसक हो गया, जब प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस वैन पर पथराव किया। इसके परिणामस्वरूप पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई,

## छोटे शहरों में भी होटल मालिकों को मिलेगी सब्सिडी, बिहार पर्यटन नीति में अब 2 स्टार तक कवर

एजेंसी

पटना:होटल और पर्यटन क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने कम खर्च पर स्टार रेटेड होटलों के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए बिहार पर्यटन नीति 2023 के कुछ प्रावधानों में संशोधन किया है। 25 मार्च को स्वीकृत नीति संशोधन में राज्य में स्टार रेटेड होटलों में निवेश की सीमा को 10 करोड़ से घटाकर 5 करोड़ करने की बात की गई है, इसके अलावा निवेशकों को पर्यटन नीति का लाभ उठाने के लिए तीन सितारा और दो सितारा रेटेड स्टार होटल स्थापित करने की अनुमति दी गई है।पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पर्यटन नीति 2023 के अनुसार, राज्य

में चार सितारा रेटेड होटल स्थापित करने के इच्छुक निवेशकों को राज्य के प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिए न्यूनतम 10 करोड़ खर्च करने की आवश्यकता होती थी। सरकार ने राज्य के अन्य पर्यटन स्थलों में अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए नीति में बदलाव किए हैं।पर्यटन मंत्री ने कहा कि पटना, गया, बोधगया, नालंदा, राजगीर, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में चार सितारा होटल/रिसॉर्ट/हेरिटेज में न्यूनतम 10 करोड़ का निवेश करने का अनिवार्य मानदंड लागू होगा, ताकि 25% पूंजी सब्सिडी का लाभ उठाया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व (वीटीआर) सहित उपरोक्त प्रमुख पर्यटन स्थलों को अतिरिक्त 5% पूंजी सब्सिडी मिलेगी।

## मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास में तोड़फोड़, उच्चायोग ने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के समक्ष उठाया मुद्दा

एजेंसी

**नई दिल्ली:** ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास में गुरुवार को तोड़फोड़ की गई, 344 सेंट किल्डा रोड पर स्थित वाणिज्य दूतावास भवन के सामने के प्रवेश द्वार पर भित्तिचित्र पाए गए। कैनबरा में भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को उठाया और एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मेलबर्न में भारत के महावाणिज्य दूतावास के परिसर में उपद्रवियों द्वारा की गई तोड़फोड़ की घटना को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है। देश में भारतीय राजनयिक और

वाणिज्य दूतावास परिसर और कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता ने घटना का ब्यौरा साझा करते हुए कहा कि अधिकारियों का मानना ??है कि इमारत के सामने के प्रवेश द्वार पर बुधवार 9 और गुरुवार 10 अप्रैल के बीच किसी रात भित्तिचित्र बनाया गया था। नुकसान की जांच जारी है। यह ऑस्ट्रेलिया में पहली भारत विरोधी घटना नहीं है, क्योंकि 2023 में विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा के तुरंत बाद ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर झंडे बंधे पाए गए थे। एक अन्य घटना में उपद्रवियों ने सिडनी में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया, जैसा कि बीबीसी ने बताया।देश में भारतीय राजनयिक और वाणिज्य दूतावास परिसर और कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

## बिहार बदलाव यात्रा करेंगे प्रशांत किशोर, बोले- नीतीश का राजनीतिक श्राद्ध करेगी जन सुराज

एजेंसी

**पटना:**जन सुराज पार्टी की पटना के गांधी मैदान में पहली रैली से प्रशांत किशोर ने अगले दस दिन के अंदर बिहार बदलाव यात्रा पर निकलने का ऐलान किया है।प्रशांत किशोर ने लगभग 8 मिनट के भाषण में रैली में आ रहे लोगों को रोकने की कोशिश का आरोप लगाया और इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लपेटा। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने पहले से बताने के बाद भी कोई इंतजाम नहीं किया जिसके कारण पटना के इर्द-गिर्द 2 लाख से ज्यादा लोग बसों में

भूख-प्यासे जाम में फंसे हैं। पीके ने कहा कि वो घंटों प्रशासन के हाथ-पैर जोड़ते रहे लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने रैली में आए लोगों से नीतीश सरकार और अफसरशाही को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और दावा किया कि छह महीने बाद राज्य में जनता की सरकार बनेगी।चुनाव रणनीतिकार के तौर पर 2015 के चुनाव में नीतीश कुमार के साथ किए काम का जिक्र करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर उन्होंने मदद नहीं की होती तो आज नीतीश संन्यास लेकर कहीं बैठे होते।पीके ने नीतीश की 2015 की जीत का श्रेय लेने की कोशिश करते हुए कहा कि जो शादी कराता है, वही श्राद्ध भी कराता है। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी नीतीश कुमार का राजनीतिक श्राद्ध करेगी।

## पीएम मोदी के आने से पहले बिहार दौरे पर शिवराज सिंह, चुनाव पर एनडीए नेताओं के साथ करेंगे बैठक

एजेंसी

**पटना।**केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को एक दिवसीय बिहार दौरे पर आ रहे हैं। आगामी 24 अप्रैल को मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेंगे। साथ ही प्रदेश भाजपा कार्यालय में वे एनडीए के सांसद, विधायक, विधान पार्षदों और पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री शनिवार को पटना एयरपोर्ट पर आने के बाद सीधे पटना सिटी जाएंगे। वे गुरुद्वारा में दर्शन करेंगे। इसके बाद वे प्रदेश भाजपा कार्यालय आएंगे। चूंकि मधुबनी में 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री आ रहे हैं।पीएम पंचायती राज प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में मधुबनी के अलावा सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधेपुरा, समस्तीपुर, दरभंगा, अररिया, सहरसा और सुपौल के पंचायती राज प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर केंद्रीय मंत्री एनडीए के सांसदों, विधायक, विधान पार्षदों व पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इसमें जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के अलावा एनडीए के सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे। बैठक सुबह साढ़े 11 बजे से शुरू होगी।

## बिना सीएम कैंडिडेट के नीतीश से लड़ेगा महागठबंधन? फैसला नतीजों और बहुमत पर टाल रही कांग्रेस

एजेंसी

**पटना:**क्या बिहार में विपक्षी दलों का महागठबंधन बिना मुख्यमंत्री उम्मीदवार के सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से लड़ेगा? यह सवाल कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट के शुक्रवार के पटना दौरे के बाद और गंभीर हो गया है। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु अब तक इन सवालों को यह कहकर टाल रहे थे कि अभी इस मसले पर बात नहीं हुई है। लेकिन कन्हैया कुमार की यात्रा के समापन पर आए गांधी परिवार के करीबी सचिन पायलट ने जब इस सवाल को चुनाव नतीजों के बाद बहुमत से जोड़ दिया तो मामला सीरियस हो गया है। इसे बिहार में राजद के सामने कांग्रेस की अंगड़ाई के तौर पर लिया जाए या महागठबंधन में सीटों

की लड़ाई की तरह, समझना मुश्किल है।सचिन पायलट ने पटना में सवालों के जवाब में कहा- ह्वहमारा गठबंधन है। और हम लोग मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। चुनाव की घोषणा के बाद चुनाव लड़ा जाएगा। बहुमत आने के बाद निर्णय हो जाएगा कि कौन किस पद पर बैठेगा।ह्व कांग्रेस यह पहले साफ कर चुकी है कि बिहार में उसका गठबंधन लालू यादव और तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से जारी रहेगा। गठबंधन में बने रहने पर कोई किंतु-परंतु नहीं है लेकिन सीएम कैंडिडेट पर चुनाव बाद का जो राग कांग्रेस ने छेड़ा है, उससे तेजस्वी या लालू का धैर्य जवाब दे सकता है।राजद की प्रवक्ता एज्या यादव ने चुनाव बाद फैसला वाले बयान पर सचिन पायलट की हैसियत ही नाप ली। एज्या ने सचिन पायलट को सोनिया गांधी और राहुल गांधी से छोटा नेता बताया और कहा कि जब राहुल ही तेजस्वी से मिलने आते हैं तो फिर दूसरे नेता क्या बोलते हैं, इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। एज्या ने साफ-साफ कहा कि हमारी तरफ से तेजस्वी यादव का नाम फाइनल है।राजद के दूसरे प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने भी कांग्रेस को कन्फ्यूजन में नहीं पड़ने की सलाह दे दी। तिवारी ने कहा कि 2020 में तेजस्वी सीएम कैंडिडेट थे और 2025 में भी वो ही सीएम का चेहरा हैं। राजद बिहार में सबसे बड़ी पार्टी है और तेजस्वी ही ड्राइविंग सीट पर बैठेंगे।

# भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल मधुबनी पहुंचे, कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

## मिथिला की धरती मधुबनी में पीएम नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों का भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने लिया जायजा

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

- पीएम मोदी के आगमन को लेकर भाजपा कार्यकताओं में उत्साह : डॉ. दिलीप जायसवाल
- मधुबनी जाने के क्रम में मुजफ्फरपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल का जोरदार स्वागत
- मधुबनी जिला कार्यालय में हुई 10 जिलों के पदाधिकारियों की बैठक, भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'हम सब मिलकर निरंतर संगठन को सशक्त बनाएंगे'
- मधुबनी में ऐतिहासिक होगी पीएम की रैली : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 11 अप्रैल। बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल आज मधुबनी पहुंचे। यहां उन्होंने 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिथिला की धरती पर आगमन की तैयारियों को लेकर जायजा लिया और जिला कार्यालय में बैठक कर पार्टी कार्यकताओं को मार्गदर्शन दिया। इस बैठक में मधुबनी जिला के अलावा आसपास के 10 जिलों के अध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों की बैठक की गई।भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के जिला कार्यालय पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने इस दौरान कार्यकताओं का धन्यवाद देते हुए कहा कि संगठन के प्रति कार्यकताओं की यह असीम निष्ठा ही पार्टी की असली ताकत है।कार्यकताओं का यह उत्साह और स्नेह सदैव मुझे ऊर्जा से भर देता है तथा और कार्य करने को प्रेरित करता है। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी इस तरह मिल-जुलकर संगठन के कार्यक्रमों में अपना योगदान देते रहें।भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को मां जानकी की धरती मिथिला की हृदयस्थली मधुबनी में आगमन हो रहा है। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सभी पदाधिकारीगण एवं कार्यकताओं में उत्साह है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में लगे हुए हैं।

इस दौरान भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की रैली ऐतिहासिक होगी जिसको लेकर तैयारी जोरशोर से चल रही है। उन्होंने इस दौरान पीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल के मधुबनी जाने के क्रम में कई स्थानों पर कार्यकताओं द्वारा स्वागत किया गया। मुजफ्फरपुर के बखरी में भाजपा मंत्री केदार गुप्ता, प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा एवं जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, प्रदेश मंत्री रीता शर्मा के नेतृत्व में अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि कार्यकताओं का यह असीम निष्ठा का भाव हमेशा प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने कार्यकताओं को भरोसा देते हुए कहा कि हम सब मिलकर निरंतर संगठन को सशक्त बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं में ही नहीं, आम लोगों में भी उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार बिहार के दौरे पर आ रहे हैं और यहां के लोगों को सौगात दे रहे हैं। इस कार्यक्रम में मधुबनी जिला के अलावा आसपास के 10 जिलों के लोग पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में चार से पांच लाख लोग शामिल होंगे।

# नरेन्द्र मोदी का मिथिला की धरती मधुबनी आगमन होने को लेकर 14 जिला के जिला अध्यक्ष जिला महामंत्री क्षेत्रीय प्रभारी जिला प्रभारी उपस्थिति में बैठक

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मो. अबु बकर सिद्दीकी**

भारतीय जनता पार्टी नया जिला कार्यालय के सभागार में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभांशु झा जी की अध्यक्षता और प्रदेश परिषद् सदस्य देवेंद्र कुमार यादव जी के संचालन में दिनांक 24 अप्रैल को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मिथिला की धरती मधुबनी आगमन होने को लेकर 14 जिला के जिला अध्यक्ष जिला महामंत्री क्षेत्रीय प्रभारी जिला प्रभारी और मंच मोर्चा के पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के शुरूआत में वंदे मातरम्-गीत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी डां श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलित कर किया गया।



इस अवसर पर बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल,पथ निर्माण मंत्री श्री नितिन नवीन प्रदेश महामंत्री ललन मंडल,शिवेश राम मिथिलेश तिवारी राजेश वर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता पंचायती राज्य मंत्री केदार गुप्ता क्षेत्रीय प्रभारी धीरेन्द्र सिंह मधुबनी सांसद डॉक्टर अशोक कुमार यादव राज्यसभा सदस्या डॉ धर्मशीला गुप्ता जी का मिथिला पेंटिंग पाग और चादर पहना कर स्वागत और अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर दो सत्रों में बैठक हुई पहली बैठक में अररिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर, सितामढी,शिवहर मुजफ्फरपुर और दूसरे सत्र में मधुबनी, दरभंगा और झंझारपुर के नेताओं और कार्यकताओं से बैठक आयोजित किया गया।

इस अवसर माननीय प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल जी ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पंचायती राज्य दिवस के शुभ अवसर पर 24 अप्रैल को आगमन होने जा रहा है इस अवसर पर सभी जिलों में पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक सभी कार्यकर्ता लग जाएं लोगों के बीच संवाद और चर्चा कर अभी तक बिहार में माननीय प्रधानमंत्री जी सबसे सुंदर और सफल कार्यक्रम को लेकर चर्चा करना है।पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के सपनों को साकार करने के लिए 14 अप्रैल को डा भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर उनके विचारों आदर्श और सिद्धांतो को अपनाना और सम्मान समारोह करना है। कांग्रेस की सरकार ने अपने शासनकाल में डा भीमराव अम्बेडकर जी के आदर्शों को ठुकराने का काम किया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने शासनकाल से डा भीमराव अंबेडकर जी के विचारों और सिद्धांत को चुनौती के रूप में लेते हुए जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। सभी मंडल अध्यक्ष अपने विधानसभा में विधानसभा स्तरीय बैठक करना है। आने वाला बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि बिहार में आप सभी के समर्थन और सहयोग से एनडीए गठबंधन पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

# नही रहे ट्रस्ट के प्रेरक राजेन्द्र प्रसाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**उनके आशीर्वाद से ट्रस्ट की स्थापना कर समाज की सेवा कर नई दिशा दी गयी और आगे भी उनका ट्रस्ट समाज की सेवा में लगा रहेगा**

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के समाजसेवी, गरीबों के प्रति कुछ करने की दिली इच्छा रखने वाले राजेन्द्र प्रसाद ट्रस्ट के प्रेरक शहर के लहेरिया बाजार निवासी 103 वर्षीय राजेन्द्र प्रसाद का निधन अपने निवास स्थान पर हो गया। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट के संरक्षक डॉ संजीव प्रकाश ने बताया कि मेरे दादा का सम्पूर्ण जीवन सादगी एवं समाज के प्रति हमेशा कुछ करते रहने की सोच का ही परिणाम है कि उनके आशीर्वाद से ट्रस्ट की स्थापना कर समाज की सेवा कर नई दिशा दी गयी और आगे भी उनका ट्रस्ट समाज की सेवा में लगा रहेगा। उनके निधन की जानकारी मिलते ही उनके अंतिम दर्शन को लोग आते रहे। अंतिम दर्शन को आवास पर पहुंचे राजद नेता सह मोरवा विधायक रणविजय साहू, विधायक आलोक कुमार मेहता, जिला पार्षद सुनीता शर्मा, वार्ड पार्षद सुशील सुरेका, वीरेंद्र झा, वीरेंद्र राउत, डॉ अरविंद ज्योति, राज दीपक, प्रमोद राय, संजीव कुमार, विनोद समीर, सत्यनारायण सिंह, नीलम देवी, मगन लाल साह के अलावे काफी लोगो ने उन्हें माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

# निषाद समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वीआईपी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

## समस्तीपुर के कल्याणपुर से जिला परिषद सदस्य ने ली कांग्रेस की सदस्यता

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

पटना 11 अप्रैल 2025निषाद समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वीआईपी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे सुरेश मुखिया बिंद अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने उन्हें पलायन रोको नौकरी दो यात्रा के मंच पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट , ठरवकके राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार आदि नेताओं की उपस्थिति में सदस्यता दिलवाई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश कुमार ने बताया कि बिहार का पिछड़ा अति पिछड़ा समाज और दलित समाज को समाज के मुख्य धारा में लाने हेतु कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है। ऐसे में सुरेश मुखिया बिंद और रवि रौशन जी के पार्टी में शामिल होने से कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलेगी।




गौरतलब है कि सुरेश मुखिया बिंद अति पिछड़ा वर्ग में एक जाना माना नाम है। साथ ही वे वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे और वर्तमान में निषाद समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। जबकि रवि रौशन समस्तीपुर के कल्याणपुर प्रखंड से जिला परिषद के निर्वाचित सदस्य हैं।इस दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद, यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चीव, समेत पार्टी के कई गणमान्य नेता मौजूद थे।।

# साम्प्रदायिक व संविधान विरोधी वक़्फ संशोधित कानून वापस लो : खुर्शीद खैर

## मुस्लिम समुदाय के धार्मिक आजादी पर हमले के खिलाफ आवाज बुलंद करो : उमेश कुमार




**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**एम नईमुद्दीन आजाद**

समस्तीपुर। विदित हो कि वक़्फ संशोधन बिल संसद के दोनों सदनों से पास हो चुका है, इस असंवैधानिक वक़्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम समुदाय सहित इंसाफ पसंद लोगों, धर्म निरपेक्ष ताकतों के बीच काफी बेचैनी तथा गम व गुस्सा देखने को मिल रहा है। साम्प्रदायिक व संविधान विरोधी वक़्फ बिल के खिलाफ इंसाफ मंच बिहार के दो दिवसीय 10.4.2024 और 11.4.2025 राज्यव्यपी प्रतिरोध करने के फैसले के तहत शुक्रवार को समस्तीपुर में भी इंसाफ मंच एवं भाकपा माले के संयुक्त बैनर तले एक विरोध मार्च एवं प्रधानमंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम हुआ। विरोध मार्च भाकपा माले जिला कार्यालय माल गोदाम चौक से चलकर गांधी स्मारक स्टेशन चौक पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया एवं पुतला दहन एवं वक़्फ संशोधित कानून की प्रतियों का दहन किया गया। अंत में गांधी स्मारक पर सभा भी आयोजित की गई। अध्यक्षता भाकपा माले जिला सचिव प्रो उमेश कुमार ने किया। सभा को संबोधित करने वालों में इंसाफ मंच के राज्य उपाध्यक्ष एवम जिला सचिव डॉ खुर्शीद खैर, मो आफताब उर्फ हीरा, गंगा प्रसाद पासवान, मो अकबर अली, मो आले, राजू राय, अनिल चौधरी, आफताब अंसारी उर्फ लाल बाबू, रतन कुमार आदि का नाम शामिल है।

# कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय प्रांगण में छात्राओं का विदाई समारोह



जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड कार्यालय क्षेत्र स्थित 44 छात्राओं की विदाई 44 का नामांकन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कल्याणपुर टाइप वन के प्रांगण में शुक्रवार को सम्मान से विदाई समारोह का आयोजन प्रधानाध्यापक सह संचालक राजेंद्र महतो की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मौके पर विशिष्ट अतिथि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राज कुमार यादव, किसान सीताराम शर्मा, शारीरिक शिक्षक सुरेंद्र प्रसाद सिंह, कस्तूरबा गांधी छात्रावास की वार्डन रेखा कुमारी, लेखपाल जय कुमारी, राजकीय उच्च प्राथमिक मध्य विद्यालय कल्याणपुर प्रखंड के शिक्षक सुरेंद्र ठाकुर, धीरज कुमार व पंकज कुमार आदि समारोह मौजूद थे। इस संबंध में प्रधानाध्यापक श्री महतो ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रावास की 44 छात्राएं आठवीं वर्ग से उत्तीर्ण होकर अन्य कस्तूरबा गांधी छात्रावास में नामांकन के लिए जा रहे हैं, इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। वार्डन रेखा ने कहा कि विदाई होने वाली छात्राओं में अंशु कुमारी, नंदनी कुमारी, आंचल कुमारी, रिया कुमारी, छवि कुमारी, रिया राज, काजल कुमारी, प्रतिज्ञा कुमारी आदि 3 वर्षों से छात्रावास में अनुशासित रहकर उच्चतम अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण होकर आगे अध्ययन के लिए जा रही हैं।

# मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के आलोक में अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश



**संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मो. अबु बकर सिद्दीकी**

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने "जनता के दरबार में जिलाधिकारी" कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के आलोक में अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करे अधिकारी।..डीएम

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी" कार्यक्रम में जिले के सुदूर क्षेत्रो से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया ।

गौरतलब हो कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं. इस परिप्रेक्ष्य में शुक्रवार, 11अप्रैल को कुल 49 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ जिलाधिकारी से मिले.

मधुबनी जिला निवासी माधव मिथिलेश द्वारा अमीन प्रतिनियुक्त कर मापी एवं सीमांकन करने से संबंधित आवेदन दिया।

प्रखंड राजनगर निवासी प्रद्युम्द कुमार ग्राम पंचायत कैथाही वार्ड नंबर -07 में नल-जल योजना का अनुरक्षक को पैसा भुगतान नहीं होने से संबंधित शिकायत किया गया।

मधुबनी जिला निवासी सुनील कुमार कामत के द्वार ठ.ल्ठ-104 अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा देने से संबंधित आवेदन दिया गया।

मधुबनी जिला निवासी मो० हकीम के द्वारा गलत बिजली बिल से संबंधित शिकायत किया गया ।

मधुबनी निवासी शकीला खातून ने सरकारी अमीन के द्वारा गलत नापी करने से संबंधित शिकायत किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी-बारी से शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए. जिलाधिकारी ने कई प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।-उक्त अवसर पर डी.डी.सी दीपेश कुमार एवं प्रभारी एडीएम राजेश कुमार उपस्थित थे,

## सी0एम0 कॉलेज, दरभंगा की शिक्षिका के निधन पर शोक सभा

**संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मो. अबु बकर सिद्दीकी**

सी०एम० कॉलेज, दरभंगा की शिक्षिका के निधन पर शोक सभा

महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन में एक शोक सभा का आयोजन किया गया।इस शोक सभा में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो० मुश्ताक अहमद, समस्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने सम्मिलित होकर प्रो० अरुणिमा सिन्हा कि दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजली अर्पित की तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। ज्ञातव्य हो कि डॉ० अरूणिमा सिन्हा सन 1993 से 2010 तक सी०एम० कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका रही थीं, उसके बाद उनका स्थानान्तरण मिथिला विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में हो गया था। लेकिन वह सी०एम० कॉलेज की सभी गतिविधयों अ३ नियमित रूप से सम्मिलित रहती थीं। और कॉलेज परिवार के हर सुख दुःख में शामिल रहती थीं उनके निधन से पूरा परिवार दुःखी है

## मनाई गई महावीर जयंती

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**एम नईमुद्दीन आजाद**

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के स्थानीय आर एल महतो कॉलेज में महावीर जयंती मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार एवं संचालन पल्लव कुमार पारस ने किया। मौके पर डॉ कुमार ने कहा कि सत्य, अहिंसा, त्याग व संयम का संदेश के बताये मार्ग पर चलकर शांतिपूर्ण एवं समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। वही कॉलेज कार्यालय अधीक्षक पल्लव कुमार पारस ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तम्भ है। आज का दिन उनके त्याग, तपस्या को याद करने का दिन है। इनके बताये रास्ते का अनुसरण करते हुए ईमानदारी व जिम्मेदारी के साथ इस समाज मे गौरव बनाये रखना चाहिए। मौके पर सुनील कुमार, कैलाश सिंह, पप्पू कुमार, अजय शर्मा आदि मौजूद थे।

## राष्ट्रीय महासचिव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बयान, पलायन रोको, नौकरी दो

# पूर्व केंद्रीय मंत्री व पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा को मिला बिहार का प्रतिसाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बिहार ने कभी हार नहीं मानी, भाजपा-जेडीयू की हार के आगे बिहार की जीत है

बिहार के युवाओं के पलायन को रोकने के लिए और उनको नौकरी का अधिकार दिलाने के लिए पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा का आगाज भारतीय युवा कांग्रेस एवं भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने 16 मार्च, 2025 को भीती हरवा गांधी आश्रम, पश्चिमी चंपारण से किया था। यह वही पावन भूमि है, जहाँ से महात्मा गांधी ने ब्रिटेनी हुकूमत कि खिलाफ किसानों के लिए सत्याग्रह प्रारंभ किया था। 26 दिन से यह यात्रा बिहार में विभिन्न स्थानों से होकर पटना पहुँची है। इस यात्रा को बिहार के लाखों नागरिकों का प्रतिसाद और साथ मिला। महिला ऑटोचालक संघ, पेंडिंग सेना भर्ती समूह, रीगा चीनी मिल मजदूर, कोशी विकास प्राधिकरण संघ, मक्का किसान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी निर्माण, जमीन अधिग्रहण से प्रभावित वर्गों जैसे अनेक संस्थानों, पीड़ित लोगों और संघों का पूरी यात्रा में साथ रहा। पलायन का अर्थ है - पल पल की यातना, बिहार के नौजवानों ने जो यातना सही है, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती। बिहार के युवा को अपने भविष्य का सपना साकार करने के लिए बिहार से पलायन को मजबूर किया गया, न बिहार में अच्छी शिक्षा के अवसर दिए गए न रोजगार के। जैसे-जैसे बिहार में जेडीयू-भाजपा का गठबंधन फलता-फूलता गया, वैसे-वैसे बिहार की स्थिति बद से बदतर होती गई। न यहाँ उद्योग-धंधे लगे और जो विरासत में मिले थे, वो भी बंद हो गए। न इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप किया, न अच्छे शैक्षणिक संस्थान खोले गए। न स्वास्थ की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई। बिहार के युवाओं की असीम इच्छा शक्ति का साथ जेडीयू-भाजपा सरकार ने नहीं दिया, बल्कि युवाओं के भविष्य को लूट लिया। उसे इस सरकार ने प्रवेश और भर्ती परीक्षा में बोली लगा कर बेच खाया। जेडीयू भाजपा का पाप - पलायन बना अभिशाप! केंद्र सरकार के आँकड़ों के अनुसार, बिहार में कुल 2,98,57,554 रजिस्टर्ड मजदूर हैं। बिहार और देश की सरकार का मानना है कि यह वास्तविक संख्या 3 करोड़ 45 लाख है। खुद श्रमिकों ने यह बताया है कि 94 प्रतिशत लोगों की आमदनी 10,000 रुपये प्रतिमाह से कम है और इसमें से अधिसंख्य पलायन के लिए विवश किए गए हैं।

2ण बीते वर्षों इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साईंस की रिपोर्ट में यह चैंकानेवाला खुलासा हुआ कि बिहार की लगभग आधी आबादी पलायन के लिए मजबूर है।

3ण जेडीयू-भाजपा सरकार द्वारा भर्ती और प्रवेश परीक्षा के घोटाले करके बिहार के युवाओं के भविष्य की बोली लगाई।

बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हुआ, अमीन भर्ती परीक्षा का पेपर बेचा गया, बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हुआ।

बिहार उत्पाद विभाग का पेपर लीक हुआ।

बीपीएससी 67वीं पीटी का पेपर लीक हुआ।

केंद्रीय चयन परिषद का पेपर लीक हुआ। बिहार राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, सीएचओ स्वास्थ्य विभाग, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी की ऑनलाईन परीक्षा का पेपर भी लीक हुआ। नीट का पेपर लीक हुआ। बीपीएससी शिक्षक परीक्षा का पेपर लीक हुआ। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जब युवाओं के भविष्य को बेचा गया। सत्ता की सरपरस्ती में भविष्य बेचने का यह धंधा हजारों करोड़ का है।

पलायन की सबसे बड़ी तस्वीर कोविड की महामारी के समय सामने आई थी, जब लाखों बिहार के लोग देश के कोने-कोने में सड़कों पर दर-बदर की ठोकर खाते हुए दिखाई दिए।

## आज बिहार सहित पूरे देश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है लेकिन सरकार बेरोजगारी पर बात नहीं करती है : राजेश कुमार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा की आज बिहार सहित पूरे देश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है लेकिन सरकार बेरोजगारी पर बात नहीं करती है । आज यात्रा का 27 वा दिन है । 27 दिनों में यह यात्रा बिहार के छात्रों नौजवानों के आवाज का मंच बन गया है । कन्हैया कुमार ने कहा कि पिछले एक महीने की इस यात्रा में हमने सरकार की नीतियों से परेशान बिहार भर के 1 लाख से ज्यादा छात्रों नौजवानों से मुलाकात की है । आगे उन्होंने कहा की की नौकरी दे रहे है । बिहार को पलायन का केंद्र बनाया जा रहा है . यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान चिब ने कहा की आज हमारे लिए गर्व का विषय है की हमारे कउ और ठरवकके साथियों ने बिहार में पलायन के एक मुद्दे पर यात्रा को संपन्न किया । उन्होंने बिहार सरकार से पूछा कि आखिर क्यों बिहार के गरीब लोगों को अपने माँ बाप परिवार को छोड़कर बिहार से बाहर कमाई करने के लिए जाना पड़ता है ?

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि बिहार युवा राज्य है , बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ में 8 करोड़ 25 वर्ष से कम उम्र के है । जब बिहार के युवा डबल इंजन की सरकार से नौकरी मांगते है तो उसका एक इंजन लोगो को पकौड़ी बनाने को कहता है जबकि दूसरा इंजन कड़कड़ाती ठंड में छात्रों पर लाठी बरसाता है । उन्होंने आगे की इस यात्रा ने पूरे देश को यह संदेश दिया है कि बिहार के युवा क्रांति चाहते है . ज्योतिबा फूले और माता सावित्री बाई फूले पर बनी फि ल्मों को आज बैन कर दिया गया जबकि सरकार प्रॉपगैंडा फि ल्मों को बढ़ावा देती है ।

ठरवक के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा बिहार की सरकार युवाओं की ढंग की नहीं बल्कि संघ

## नगरपालिका उप निर्वाचन 2025 के निमित्त नगर पंचायत एकमा बाजार के सभी वार्डों के प्रारूप मतदाता सूची का किया गया प्रकाशन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- इस सूची में नाम दर्ज करने के लिए दावा प्रपत्र 2 में तथा आपत्तियां प्रपत्र 3 में 24 अप्रैल तक किया जा सकता है दायर

**प्राप्त दावा/आपत्तियों का निष्पादन 30 अप्रैल तक किया जायेगा। 09 मई को अंतिम सूची का प्रकाशन किया**

छपरा, 11 अप्रैल, 2025निबंधन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह अनुमंडल पदाधिकारी, छपरा, सदर द्वारा नगर पंचायत एकमा बाजार के प्रारूप मतदाता सूची को सर्व साधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया गया है। इस सूची में नाम दर्ज करने के लिए सभी दावा प्रपत्र-2 में तथा सूची में दर्ज नाम के विरूद्ध सभी आपत्तियां प्रपत्र 3 में दिनांक 24.04.2025 तक दायर की जा सकेगी ।रिवाईजिंग अथॉरिटी, जिनके समक्ष ऐसे दावे एवं आपत्तियों दायर की जा सकती है, डॉ० अरूण कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, एकमा हैं, जिनका पता प्रखंड कार्यालय, एकमा।

दावे एवं आपत्तियों रिवाईजिंग अथॉरिटी को संबोधित किये जायेंगे तथा या तो इस सूचना में विनिर्दिष्ट रिवाईजिंग अथॉरिटी के समक्ष उपस्थापित किये जायेंगे या डाक द्वारा इस प्रकार भेजे जायेंगे ताकि उन्हें दिनांक 24.04.2025 तक प्राप्त हो सके।

प्राप्त दावा/आपत्तियों का निष्पादन 30 अप्रैल तक किया जायेगा। 09 मई को अंतिम सूची का प्रकाशन किया जायेगा।

## सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

- एक युवक की दुर्घटना के वक्त ही हो गई थी मौत
- एक महीने पहले अनियंत्रित इनोवा ने मारी थी टक्कर

### टेंट हाउस चलाकर गुजारा करता था मृतक दिलीप

**मृतक युवक खानपुर खैरांटी निवासी तारकेश्वर साह का पुत्र दिलीप कुमार दो बच्चों का पिता था। एक लड़का अंश कुमार चार साल का है वहीं दो साल की छोटी बच्ची अदिति कुमारी है। युवक की मौत के बाद अब पत्नी पर परिवार को चलाने की जिम्मेदारी आ गई है। इस दुर्घटना के संबंध में पूर्व में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।**

हुसैनगंज, एक संवाददाता। थाना क्षेत्र के हुसैनगंज- गोपालपुर मार्ग पर 27 फरवरी को बीआरसी कार्यालय के समीप अनियंत्रित इनोवा कार की टक्कर में एक युवक एवं दो बच्चे बुरी तरह जख्मी हो गए थे। वहीं मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों में से खानपुर खैरांटी निवासी 22 वर्षीय एक युवक राहुल कुमार बैठा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं उसका साथी खैरांटी निवासी 27 वर्षीय दिलीप कुमार साह बुरी तरह घायल हो गया था जिसे इलाज के लिए सीवान सदर अस्पताल भर्ती कराया गया था। बेहतर इलाज के लिए बाद में परिजनों ने उसे सीवान के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां स्थिति में सुधार नहीं होता देखकर पटना स्थित आरोग्य इमरजेंसी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां भी कुछ दिन इलाज हुआ लेकिन युवक को गंभीर अंदरूनी चोट लगी थी और कोई फायदा नहीं होता देख परिजन उसे गोरखपुर इलाज के लिए ले गए जहां वह कुछ दिनों से इलाजरत था। वहां इलाज के दौरान ही अचानक गुरुवार की शाम को तबियत बिगड़ी और युवक की मौत हो गई। शुक्रवार को उसका शव खैरांटी पहुंचते ही पत्नी समेत परिजनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। स्थानीय श्मशान घाट में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया।

## बैग काटकर चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश: गिरोह के 01 सदस्य गिरफ्तार अन्य के विरूद्ध छापामारी जारी

वरिष्ठसंवाददाता
साहिल अंसारी
शकील हैदर,

दिनांक-23.03.25 को जलालपुर थानान्तर्गत जलालपुर बाजार में अज्ञात चोरों द्वारा 01 व्यक्ति का बैग काटकर 40 हजार रूपया चोरी कर लेने की घटना कारित की गयी थी। जिस संदर्भ में पीड़ित रामवृक्ष प्रसाद, पिता-कुँवरदेव प्रसाद, साकिन गम्हरिया कला, थाना-जलालपुर, जिला-सारण के लिखित आवेदन के आधार पर जलालपुर थाना कांड सं0-54/25, दिनांक-23. 03.25, धारा-303(2)/318 (4) बीएनएस दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था। अनुसंधान के क्रम में प्राप्त आसूचना के आधार पर घटना में संलिप्त 01 अभियुक्त को गिरप?तार किया गया एवं इनके निशानदेही पर चोरी गयी 34,500 रू एवं 01 मोबाइल बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा पूछताछ के क्रम में रिविलगंज थाना कांड सं0-28/25 एवं 303/24 के चोरी की घटना में अपनी संलिप्ता को स्वीकार किया गया। इनके निशानदेही पर घटना में संलिप्त अन्य अभियुक्त की पहचान कर उसकी गिरप?तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है ।> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-

1. आकाश तिवारी, पिता-स्व० मुन्ना तिवारी, ग्राम-दुगार्पुर, थाना-मांझी, जिला-सारण।

>जप्त सामानो की सूची

1. नगद राशि- 34,500 रू, 2. मोबाइल-01

>टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी

1. थानाध्यक्ष जलालपुर थाना एवं थाना के अन्य कर्मी।

## मानव जीवन का प्रथम पहचान है शिक्षा - जीयर स्वामी जी महाराज

# विद्या भारती के तीन दिवसीय साधारण सभा बैठक शुरू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

**राजगीर( नालंदा).**विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तीन दिवसीय साधारण सभा बैठक राजगीर स्थित पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर में शुक्रवार को शुरू हो गया. जो 13 अप्रैल तक चलेगा.बैठक का उद्घाटन मुख्य अतिथि संत लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डा कृष्ण गोपाल जी ने संयुक्त रूप से मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया. अध्यक्षता विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी रामकृष्ण राव ने की. वही संचालन क्षेत्रीय मंत्री राम अवतार नरसरिया ने किया. राष्ट्रीय महामंत्री अवनीश भटनागर ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. कार्यक्रम की प्रस्तावना विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत ने रखा. जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन का प्रथम पहचान शिक्षा है. ज्ञान के माध्यम से मानव सभी कामनाओं को पूर्ण कर सकता है.राष्ट्र ,समाज एवं परिवार के विकास के लिए शिक्षा जरूरी है .शिक्षा अपराधी के अपराध करने पर नियंत्रण करती है .जीवन में शांति के लिए संस्कार युक्त शिक्षा अति आवश्यक है. शिक्षा मर्यादित जीवन जीने की कला सिखाती है. जीवन में संस्कार, संस्कृति एवं मानवता को अपनाना चाहिए .वही सह सरकार्यवाह ने कहा कि बालकों के गुणवत्तापूर्ण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता की जानकारी आवश्यक है. जिसमें पंच प्राण पद्धति कारगर साबित होगी. विद्या भारती के तीन पुस्तकें कॉफी टेबल, पंच परिवर्तन एवं चिंतन बैठक पुस्तक का विमोचन किया गया. इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विद्या भारती समेत समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले दिवंगत विभूतियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट मौन रह कर ईश्वर से प्रार्थना की . साधारण सभा बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कार्य के विस्तार व गुणवत्ता विकास पर चर्चा की गई. बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से तीन सौ से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे है. वही पुरे विद्यालय परिसर को आकर्षक तरीके से सजाया गया है. साधारण सभा बैठक के माध्यम से लघु भारत का स्वरूप देखने को मिल रहा है. इस दौरान विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने घोष के विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया. मौके पर विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रविंद्र कन्हारे, राजेंद्र प्रसाद खेतान, कोषाध्यक्ष जैनपाल जैन, कमल किशोर सिन्हा, क्षेत्रीय सह मंत्री राणा पुरुषोत्तम कुमार सिंह , मोहन सिह,दिनेश कुमार,मनोज कुमार,प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा,रामलाल सिंह, नकुल कुमार शर्मा, भरत पूर्वे, प्रधानाचार्य अनन्त कुमार सिन्हा समेत अन्य लोग मौजूद थे.

## भीषण गर्मी से निपटने को स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, लू पीड़ितों के इलाज के लिए विशेष इंतजाम

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- अस्पतालों में आईसोलेशन वार्ड,कूल रूम और चिकित्सा टीमों की व्यवस्था
- बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान

छपरा। गर्मियों के बढ़ते कहर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लू से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार के लिए व्यापक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, रेफरल अस्पतालों, सदर अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में विशेष व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है कि इन संस्थानों में ओआरएस पैकेट, आई. वी. फ्लूड और जीवन रक्षक दवाइयाँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होनी चाहिए।

### अस्पतालों में आईसोलेशन वार्ड की व्यवस्था :

सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि अत्यधिक गर्मी से प्रभावित व्यक्तियों के लिए आवश्यकतानुसार अस्पतालों में आईसोलेशन वार्ड की व्यवस्था की जायेगी। लू से पीड़ित बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रभावित क्षेत्रों में स्टैटिक एवं चलंत चिकित्सा दल भी तैनात किए जाएंगे। लू से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु स्थानीय स्तर पर मुद्रित एण्ड सामग्री जैसे पम्पलेट और पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है। साथ ही, स्थानीय प्रचार माध्यमों का भी उपयोग करने की बात कही गई है।

### कूल रूम में व्यवस्था की जाएगी:

डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि सभी अस्पतालों में स्वच्छ पेयजल, शीतल छत समाधान और कूल रूम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। लू से प्रभावित व्यक्तियों के इलाज के लिए प्राथमिकता से कूल रूम में व्यवस्था की जाएगी। इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि गर्मी के मौसम में लू से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा।

## मनाया गया महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अनंत कुशवाहा के अध्यक्षता में महान समाज सुधारक, विचारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती का आयोजन मनोज कुशवाहा कॉम्प्लेक्स मगरदही घाट समस्तीपुर में किया गया। समारोह की शुरूआत महात्मा ज्योतिबा फुले के प्रतिमा पर रालोमो के साथियों के द्वारा पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। इस मौके पर अनंत कुशवाहा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले अपना पूरा जीवन गरीबों, महिलाओं, दलितों एवं पिछड़े वर्ग के उत्थान में समर्पित कर दिया तथा सामाजिक कुरीतियों का सदैव पूरी ताकत से विरोध किया। लड़कियों की शिक्षा की कल्पना उस दौर में असंभव मानी जाती थी, लेकिन ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर तमाम चुनौतियों के बावजूद इसे संभव बनाया। ज्योतिराव फुले ने दलितों और वंचितों को न्याय दिलाने के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की थी। समाज सुधार के इन अथक प्रयासों के चलते 1888 में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें महात्मा की उपाधि दी गई। पुष्प अर्पित कर उन्हें याद करने वालों में पार्टी के प्रदेश महासचिव राम करण चौधरी, महासचिव मनोज मेहता, आदित्य ठाकुर, अरविंद वर्मा, अशोक मेहता, अफताब आलम, मनोज कुमार, ओम प्रकाश ठाकुर, मुकेश मालाकार, अजय राम, कुंदन कुशवाहा, अवधेश कुशवाहा आदि ने उन्हें याद कर नमन किया।

## हाईवा के चपेट में आने से साइकिल सवार वृद्ध की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समस्तीपुर में सड़क दुर्घटना में शुक्रवार को 60 वर्षीय शिवदोष साह की मौत हो गई। घटना जिले के एन एच 28 की है, जहां चिकनौटा चौक के पास हाईवा की चपेट में आने से शिवदोष साह की मौत हो गई। इधर घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया है। उधर इस घटना के बाद पारिवारिक सदस्यों के बीच कोहराम मच गया। मृतक के चचेरे भाई अमरजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि उनके बड़े भाई शिवदोष साह मजदूरी करते थे। गुरुवार शाम वह सीमावर्ती बली गांव थाना क्षेत्र के चिकनौटा चौक पर हाट में सब्जी लाने के लिए साइकिल से गये हुए थे। इसी दौरान मुजफ्फरपुर की ओर से आ रही एक हाईवा ने इन्हें ठोकर मार दी। इस घटना में यह गंभीर रूप से जख्मी हो गये। घटना की सूचना पर पहुंचे गांव के लोग ने इन्हें इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल ला रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। बलीगांव थाना अध्यक्ष ने बताया कि हाइवा की ठोकर से बुजुर्ग जख्मी हो गये थे। परिजन उन्हें उपचार के लिए ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की जा रही है, उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को जब्त कर लिया गया है।

## भाजपा प्रदेश कार्यालय में मनाई गई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती, दी गई श्रद्धांजलि

पटना, 11 अप्रैल। बिहार भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आज महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले महान समाज सुधारक थे और समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए जीवनभर संघर्ष किया।

वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले को सामाजिक परिवर्तन का अगुआ बताते हुए कहा कि उन्होंने दलितों और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गों के लिए शिक्षा प्रदान किए जाने के लिए अभियान चलाया। ज्योतिबा फुले भारतीय समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था के घोर विरोधी थे। उन्होंने बाल विवाह का विरोध किया।

इस मौके पर संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, विधान पार्षद अनिल शर्मा, विधायक लखेन्द्र पासवान, मुख्यालय प्रभारी अरविन्द शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, कार्यालय मंत्री प्रवीण चंद्र पटेल, ज्ञान ओझा सहित कई महिला कार्यकताओं और पार्टी के अनेक लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर ज्योतिबा फुले को श्रद्धांजलि दी।

# प्रतिभा सम्मान-सह-विद्यालय कार्यक्रम आयोजित

**मोहम्मद सदरे आलम नौमानी**

सीतामढ़ीः जिले में मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान-सह-विद्यालय गौरव सम्मान कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय विमर्श सभा कक्ष में किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी श्री रिची पांडेय ने मेधावी छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा, ह्लआप सभी छात्र–छात्राएं हमारे जिले की गौरव हैं। आप सभी अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। आपकी मेहनत, लगन और सफलता न सिर्फ आपके परिवार के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह पूरे जिले को प्रेरित करती है।शिक्षा के क्षेत्र में आप सभी की यह उपलब्धि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। प्रशासन की ओर से हम ऐसे होनहार विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करते रहेंगे।ह्व उन्होंने संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक के साथ बच्चों के अभिभावकों को भी शुभकामनाएं दी। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि यह सम्मान सिर्फ एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है – समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान देने की। उन्होंने विद्यालयों को भी बधाई दी और कहा कि ऐसे संस्थान, जो प्रतिभाओं को निखारने में अहम भूमिका निभाते हैं, प्रशंसा के पात्र हैं। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं एवं संबंधित प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया साथ ही, उन विद्यालयों को भी ह्लविद्यालय गौरव सम्मानह्व से नवाजा गया, जिन्होंने सर्वांगीण विकास में विशेष योगदान दिया।

समारोह में जिला शिक्षा पदाधिकारी, शिक्षा विभाग की अन्य पदाधिकारी, स्कूल प्राचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय लोक मोर्चा परिवार ने मनाया महात्मा ज्योतिबा फूले का जयंती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को मोरवा विधानसभा के लसकारा में राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद के आवासीय परिसर में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद के अध्यक्षता में महात्मा ज्योतिबा फुले का जयंती मनाया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने कहा कि ज्योतिबा फुले मजदूर एवं दबे कुचले समाज के उत्थान के लिए गुलामी नामक पुस्तक भी लिखें थे। श्री निषाद ने कहा कि वे भारतीय समाज सुधारक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दर्शनिक तथा क्रन्तिकारी कार्यकर्त्ता थे। उन्हें महात्मा फुले एवं ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है। सितम्बर 1873 में उन्होंने महाराष्ट्र मे सत्य शोधक समाज नामक संस्था का गठन किए थे। महिलाओ व पिछड़े और अछूतो के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान करने के वे प्रबल समर्थक थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित जाति पर आधारित विभाजन और भेदभाव के विरुद्ध थे। मौके पर पूर्व जिला पार्षद विभा देवी, डॉ दिलीप कुमार चौधरी, प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह, रामानंद सिंह, मनोज कुमार राम, अनिल सिंह कुशवाहा, अमरजीत कुमार, संजय कुमार राम, सुरेश कुमार राम, मो बसीर, कृष्णदेव साह, दिलीप गुप्ता, मुकेश कुमार चौधरी, डॉ बलराम सिंह कुशवाहा, जयदेव राय, सुरेश कुमार महतो, विन्देश्वर भंडारी, मनीष पासवान, सुबोध चौधरी, पूर्व मुखिया नागो राम, अजय कुमार कुशवाहा, संघर्ष कुमार, इंदल चौधरी,

# जन सुराज पार्टी के रैली में शामिल होने के लिए हजारों कार्यकता हुए वारिसनगर से पटना रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार बदलाव रैली में शामिल होने के लिए जनसुराज के हजारों कार्यकर्ता वारिसनगर ब्लॉक के मन्नीपुर से पटना के लिए रवाना हुए।इस अवसर पर जनसुराज पार्टी के संभावित प्रत्याशी डॉक्टर महेश कुमार अपने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ पटना रैली में शामिल होने के लिए रवाना हुए।पटना रवाना होने से पूर्व डॉक्टर महेश कुमार ने बताया कि बिहार की बदलाव के लिए बिहार के लोग बदलाव के लिए इच्छुक हैं। जनसुराज पार्टी का मुख्य उद्देश्य युवाओं के पलायन को रोकना, बिहार में कल कारखाना स्थापित करना, बुजुर्गों को 2000 रुपया महीना, पेंशन देना इत्यादि प्रमुख मांगे शामिल है। इस अवसर पर 132 वारिसनगर विधानसभा के संभावित प्रत्याशी डॉक्टर महेश कुमार के अलावा, साकेत कुमार सिंह, मनीष कुमार, मो साजिद, मो निशार अहमद, मो तौहीद अंसारी, सौरभ सिंह बाबुल, जुनैद अहमद, सागर सिंह, मुन्ना कुमार, अनिल कुमार, लाल बाबू दास, गणेश दास, नंद किशोर राय, विनोद राय, सीता राम महतो, अनिल महतो, रेखा देवी, कविता देवी, सपना देवी, फूल कुमारी देवी, चंद्रिका देवी, नीरो देवी, लाल मुनि देवी, चांदनी देवी समेत हजारों लोग ढ़ोल बाजे और नगाड़े के साथ पटना गांधी मैदान के लिए रवाना हो गये। बताया जाता है कि इस बार बिहार की जनता बदलाव के मूड में हैं।

# गीता साह बनी प्रखंड कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की अध्यक्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के दलसिंहसराय में भाजपा नगर मंडल के अध्यक्ष सह महिला नेत्री गीता साह को सरकार द्वारा प्रखंड के कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इनके मनोनयन पर पार्टी के कार्यकर्ताओ ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्य मंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, स्थानीय सांसद सह केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय जिला दक्षिणी के अध्यक्ष शशिधर झा, कार्यक्रम समिति के जिलाध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय, कार्यक्रम समिति के उपाध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के प्रति आभार प्रकट करते हुए प्रखंड कमिटी के अध्यक्ष गीता साह को भी बधाई दी है। बधाई देने वालो में उजियारपुर लोकसभा पालक सामंत कुमार चौधरी, शम्भू प्रसाद साह, योगेंद्र प्रसाद, नवल किशोर झा, राजेश पासवान, सतीश चौधरी, मीरा देवी, सुनील साह आदि का नाम शामिल है। उक्त जानकारी नगर महामंत्री विवेक कुमार ने दी है।

**इनके मनोनयन पर पार्टी के कार्यकर्ताओ ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्य मंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, स्थानीय सांसद सह केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय जिला दक्षिणी के अध्यक्ष शशिधर झा, कार्यक्रम समिति के जिलाध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय, कार्यक्रम समिति के उपाध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के प्रति आभार प्रकट करते हुए प्रखंड कमिटी के अध्यक्ष गीता साह को भी बधाई दी है।**

# आश्वासनः स्थानीय लोगों की सुविधाओं का रखा जाएगा ख्याल

**● मटिहानी विधायक ने समर्थकों के साथ किया क्षेत्र भ्रमण**

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसरायः गुरुवार को पैदल क्षेत्र भ्रमण के दौरान मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह नगर निगम के वार्ड संख्या तीन एवं केसाबे में जाकर लोगों से मिले एवं उनसे उनका हाल-चाल जाना। कुछ ग्रामीणों ने नाले एवं बिजली पोल की समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर विधायक ने तुरंत संबंधित अधिकारी से फोन पर बात करके उन्हें तुरंत समाधान करने को कहा। जिस पर अधिकारी ने अपनी सहमतिजताई। इसके बाद वे पैदल उलाव हवाई अड्डा पहुंचे।वहां ग्रामीण ने अपने विधायक से कहा कि ऊलाव हवाई अड्डा के चारों तरफ चारदिवारी होने से आमजन के आवाजाही के पारंपरिक मार्ग को बाधित कर दिया जाएगा। विधायक ने ग्रामीण की बात को गंभीरता से सुना समझा एवं आश्वासन दिया है कि स्थानीय लोगों की सुविधाओं एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उचित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विधायक के साथ मेयर प्रतिनिधि, नगर निगम के वार्ड सदस्य, केसाबे ग्रामवासी सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

# पटना के फुलवारीशरीफ में दिनदहाड़े मर्डर, बाइक सवार युवक को गोलियों से भूना

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना जिले में शुक्रवार को एक युवक की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। वारदात फुलवारीशरीफ के किसान कॉलोनी में दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई। अपराधियों ने बाइक सवार युवक को गोलियों से भून दिया। उसके सिर में ताबड़तोड़ तीन गोलियां दागी गईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी तुरंत वहां से भाग निकले। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। मृतक की पहचान मोकामा के औंटा निवासी 38 वर्षीय नवनीत कुमार के रूप में हुई है। वह वर्तमान में पटना के राजवंशी नगर में रहता था।सूचना मिलने पर डीएसपी सुशील कुमार और थानेदार मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। डीएसपी ने बताया कि हत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। जांच के दौरान घटनास्थल से एक पिस्टल, एक कारतूस और चार खोखा बरामद हुआ है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। गोलीबारी की घटना के समय कॉलोनी में सन्नाटा था। इसका फायदा उठा अपराधी भाग गए। थानेदार मसूद हैदरी ने बताया कि घटनास्थल से बरामद बाइक नालंदा निवासी राहुल कुमार के नाम है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं, घटनास्थल के आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। फिलहाल युवक के परिवार वाले को घटना की खबर दे दी गई है।पुलिस ने बताया कि नवनीत एक युवक के साथ किसान कॉलोनी आया था। हालांकि घटना के बाद वह फरार है। उसकी तलाश की जारी है। पुलिस के अनुसार, नवनीत माइनस बाइकर्स गिरोह से जुड़ा था। उसके खिलाफ पाटलिपुत्र थाने से केस दर्ज हुआ था, जिसमें वह जेल भी गया था।

# हिट वेव को देखते हुए अपर समाहर्ता ने की समीक्षात्मक बैठक

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

**समस्तीपुर।** अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन राजेश सिंह की अध्यक्षता में हीट वेव से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन द्वारा आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए हिट वेव की तैयारी के संबंध में कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को पेयजल एवं चापाकल को दुरुस्त रखने हेतु निर्देश दिया गया, ताकि गर्मी के मौसम में पानी की समस्या ना रहे। इसके अतिरिक्त सिविल सर्जन को सभी प्राथमिक चिकित्सा सुविधा सभी जिला अंतर्गत अस्पतालों में रखने का निर्देश दिया गया। विशेषकर ओआरएस को सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूलों में उपलब्ध कराने की निर्देश दिया गया। साथ ही जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस को सभी आंगनबाड़ी केंद्र पर इसको अनिवार्य रूप से पिलाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा पशुपालन अधिकारी को पशुओं के लिए पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को हिट वेव से बचने हेतु आपदा प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए गये प्रचार प्रसार मटेरियल के माध्यम से प्रसारित करने हेतु निर्देश दिया गया। इसके अलावा जिला परिवहन पदाधिकारी को दोपहर में सार्वजनिक परिवहन को उचित प्रबंधन के साथ करने हेतु निर्देशित किया गया तथा ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा के मजदूरों को यथासंभव 11:30 बजे पूर्वाह्न से 3:30 बजे अपराह्न तक कार्य नहीं लेने का निर्देश दिया गया। मीटिंग में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी सभागार में जबकि क्षेत्रीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

# महाराजगंज में युवती का संदिग्ध अवस्था में उसके घर से शव बरामद पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज 11अप्रैल शुक्रवार। महाराजगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत नोनियाडीह निवासी प्रभु महतो के घर से उनकी बेटी आरती कुमारी 25 वर्ष का शव मृत अवस्था में पुलिस ने बरामद की है। मृत युवती के भाई का कहना है की बहन की तबियत अचानक खराब हुई थी जिसको हमलोग अस्पताल ले कर गए थे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लेकिन मृतक आरती कुमारी के साथ अफेयर में रहने वाला युवक ने बताया की मेरे साथ आरती का लगभग चार साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था जिससे आरती के पिता और भाई हमेशा उससे प्रताड़ित करते थे आरती के भाई और उसके पिता ने ही हत्या किए है। लगभग चार माह पूर्व लड़की अपने प्रेमी संग भागी थी जिसे महाराजगंज पुलिस ने बरामद कर 164 का बयान लेकर लड़की को परिजनों के हवाले कर दिया था। वही मृत युवती आरती कुमारी के भाई राजा महतो ने बताया की मेरी बहन का मेरे ही मुहल्ले के लड़के से मेरी बहन का अफेयर तीन साल से चल रहा था जिसकी जानकारी हमलोग को सितंबर 2024 में हुई जब मुहल्ले के लड़के के साथ आरती भागी हुई थी। जिसकी शिकायत हमलोग महाराजगंज थाने में किया था।जो पुलिस ने 24 घंटे में बरामद कर लिया था। वही मृत युवती के बॉय फ्रेंड का कहना है कि युवती मेरे साथ अफेयर में रहती थी जिसके वजह से उसके घर वाले ही हत्या किए है। वही महाराजगंज थाना प्रभारी श्री उपेन्द्र कुमार सिंह ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए सिवान भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या कैसे हुई है इसका पता चल पाएगा।

# अपहरणकर्ता धराये, अपहृत बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय में वि गत 10 अप्रैल को बेगूसराय के ग्राम तारा बरियारपुर की एक महिला ने थाना को सूचित किया कि उनके पति राजीव कुमार जो सोना खरीद बिक्री का कारोबार करते है उन्हें 9 अप्रैल को फोन से अवधेश नामक व्यक्ति के द्वारा कहा गया कि उसके पास एक किलो सोना है दलसिंहसराय आकर पैसा देकर ले लीजिए। जिसके बाद राजीव कुमार अपनी पत्नी व बेटा को साथ लेकर सोना खरीदने दलसिंहसराय आयी तथा स्टेशन के सामने मिठाई दुकान पर अवधेश कुमार से मिले। कुछ देर बाद अवधेश कुमार मेरे पति राजीव कुमार को साथ लेकर चला गया तथा पत्नी अपने पुत्र के साथ इंतजार करने लगी। काफी देर बाद पत्नी ने पति राजीव के मोबाइल पर सम्पर्क किया तो राजीव द्वारा बताया गया कि उसे फिरौती हेतु अगवा कर लिया गया है तथा 20 लाख की मांग की जा रही है। पैसा नही दिया गया तो अवधेश के द्वारा हत्या कर दी जाएगी। फिर कुछ देर बाद अवधेश के द्वारा भी अपने मोबाइल नम्बर से रुपया का इंतजाम करने हेतु कहा गया। नही करने पर हत्या की धमकी दिया जाने लगा। सूचना के पश्चात दलसिंहसराय पुलिस के द्वारा तत्क्षण कार्रवाई करते हुए काफी मशक्कत से उक्त महिला के सहयोग से अपराध कर्मियों को विश्वास में लेकर फिरौती की रकम देने हेतु दलसिंहसराय रेलवे स्टेशन के पास बुलाकर छापामारी करते हुए अपहृत राजीव कुमार को सही सलामत बरामद कर लिया गया तथा घटना में संलिप्त एक अपराधकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। उक्त जानकारी पत्रकारों को थाना पर देते हुहे अनुमंडल आरक्षी पदाधिकारी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि अन्य अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की कार्रवाई की जा रही है। छापामारी में अपराधकर्मी का स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा एक अपाची मोटरसाइकिल, दो मोबाइल बरामद किया गया। वही गिरफ्तार अभियक्त के शव कुमार साकिन अहियापुर वार्ड संख्या 01, थाना मंसूरचक जिला बेगूसराय बताया गया। छापामारी दल में पुनि सह थानाध्यक्ष ईरशाद आलम, पुअनि राजीव लाल पंडित, रणजीत कुमार सिंह, राजेश कुमार, सअनि राहुल कश्यप सहित अन्य पुलिस कर्मी को शामिल किया

# कांग्रेस का प्रदर्शन, कन्हैया कुमार को हिरासत में लिया

## सचिन पायलट कुछ कदम चलकर निकले, पुलिस-प्रदर्शनकारियों के बीच राजापुर पुल पर नोकझोंक

सी.एम हाउस का घेराव करने निकले कांग्रेसियों को राजापुर पुल के पास रोक दिया गया है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कन्हैया कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।वहीं प्रदर्शन में शामिल होने आए राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस नेता सचिन पायलट चंद कदम चलकर वापस लौट गए। इधर, कांग्रेस के कार्यकताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक चल रही है। पुलिस वाटर कैनन चलाकर प्रदर्शनकारियों को रोक रही है। कांग्रेस नेता सीएम नीतीश कुमार से मिलकर बिहार के युवाओं से जुड़ी दिक्कतों पर बात करना चाहते हैं। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि, 'पलायन बिहार की मुख्य समस्या है। बिहार सरकार ने युवाओं के लिए क्या किया। कोई रोजगार नहीं है। सरकार को कोई चिंता नहीं है। सोते सरकार को उठाने का काम करेंगे। मुझे नहीं पता सरकार हमारी सुनेंगे या नहीं। 8 करोड़ युवाओं ने इस बार बदलाव का मन बना लिया है।' 'चुनाव के बाद होगा सीएम का फैसला' इस प्रदर्शन के पहले सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, बिहार में कांग्रेस महागठबंधन में चुनाव लड़ेगी, लेकिन सीएम कौन होगा इसका फैसला चुनाव के बाद होगा। पायलट ने कहा कि, नीतीश जी को अगर मोदी को समर्थन देना ही था, तो बिहार के नौजवानों के लिए 10-20 लाख नौकरी मांग लेते हैं। हमें बुरा नहीं लगता। अगर समर्थन की कीमत बिहार के नौजवानों का भविष्य होता है तो हम भी कहते हैं आप जाइए कोई बात नहीं। बिहार के नौजवान किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं। वह इतना चाहते हैं कि रिश्वत और पैसा देकर पेपर आउट ना किया जाए। भेदभाव करके नौकरियों का आवंटन न किया जाए। बिहार के लोग बहुत समझदार हैं। पहले जाति धर्म के नाम पर वोट देते थे, लेकिन अब विकास के नाम पर वोट देते हैंपटना के मौर्या होटल में पीसी करने के बाद सचिन पायलट खुद ड्राइव कर सदाकत आश्रम के लिए निकले। कांग्रेस दफ्तर से 200 मीटर पहले उनकी गाड़ी जाम में फंस गई। पायलट वहां से पैदल ही सदाकत आश्रम पहुंचे। 'लोगों की परेशानियों का पत्र तैयार किया' कन्हैया ने गुरुवार को कहा था कि, 'हमलोग सीएम नीतीश कुमार से मिलने का प्रयास करेंगे। इस पलायन यात्रा के दौरान सभी जिलों की परेशानी को लेकर मांग पत्र तैयार की गई है। इसे हम मुख्यमंत्री को सौंपने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की पदयात्रा गुरुवार को राजधानी पटना पहुंची थी। इस यात्रा की शुरूआत गुरुद्वारा से सुबह 10 बजे हुई। उससे पहले सुबह 8:30 बजे सदाकत आश्रम कैंप में झंडोत्तोलन किया गया। 11:30 बजे गुरु का बाग कमेटी हॉल में विश्राम के बाद शाम 4:30 बजे यह यात्रा फिर से शुरू हुई। कांग्रेस अधिवेशन में शामिल होने के कारण कन्हैया सुबह में इस यात्रा में शामिल नहीं हो पाए थे। शाम के समय पदयात्रा में शामिल हुए थे। पटना साहिब गुरुद्वारा माथा टेकने भी गए थे। कन्हैया ने कल की पदयात्रा के लिए पटना साहिब, कुम्हरार और बांकीपुर जैसे इलाकों को चुना था। ये इलाके आमतौर पर बीजेपी के मजबूत गढ़ माने जाते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं का सबसे बड़ा हब इसी इलाके में है। बड़ी संख्या में इन इलाकों में कोचिंग संस्थान हैं। जो यूपीएससी, बीपीएससी, मेडिकल, इंजीनियरिंग के अलावा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी की तैयारी कराते हैं।

## करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

**जमुई।** खैरा थाना क्षेत्र के हरदीमोह गांव में एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान जेहन यादव(62) के रूप में हुई है। बताया गया कि गुरुवार की देर शाम वह खाना खाने के बाद खेत में मोटर पंप बंद करने गए थे। जिसके बाद देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों उनकी खोजबीन शुरू की। इसके बाद शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों ने उनके शव खेत में पड़ा देख परिजनों को सूचना दी। मृतक के बेटे उपेंद्र यादव ने खैरा थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर घटना की जानकारी दी। उन्होंने किसी पर संदेह जताए बिना पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। स्थानीय लोगों का मानना है कि मौत करंट लगने से हुई हो सकती है। खैरा थाना अध्यक्ष मिंटू सिंह ने बताया कि परिजनों द्वारा मौत को स्वाभाविक बताए जाने और पोस्टमार्टम से इनकार करने के बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर शव परिवार को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## जमुई में आंधी-तूफान से तबाही, 3 की मौत

**जमुई।** गुरुवार शाम को आई तेज आंधी-तूफान ने जमुई और जिले के आसपास के क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। तेज आंधी-तूफान के कारण बंशीपुर और मननपुर स्टेशन के बीच ओवरहेड तार और पेड़ रेलवे ट्रैक पर गिर गया। जिससे अप और डाउन लाइन में रेल परिचालन 6 घंटे तक बाधित रहा। इस दौरान जमुई स्टेशन पर यात्री 8 घंटे तक फंसे रहे। अप लाइन पर पहली ट्रेन हावड़ा-दरभंगा एक्सप्रेस रात 10:30 बजे चली। डाउन लाइन पर पाटलिपुत्रा एक्सप्रेस रात 11:30 बजे गुजरी। वहीं तेज आंधी के कारण बिजली के भी कई तार गिर गए। जिससे करीब 12 घंटे से अधिक समय तक ग्रामीण इलाकों में बिजली की सप्लाई बाधित रहा। वहीं इससे किसानों को भी काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। बारिश के कारण मूंग, मकई, गेहूं और आम की फसलें बर्बाद हो गईं। तेज हवा और बारिश से खेतों में खड़ी फसलें या तो झुक गईं या पूरी तरह नष्ट हो गईं। वहीं कई पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए। गिद्धौर के महावीर मंदिर के पास एक विशाल नीम का पेड़ गिरा। इससे मंदिर परिसर में खड़ी कई मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हुईं। मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया। आंधी ने गरीब परिवारों की करकट की छतें और फूस की झोपड़ियां उड़ा दीं। बज्रपात और तेज आंधी से तीन महिलाओं की मौत हो गई। प्रशासन ग्रामीण इलाकों में बिजली बहाली और सड़कों से पेड़ हटाने का काम कर रहा है। लोगों से मौसम के असामान्य बदलाव को देखते हुए सावधानी बरतने की अपील की गई है। जमुई रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर गिरा पेड़ गुरुवार को आई तेज आंधी तूफान के कारण जमुई रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर स्थित एक दुकान पर विशाल पेड़ गिर गया, जिससे दुकानदार घायल हो गए। जिसकी पहचान लखीसराय जिले के बन्नू बगीचा निवासी रणवीर कुमार के रूप में हुई है। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि दुकान में रखा लगभग 3 लाख रुपए का सामान पूरी तरह से नष्ट हो गया। स्टेशन प्रबंधक नीतीश कुमार ने बताया कि इतनी भयंकर आंधी उन्होंने पहली बार देखी। आंधी के कारण रेलवे ट्रैक पर कई जगह पेड़ गिर गए, जिससे कियुल-जसीडीह रेलखंड पर ट्रेन सेवाएं 6 घंटे तक बाधित रहीं। आरपीएफ बैरेक के पास भी एक पेड़ गिरने की सूचना है। रेलवे विभाग को इस घटना से काफी नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहा है।

## प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन

**नालंदा।** में शुक्रवार को धूमधाम से प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार उपस्थित रहे। समारोह का मुख्य आकर्षण था मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान। मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ईशाना परवीन, अर्पिता कुमारी एवं कुंदन कुमार को सम्मानित किया गया। इंटरमीडिएट के विभिन्न संकायों में भी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। आर्ट्स संकाय में प्रियांशु राज और रंजन कुमार ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। साइंस संकाय में अंजली सिंह, रोहित वर्मा और सोनाली कुमारी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, जबकि कॉमर्स संकाय में स्नेहा कुमारी, शालिनी कुमारी, रानी कुमारी, उजाला ज्योति और आरूषी कुमारी ने सर्वोच्च स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए प्रशंसा पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने और निरंतर अध्ययन की प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं से कहा कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। समारोह के दौरान मंत्री ने गुरुवार को बिहार में आई प्राकृतिक आपदा पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा की पूरे बिहार में प्राकृतिक आपदा से बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ है। फसलों का भी व्यापक नुकसान हुआ है और अनेक लोग इस आपदा में हताहत हुए हैं। मंत्री ने आगे बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस आपदा को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल राहत उपायों का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री जी का मानना है कि आपदा के समय राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का होता है। इसी दिशा में, प्रत्येक पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये की तत्काल सहायता देने का निर्देश दिया गया है। किसानों को राहत का आश्वासनमंत्री ने किसानों के नुकसान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा की बिहार में पान की खेती करने वाले कई किसान हैं, खासकर राजगीर और इस्लामपुर क्षेत्र में। गेहूं, मकई और अन्य फसलों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार सभी नुकसानों का आकलन करा रही है और इसके बाद निश्चित रूप से किसानों को उचित सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जिन लोगों के मवेशी और घर नष्ट हुए हैं, उनका भी आकलन किया जा रहा है। ग्रामीण विकास विभाग और राजस्व विभाग समेत सभी संबंधित विभाग अपने-अपने स्तर पर नुकसान का आकलन कर रहे हैं। राज्य सरकार इस आपदा की घड़ी में पीड़ितों की हर संभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## शराब पीकर और बैग में भरकर स्कूल पहुंचा शिक्षक

**नालंदा।** में एक शिक्षक ने शराब पीने के अलावा देसी शराब को बैग में भरकर स्कूल पहुंच गया। पूरा मामला चण्डी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गांव का है। शुक्रवार को मामले की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने शिक्षक को पकड़ा और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस की दी गई। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने शिक्षक के बैग की तलाशी ली, जिसके बाद बैग के अंदर से देसी शराब की पाउच मिली। इस दौरान लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नशे में पकड़ा गया शिक्षक प्राथमिक स्कूल रामपुर में कार्यरत शिक्षक अमरेंद्र कुमार है। जो आज शराब पीने के अलावा बैग में में पाउच भरकर स्कूल आ गए थे। प्राथमिक स्कूल रामपुर के प्रधानाध्यापक विद्यानंद निराला ने बताया कि अमरेंद्र कुमार पंचायत शिक्षक के पद पर 2022 से उनके यहां कार्यरत हैं। वह बिहार शरीफ के पतुआना के रहने वाले हैं। वह पहले भी शराब के नशे में स्कूल आ जाते थे। कई बार उन्हें चेतावनी दी गई। आज सुबह जब वह स्कूल पहुंचे तो इस बात की भनक ग्रामीणों को लगी और डायल 112 की पुलिस को सूचना दी गई। जिसके उपरांत डायल 112 की पुलिस आई और शिक्षक अमरेंद्र कुमार के बैग को ग्रामीणों के द्वारा चेक किया गया। जिसके अंदर शराब की पाउच बरामद हुई है। वह पिछले चार दिनों से बिना कुछ बताएं स्कूल से भी गायब थे। इस मामले में चण्डी थाना अध्यक्ष से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

# जापानी राजदूत ने महाबोधि मंदिर में किया दर्शन

## बोले- भारत-जापान की मित्रता का सेतु है बोधगया, विजिटर्स बुक में लिखा- अविस्मरणीय अनुभव

**गया।** जापान के राजदूत केइची ओनो शनिवार सुबह बौद्धधर्म की पावन भूमि महाबोधि मंदिर पहुंचे। उनके साथ जापान टूरिज्म एजेंसी के कमिश्नर नाओया हाराइकावा, जापान एंबेसी के सेकेंड सेक्रेटरी यूर्ता साइटो और अधिकारी मासाहिरो कावाकामी मौजूद थे। सभी मेहमान बोधगया की धरती पर शांत व सुखद अनुभूति अनुभव करते हुए नजर आए। मंदिर पहुंचने पर महामहिम ओनो और उनके दल का स्वागत भंते डॉ. बुद्ध रत्न (मनोज भंते) और मंदिर के अन्य भिक्षुओं ने किया। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (BTMC) की सचिव डॉ. महाश्वेता महारथी, सदस्य रेवरेंड ओकोनोगी, डॉ. अरविंद सिंह और किरण लामा भी इस अवसर पर स्वागत में मौजूद रहे।इसके बाद जापानी प्रतिनिधिमंडल ने महाबोधि मंदिर परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने मुख्य मंदिर, पवित्र बोधिवृक्ष, मुचालिंदा सरोवर, रत्नगृह, चंक्रमण (ज्वेल वॉक), अजयपाल निग्रोध वृक्ष और राज्यत्न वृक्ष समेत कई पूजनीय स्थलों पर श्रद्धा अर्पित की। हर स्थान पर उन्होंने गहरी श्रद्धा के साथ प्रार्थना की। भंते डॉ. बुद्ध रत्न और डॉ. महाश्वेता महारथी ने BTMC के अन्य सदस्यों के साथ जापानी राजदूत और उनके साथ आए अधिकारियों को स्मृति चिह्न भेंट किए। साथ ही महाबोधि मन्दिर और जुड़े पवित्र स्थानों की महत्ता और पौराणिकता के बारे में बताया। महामहिम ओनो ने विजिटर्स बुक में लिखा कि महाबोधि मंदिर और बौद्धगया की यात्रा उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रही। उन्होंने इसे बौद्ध धर्म, जापान और भारत के लिए एक गहरा सांस्कृतिक स्थल बताया। उन्होंने आशा जताई कि बौद्ध गया भारत-जापान के बीच मित्रता और सांस्कृतिक संबंधों का सेतु बना रहेगा। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों ने भी इस यात्रा को आध्यात्मिक और बेहद प्रेरणादायक बताया।

## संक्षिप्त डायरी

### डायन के आरोप में महिला की पीट-पीटकर हत्या

**रोहतास।** एक बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना नौहट्टा थाना क्षेत्र के फुलमेट्टा गांव की है। जानकारी के अनुसार महिला को डायन बताकर उसके पड़ोसियों ने जमकर पिटाई कर दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान किसमतिया देवी(65) के रूप में हुई है।जादू-टोना कर मारने का लगाया था आरोप मृतका के बेटे राजू उरांव ने बताया कि उसके पड़ोसी उपेंद्र उरांव के बेटे रंजन(8) कुछ बिमारी के कारण आकस्मिक मौत हो गई थी। जिसकी हत्या का आरोप उनकी मां पर लगाया गया है। बताया कि उपेंद्र के परिवार ने बच्चे को जादू-टोना कर मारने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने महिला की इतनी बेरहमी से पिटाई की कि उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया।जांच में जुटी पुलिस नौहट्टा थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित परिवार से औपचारिक शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने महिला और मृत बच्चे, दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

### भोजपुर में चाचा ने भतीजे को मारा चाकू

**भोजपुर।** जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव में गुरुवार को तीन दिन पहले हुए विवाद को लेकर चाचा ने अपने ही भतीजे को चाकू मार दिया। जख्मी युवक को चाकू बाएं हाथ में कलाई और अंगूठे के पास लगी है, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मी युवक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव निवासी श्याम बिहारी यादव का बेटा अमन कुमार (18) है। अमन ने बताया कि तीन दिन पहले उसके बड़े पिता द्वारा उसके बंद घर का ताला तोड़कर उसमें रखे सामान को निकाल लिया गया था, जिसको लेकर उनके बीच झगड़ा हुआ था। हालांकि उस दिन बात खत्म हो गई थी। उसके बड़े पिता द्वारा दोबारा बंद कमरे को खोलकर उसमें रखे सामान को निकाला जा रहा था। तभी उन लोगों की नींद खुल गई। इसे लेकर उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद उसके बड़े पिता ने अपने बेटों के साथ मिलकर उसकी पिटाई की और उसके बाद उसे चाकू मार दी। इस दौरान वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इधर ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में युवक का प्राथमिक उपचार कर दिया है,चाकू लगने से खून निकला था। हालांकि युवक खतरे से बाहर है। वही दूसरी तरफ जख्मी अमन कुमार ने अपने बड़े पिता पर अपने बेटों के साथ मिलकर खुद को चाकू मारने एवं का घर में रखे सामान को चोरी करने का आरोप लगाया है। वही इस घटना के बाद पीड़ित युवक ने स्थानीय थाना पुलिस से लिखित शिकायत की है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

### कमरे में बॉयफ्रेंड संग थी बहन, भाई ने की हत्या

**मोतिहारी।** में गुरुवार को भाई ने अपनी बहन और उसके प्रेमी की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि प्रेमी, आरोपी की बहन से मिलने उसके घर गया था। इसी दौरान लड़की के छोटे भाई ने दोनों को एक साथ एक कमरे में देख लिया। इसके बाद नाराज होकर उसने प्रेमी-प्रेमिका के सिर पर हथौड़ा मारकर दोनों की जान ले ली। आरोपी नाम अमन कुमार है। वो अभी पुलिस कस्टडी में है। पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद अमन ने ही पुलिस को फोन किया और मर्डर की जानकारी दी। भाई ने कहा, 'मैंने अपने बहन और उसके प्रेमी को मार दिया है, मुझे गिरफ्तार कर लीजिए।' जिसके बाद पुलिस ने अमन को गिरफ्तार करने पहुंची। मृतक की पहचान विकास कुमार(24) और प्रिया कुमारी(22) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल पर FSL की टीम मौजूद है। घटना केसरिया थाना क्षेत्र के त्रिलोकवा गांव की है। मृतक विकास की मां चिंता देवी ने बताया, 'विकास और प्रिया के बीच पिछले 3 साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। गुरुवार रात 10 बजे के करीब हमलोग खाना खा रहे थे। विकास मेरे बगल में बैठा था। उसके फोन पर एक कॉल आया। उसने फोन रखते ही हमसे कहा, 'मां मैं प्रिया से मिलने जा रहा हूं।'मृतक विकास की मां ने आगे बताया, 'लगभग एक घंटे बाद मुझे विकास का फोन आया। वो बहुत डरा हुआ था। उसने कहा- मां, मुझे प्रिया के घरवालों ने एक कमरे में बंद कर दिया है, भैया को भेजकर मुझे बचा लो।''इसके बाद से उसका फोन बंद हो गया। बारिश तेज हो रही थी, इस वजह से मेरा दूसरा बेटा लड़की के घर नहीं जा सका। सुबह में जब खबर आई तो पता चला कि प्रिया के पिता और भाई ने मिलकर उसकी हत्या कर दी है।'2022 से शुरू हुआ था प्रेम-प्रसंगविकास का घर प्रिया के गांव से लगभग 2 डट की दूरी पर था। रास्ते में आने-जाने के दौरान दोनों के बीच साल 2022 में बातचीत शुरू हुई। दोनों ने अपना मोबाइल नंबर एक्सचेंज किया। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों के बीच कॉल पर लंबी बातें होने लगी। मुलाकात के करीब 6 महीने बाद दोनों के बीच प्यार बढ़ गया और फिर ये दोनों रिलेशन में आ गए।विकास अक्सर प्रिया से मिलने उसके घर आया करता था। 2024 में प्रिया के घरवालों को इसकी जानकारी हो गई। उन्होंने विकास के कमर में पिस्टल देखा, जिसके बाद उसके घरवाले डर गए। प्रिया के घरवालों ने विकास के बारे में पता लगाया तो पता चला कि विकास आर्म्स एक्ट में अपराधी है। घरवालों ने प्रिया को विकास के बारे में सब कुछ बताया कि विकास अपराधी किस्म का इंसान है। उसे समझाया, लेकिन प्रिया नहीं मानी। दोनों ने शादी करने की ठानी थी। विकास भी अपने आपराधिक रुतबे के कारण किसी की बात मानने को तैयार नहीं था।

# ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉनगा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

# चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

### इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है। आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

### इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

### यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

### यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

# मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय- मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खीचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली धास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरनो के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यू के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फांल, बिशप फांल, स्वीट फांल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनक्लामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

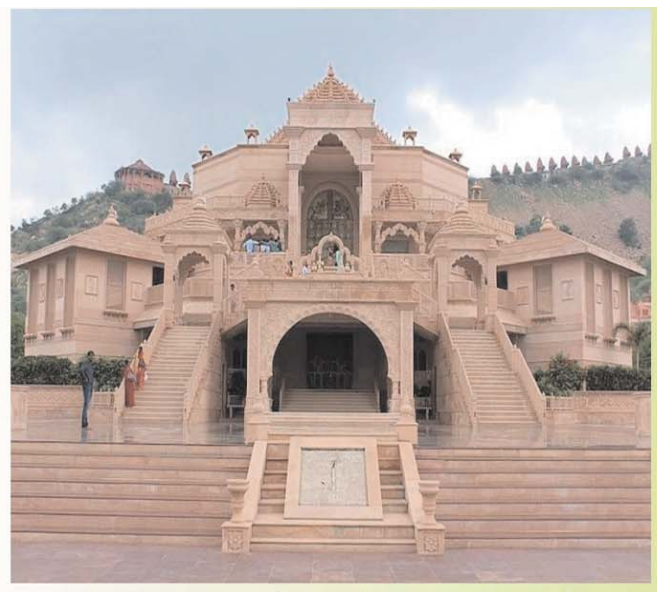

# ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

### अजमेर शरीफ़

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

### आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

### पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

### अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद ग़ोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढ़ाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

### तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

### सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

## 5 नए शेयरों पर क्वांट स्मॉलकैप फंड ने लगाया दांव

**मुंबई, एजेंसी।** क्वांट स्मॉलकैप फंड पूरी तरह से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से बाहर हो गया है। वहीं, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। स्मॉलकैप फंड ने मार्च में अपने पोर्टफोलियो में 5 नए स्टॉक्स जोड़े हैं। फंड ने मार्च में एसबीआई के करीब 40.04 लाख शेयर बेचे हैं। इसके अलावा, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने इस साल मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज के करीब 5.66 लाख शेयर बेचे हैं। फंड के पोर्टफोलियो में अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के 1.95 करोड़ शेयर रह गए हैं। फरवरी में फंड के पोर्टफोलियो में रिलायंस इंडस्ट्रीज के 2.01 करोड़ शेयर थे। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। क्वांट स्मॉलकैप फंड, क्वांट म्यूचुअल फंड की तरफ से मैनेज किया जाने वाला सबसे बड़ा फंड है।

**फंड का इन 5 नए स्टॉक्स पर दांव**- फंड ने अपने पोर्टफोलियो में बंधन बैंक, कैस्ट्रॉल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, स्टैनली लाइफस्टाइल्स और वेलस्पन इंडिया ये पांच स्टॉक्स जोड़े हैं। क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बंधन बैंक के 24.48 लाख शेयर, कैस्ट्रॉल इंडिया के 22.43 लाख शेयर, शिपिंग कॉरपोरेशन के 26.56 लाख शेयर, स्टैनली लाइफस्टाइल्स के 3.09 लाख शेयर और वेलस्पन इंडिया के 72.68 लाख शेयर खरीदे हैं।

## 59 प्रतिशत तक चढ़ेगा अडानी समूह का यह शेयर, 800 के पार जाएगा भाव

**मुंबई, एजेंसी।** अगर आप अडानी समूह की कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। मार्केट एनालिस्ट ने अडानी पावर के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। यह शेयर – अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर बीते बुधवार को 1 प्रतिशत से अधिक टूटकर 508 रुपये पर बंद हुए थे। आज गुरुवार को महावीर जयंती के मौके पर शेयर बाजार में कारोबार बंद है।

### क्या है टारगेट प्राइस

वेंचुरा सिक्योरिटीज के अडानी पावर के शेयर पर 806 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। इसका मतलब है कि पिछले बंद प्राइस से अडानी समूह का यह शेयर 59 प्रतिशत तक चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि वित्त वर्ष 2024 में अडानी पावर के रेवेन्यू में 29.9 प्रतिशत और एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 31 तक कंपनी का लक्ष्य अपनी क्षमता को 30.67 गीगावाट तक बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2024-27ई के दौरान राजस्व और एबिटा में क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 10.6 प्रतिशत ष्ट्नक्र्की वृद्धि होने की उम्मीद है।

**दिसंबर तिमाही के नतीजे**- अडानी पावर का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिजली की बिक्री बढ़ने से राजस्व में वृद्धि हुई है। कंपनी के मुताबिक, ''वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत कुल राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये था।फ्न अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,738 करोड़ रुपये था।

# रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो और 80एक्स को किया लॉन्च

**मुंबई, एजेंसी।** रियलमी, जो आज के भारतीय युवाओं का सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड है उसने आज रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी को लॉन्च किया। ये दोनों ही फोन अपनी कैटेगरी में परफॉर्मेंस के मायने में उम्दा है। इनमें रियलमी की खास टेक्नोलॉजी और दमदार फीचर्स का शानदार मेल हैं, वो भी बेहतरीन और किफायती कीमतों पर। रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी में कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं, जैसे आईपी69 वॉटरप्रूफिंग, मिलिट्री-ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस और एडवांस कूलिंग सिस्टम।

रियलमी की मेक इट रियल सोच के मुताबिक, इन स्मार्टफोन्स में प्रीमियम डिज़ाइन को जबरदस्त मजबूती के साथ भावी पीढ़ी के लिए अव्वल दर्जे की परफॉर्मेंस देने वाले के रूप में तैयार किया गया है। जो उन यूज़र्स के लिए एक दम सही है, जो हर चीज़ में कुछ ज्यादा चाहते हैं। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि नार्ज़ो 80 सीरीज़ हमारा अब तक का सबसे पावरफुल ऑफर है उन यूज़र्स के लिए, जो बिना समझौता किए दमदार परफॉर्मेंस चाहते हैं।

**तन्मय शाह, कैटेगरी लीडर**

स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज़ एमेजॉन इंडिया ने बताया कि हमें खुशी है कि हम एमेजॉन.इन पर अपने बढ़ते 5जी स्मार्टफोन रेंज में नया रियलमी नार्ज़ो 80 सीरीज़ जोड़ रहे हैं, नार्ज़ो 80 प्रो 5जी शानदार गेमिंग परफॉर्मेंस देने का वादा करता है, वहीं नार्ज़ो 80एक्स 5जी की बैटरी काफी लंबे समय तक साथ न छोड़ने का वादा करती है। हमें पूरा भरोसा है कि ये दोनों डिवाइसेज़ उन सभी यूज़र्स की जरूरतों को पूरा करेंगे, जो दमदार परफॉर्मेंस वाले स्मार्टफोन्स को किफायती कीमत पर ढूंढ रहे हैं।

ये दोनों स्मार्टफोन एमेजॉन.इन पर रोमांचक कूपन ऑफर्स और आसान नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगे।

## 4 सरकारी बैंकों ने ब्याज दरें घटाईं, मौजूदा और नए ग्राहकों को होगा फायदा

**मुंबई, एजेंसी।** सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंकों ने बुधवार को रेपो दर में कटौती किए जाने के कुछ घंटों के ही भीतर उधारी दरों में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती करने की घोषणा कर दी। ब्याज दर में कटौती करने वाले बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और यूको बैंक शामिल हैं। बैंकों के इस फैसले से उनके मौजूदा और नए उधारकर्ताओं दोनों को फायदा होगा। अन्य बैंकों की तरफ से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। आरबीआई ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.0 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों ने शेयर बाजारों को अलग-अलग दी गई सूचनाओं में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से अल्पकालिक ऋण दर (रेपो रेट) में कटौती किए जाने के बाद ऋण दर में यह संशोधन किया गया है। रेपो रेट घटने से बैंक क्यों कर देते हैं लोन सस्ता-रेपो रेट कम होने से बैंकों को आरबीआई से सस्ते दरों पर पैसा मिलेगा, जिससे वे होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन आदि पर ब्याज दरें कम कर सकते हैं। इससे ईएमआई कम होगी और लोगों की मासिक बचत बढ़ेगी। छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को भी सस्ते लोन मिलेंगे, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। चेन्नई स्थित इंडियन बैंक ने कहा कि उसकी रेपो-संबद्ध मानक उधारी दर (आरबीएलआर) 11 अप्रैल से 35 आधार अंकों की कटौती करके 8.70 प्रतिशत कर दी जाएगी। इस बीच, पंजाब नेशनल बैंक ने आरबीएल आर को 9.10 प्रतिशत से संशोधित कर 8.85 प्रतिशत कर दिया है।

## टाटा प्ले बिंज लेकर आया है, आईपीएल के उत्साह के बीच क्रिकेट के रोमांच वाली फ़िल्में

**मुंबई।** पूरे देश में आईपीएल का उत्साह व्याप्त है। सभी पर क्रिकेट का बुखार चढ़ा है। मैच में छक्का लगने की खुशी हो, या फिर फैंटेसी लीग में बढ़ता स्कोर देखने की उत्सुकता, स्टेडियम से लेकर आपके घर की स्क्रीन तक, यह क्रिकेट का दौर बहुत ही रोमांचक है। लेकिन यदि रोज मैच देखने के बाद भी आपका मन न भरे, तो टाटा प्ले बिंज आपके लिए लेकर आया है क्रिकेट की प्रेरणा से बनी बेहतरीन फिल्में और सीरीज। टाटा प्ले बिंज के साथ आप भावनाओं का उतार-चढ़ाव और रोमांच अपनी स्क्रीन पर देख सकेंगे, वो भी चैनल बदले बिना और अलग-अलग जगह लॉग इन किए बिना।

क्रिकेट का पूरा मनोरंजन मिलेगा एक ही जगह पर। तो जब मैच होगा खत्म, बिंज होगा शुरू। मैच खत्म होने के बाद भी अपनी क्रिकेट की जिज्ञासा को जारी रखें। आईपीएल मैच के उत्साह के बीच देखिए उस खिलाड़ी की कहानी, जो चेन्नई सुपरकिंग्स को ले गया विजय के शिखर पर? एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी में भारत के महान क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक, महेंद्र सिंह धोनी का जीवन दिखाया गया है। एक छोटे से शहर से आने से लेकर विश्व कप में भारत को जीत दिलाने तक वो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।

**अमेज़न इंडिया 2025 के दौरान**

# आश्रय विश्राम केंद्रों के नेटवर्क को बढ़ाकर करेगी 100 तक

**मुंबई, एजेंसी।** अमेज़न इंडिया ने घोषणा की कि उसने 2025 के दौरान देश भर में अपने आश्रय केंद्रों के अपने नेटवर्क को बढ़ाकर 100 तक करने की योजना बनाई है। ये आश्रय केंद्र ऐसे विश्राम स्थल हैं जो ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में डिलीवरी एसोसिएट को बैठने की वातानुकूलित जगह, स्वच्छ पेयजल, इलेक्ट्रोलाइट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा किट और जलपान की सुविधा प्रदान करते हैं। यह उद्योग में अपने किस्म की पहली पहल है जिसके ज़्यादा व्यस्त क्षेत्रों में डिलीवरी एसोसिएट (डिलीवरी कर्मियों) और लॉजिस्टिक्स भागीदारों के लिए विशिष्ट विश्राम केंद्र मुहैया कराए जाते हैं।

पेट्रोल पंप और वाणिज्यिक किराये की जगहों (कमर्शियल रेंटल) पर स्थित ये केंद्र आवश्यक सुविधाओं से लैस हैं। ये आश्रय केंद्र पूरे साल भर में सप्ताह के सातों दिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक संचालित होते हैं, जो यहां आने वाले सभी डिलीवरी एसोसिएट को हर बार आने पर 30 मिनट तक निःशुल्क उपयोग की सुविधा प्रदान करते हैं। किसी भी समय 15 लोगों के साथ बैठने-आराम करने की सुविधा प्रदान करने की क्षमता वाले इन केंद्रों में सुविधाजनक पार्किंग की भी सहूलियत होती है।

अमेज़न में वीपी ऑपरेशंस, भारत एवं ऑस्ट्रेलिया, अभिनव सिंह ने कहा, डिलीवरी एसोसिएट का स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और आराम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आश्रय केंद्र में स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा किट और चार्जिंग पॉइंट जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम क्षेत्र की भी व्यवस्था होती है। ये केंद्र डिलीवरी एसोसिएट को उनके व्यस्त शेड्यूल के दौरान आराम और सुरक्षा प्रदान करते हैं। ईकॉमर्स और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सभी डिलीवरी एसोसिएट के लिए इन सुविधाओं को खोलने से पूरे लॉजिस्टिक्स समुदाय मदद मिलती है और इससे उद्योग के मानकों को ऊपर उठाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ज़ाहिर होती है।

# सोने के उछले भाव, इस साल 14421 हुआ महंगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने के फैसले के बाद निवेशकों ने सोने में जमकर पैसा लगाया और एक बार फिर सोने के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। स्पॉट गोल्ड गुरुवार को 0.2 प्रतिशत बढ़कर 3,089.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.8 प्रतिशत चढ़कर 3,104.90 डॉलर पर पहुंच गया। पिछले दिनों स्पॉट गोल्ड 2.6 प्रतिशत और फ्यूचर्स 3 प्रतिशत उछले थे। जबकि, 3 अप्रैल को सोना 3,167.57 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। महावीर जयंती के मौके पर आज 10 अप्रैल को भारतीय शेयर मार्केट और कमोडिटी बाजार बंद रहेंगे। हालांकि, शाम 5 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर कमोडिटी ट्रेडिंग शुरू होगी।

### इस साल अबतक सोना 14421 रुपये उछला

अगर घरेलू सर्राफा मार्केट की बात करें तो इस साल अबतक सोना 14421 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी के भाव 4652 रुपये चढ़े हैं। अगर अप्रैल की बात करें तो गोल्ड की कीमत 997 रुपये चढ़ी है और चांदी 10265 रुपये कमजोर हुई है।

**सोने के भाव में 1611 रुपये की उछाल**- भारतीय सर्राफा बाजारों में सोने का हाजिर भाव एक बार फिर उछल गया है। आईबीजेए के अनुसार बुधवार को 24 कैरेट सोने के भाव में 1611 रुपये का उछाल आया और यह 90161 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 306 रुपये चढ़कर 90669 रुपये पर पहुंच गई। हालांकि, एमसीएक्स पर सोना बुधवार को 80 रुपये (0.09 प्रतिशत) गिरकर 89,724 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। दिन में यह 90,853 रुपये तक भी पहुंचा था। चांदी 2,856 रुपये (3.22 प्रतिशत) चढ़कर 91,600 रुपये प्रति किलो हुई।

### क्यों बढ़ रहा है सोना

ट्रंप ने चीन से आयात पर टैरिफ 104 प्रतिशत से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, लेकिन अन्य देशों पर टैरिफ बढ़ाने को 90 दिन के लिए टाल दिया। निवेशकों को डर है कि टैरिफ से महंगाई बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

**आरबीआई गवर्नर ने कहा**

# अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होंगे सभी देश

**भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम होगा असर**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका के जवाबी टैरिफ लगाने के बाद व्यापार युद्ध गहराने की चिंता ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है। ट्रंप टैरिफ से न सिर्फ दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यात और महंगाई के लिए भी नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। हालांकि, भारत पर टैरिफ का असर कई अन्य देशों की तुलना में कम होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, भारत के कुल निर्यात का जीडीपी में 12 फीसदी योगदान है, जबकि अमेरिका को होने वाला निर्यात 2 फीसदी से भी कम है। इसके उलट, चीन की जीडीपी में उसके निर्यात का हिस्सा करीब 19 फीसदी, जर्मनी का 37 फीसदी और यूरोपीय संघ (ईयू) का 30 फीसदी से ज्यादा है। इसी प्रकार, ताइवान और ईरान जैसे देशों से होने वाले निर्यात का उनकी जीडीपी में अधिक योगदान है। इसके अलावा, टैरिफ भारत के लिए कम महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार अधिशेष अन्य देशों से कम है। यह भारत को अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में तुलनात्मक लाभ देता है। हालांकि, यह सच है कि टैरिफ वृद्धि दर को धीमा कर सकता है। गवर्नर ने कहा, दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई है। बॉन्ड पर रिटर्न घटा है। शेयर बाजारों में गिरावट आ रही है। क्रूड करीब चार साल के निचले स्तर पर आ गया है। ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक प्राथमिकताओं के आधार पर सतर्कतापूर्वक काम कर रहे हैं।

**शुल्क युद्ध के महंगाई से ज्यादा वृद्धि पर प्रभाव को लेकर चिंता**- जहां तक भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का सवाल है, हमने अपना आकलन दे दिया है। हमने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान में 0.20 फीसदी की कमी की है। इसका प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। शुल्क युद्ध का महंगाई की तुलना में आर्थिक वृद्धि पर असर को लेकर चिंता ज्यादा है।

**यूपीआई : ग्राहक अब कर सकेंगे ज्यादा भुगतान**- आरबीआई ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को यूपीआई के जरिये 'पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूपीआई के जरिये बड़े भुगतान का रास्ता खुल गया है। हालांकि, पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये ही रहेगी। यानी एक व्यक्ति यूपीआई के जरिये किसी दूसरे शख्स को एक बार में अधिकतम एक लाख रुपये ही भेज सकता है। वर्तमान में व्यक्ति से कारोबारियों (पी2एम) को लेनदेन के तहत ग्राहक पूंजी बाजार और बीमा जैसे मामलों में एक बार में अधिकतम दो लाख रुपये का भुगतान कर सकता है। वहीं, टैक्स, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भुगतान सीमा पांच लाख रुपये है।

गवर्नर ने कहा, अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार एनपीसीआई, बैंकों और यूपीआई परिवेश से जुड़े अन्य पक्षों के परामर्श से उपयोगकर्ता की बदलती जरूरतों के आधार पर यूपीआई सीमा में संशोधन कर सकता है।बैंकों को एनपीसीआई की घोषित सीमाओं के भीतर अपनी आंतरिक लिमिट तय करने का विवेकाधिकार बना रहेगा। ऊंची सीमा से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

### विदेशी मुद्रा भंडार: पांच महीने के उच्च स्तर पर

आरबीआई ने बताया, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अप्रैल तक 10.9 अरब डॉलर बढ़कर 676.3 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पांच महीने का सर्वाधिक स्तर है। यह भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़ा है।

### अमेरिका को 2024 में 33 अरब डॉलर का निर्यात

भारत ने 2024 में अमेरिका को करीब 33 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया है। इनमें सर्वाधिक 8.1 अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों का निर्यात शामिल है। 6.5 अरब डॉलर के दूरसंचार उपकरणों, 5.3 अरब डॉलर की कीमती पत्थरों, 4.1 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों का भी निर्यात किया गया है। भारत ने 2024 में अमेरिका से 4.5 अरब डॉलर के क्रूड समेत 18.1 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात किया है।

### जीडीपी के लिए कुछ अच्छे संकेत, 6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

आरबीआई गवर्नर ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छे संकेत भी दिख रहे हैं। जलाशयों की बेहतर स्थिति और चालू वित्त वर्ष में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। विनिर्माण गतिविधियों में सुधार है। कारोबारी उम्मीदें मजबूत हैं। सेवा क्षेत्र भी जुझारू प्रदर्शन कर रहा है। निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग के साथ सरकार बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ा रही है। बैंकों एवं कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार से निवेश बढ़ने की उम्मीद है। मल्होत्रा ने कहा, बेहतर कृषि उत्पादन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है।

# भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार किया

प्रहलाद सबनानी

**यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।**

दिनांक 9 अप्रेल 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की द्विमासिक बैठक में एकमत से निर्णय लेते हुए रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है एवं इस मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर (स्टेबल) से उदार (अकोमोडेटिव) कर दिया है। इसका आशय यह है कि आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में वृद्धि नहीं करते हुए इसे या तो स्थिर रखेगा अथवा इसमें कमी की घोषणा करेगा। भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने में मिली सफलता के चलते भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यह निर्णय लिया जा सका है। हाल ही के समय में अमेरिका द्वारा अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है जिससे पूरे विश्व भर के लगभग समस्त देशों के शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है एवं शेयर बाजार लगातार नीचे की ओर जा रहे हैं। ऐसे माहौल में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी करने की घोषणा एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। वैसे भारत में मुद्रा स्फीति अब नियंत्रण में भी आ चुकी है एवं आगे आने वाले मानसून के दौरान भारत में सामान्य (103 प्रतिशत) बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। इस वर्ष रबी के मौसम में गेहूं की बम्पर पैदावार होने का अनुमान लगाया गया है, सब्जियों एवं फलों की कीमत भारतीय बाजारों में कम हुई है, अतः कुल मिलाकर खुदरा महंगाई की दर 4 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी वर्ष 2025-26 में भारत में मुद्रा स्फीति की दर के 4 प्रतिशत के नीचे रहने का अनुमान लगाया गया है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर लगातार बदल रहे घटनाक्रम के चलते कच्चे तेल के दाम भी तेजी से घटे हैं और यह 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से घटकर 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। भारत के लिए यह बहुत अच्छी खबर है, क्योंकि, इससे विनिर्माण इकाईयों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी तथा देश में ईंधन की कीमतें कम होंगी और अंततः मुद्रा स्फीति की दर में और अधिक कमी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए इससे आगामी मौद्रिक नीति के माध्यम से रेपो दर में और अधिक कटौती करना सम्भव एवं आसान होगा।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है और भारतीय रिजर्व बैंक के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है और पूर्व में इसके 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था, अर्थात, अमेरिका द्वारा अपने देश में होने वाले आयात पर लगाए गए

टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था पर केवल 0.2 प्रतिशत का असर होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था दरअसल निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर भी नहीं है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16-17 प्रतिशत भाग ही अन्य देशों को निर्यात किया जाता है। इसमें से भी अमेरिका को तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 2 प्रतिशत भाग ही निर्यात होता है। अतः ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर अलग अलग दर से लगाए गए टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नगण्य सा प्रभाव पड़ने की सम्भावना है।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित समस्याओं के बीच भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई एम एफ) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रहेगी। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इस वर्ष के अंत तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का स्तर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा, जो भारतीय रुपए में लगभग 360 लाख करोड़ रुपए बनता है। वर्ष 2015 से लेकर वर्ष 2024 तक के पिछले 10 वर्षों के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना हो गया है। वर्ष 2015 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर (रुपए 180 लाख करोड़) का था और भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 10वें क्रम पर था। वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिससे विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। साथ ही, भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने के लिए केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च में भारी भरकम वृद्धि दर्ज हुई है। देश में विदेशी निवेश का लगातार विस्तार हो रहा है और रोजगार के अवसरों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पी एल आई) लागू की गई है। मुद्रा योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की गारंटी पर भारतीय बैंकों (निजी एवं सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित) ने 33 लाख करोड़ रुपए के ऋणों का वितरण किया है। भारत में अनियमित जलवायु परिस्थितियों के बीच भी पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में विस्तार हुआ है जिससे किसानों की आय को स्थिर रखने में सफलता मिली है। साथ ही, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की केंद्र सरकार ने विशेष सरकारी योजनाओं एवं सब्सिडी के माध्यम से बहुत अच्छे स्तर पर सहायता की है। इससे इस श्रेणी के कई परिवार अब मध्यम श्रेणी में आ गए हैं एवं भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग की वृद्धि में सहायक बन रहे हैं। देश में लागू किए गए डिजीटलाईजेशन से भी भारत में किए जाने वाले लेनदेन के व्यवहारों में पारदर्शिता आई है और इससे भारत में वस्तु एवं सेवा कर एक उपलब्धि सिद्ध हुआ है। आज भारत में वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का अप्रत्यक्ष कर संग्रहित हो रहा है तथा इससे देश में बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भरपूर सहायता मिली है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के पश्चात विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने लम्बी छलांग लगाते हुए, विश्व में 10वें से आज 5वें स्थान पर आ गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकलन के अनुसार पिछले 10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 100 प्रतिशत बढ़ा है तो अमेरिका का 65.8 प्रतिशत, चीन का 75.8 प्रतिशत, जर्मनी का 43.7 प्रतिशत और जापान का केवल 1.3 प्रतिशत बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की बनी रहेगी, इस प्रकार भारत वर्ष 2026 में जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2028 में जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जर्मनी, जापान एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत ही थोड़ा अंतर है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 4.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 4.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, वहीं भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है।

यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।

## संपादकीय

### युवाओं को कमान

कांग्रेस अपने अहमदाबाद अधिवेशन के बाद कड़े.फसले ले सकती है और निष्क्रिय पदाधिकारियों को रिटायर करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अधिवेशन में कहा कि जो पार्टी में रह कर काम नहीं कर रहे हैं, वे या तो आराम करें या फिर रिटायर हो जाएं। पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं, गुजरात कांग्रेस में दो तरह के लोग हैं। एक, जो दिल से पार्टी के लिए लड़ते हैं और जनता से जुड़े. हैं। दूसरे, जिनका जनता से संपर्क टूट चुका है और बीजेपी के साथ मिले हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा, जरूरत पड़े.तो पांच से पच्चीस नेताओं को कांग्रेस से निकाल देना चाहिए। जाहिर है, कांग्रेस कमर कस रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों की राय में पार्टी का सालों बाद अपना अधिवेशन गुजरात में करने का निर्णय ही बदलाव की नींव हो सकता है। गुजरात में तीन दशकों से काबिज भाजपा के पांव उखाड़.कर वे देश भर की जनता को संदेश देने के इच्छुक लग रहे हैं। पुराने या निष्क्रिय नेताओं की अकर्मण्यता को लेकर अब तक जो कनफुसियां जारी थीं, उन्हें मंच से कहने के लिए कड़ी मशक्कत की जा चुकी प्रतीत हो रही है। उन्हें अहसास हो चुका है कि संगठन को सुधारे बगैर भाजपा को चुनौती देना मुश्किल है। इसीलिए साल भर संगठन में मुस्तैदी की कवायद के बाद जाहिर किया गया कि टिकट वितरण में जिलाध्यक्षों की भूमिका अहम होगी। दल ने अपने राष्ट्रवाद को समाज को जोड़ने वाला और भाजपा के राष्ट्रवाद को तोड़ने वाला बताते हुए समान न्याय की अवधारणा, वंचितों, पीड़ितों, शोषितों व महिलाओं की चिंता जाहिर की। प्रतीत हो रहा है कि वे सत्ताधारी दल के राष्ट्रवाद को निशाना बनाने के प्रति दृढ़ संकल्प नजर आना चाहते हैं। कांग्रेसी संस्कृति पुरानी पड़.चुकी है जिसका खमियाजा वे लगातार भुगत रहे हैं। पार्टी के शीर्ष अधिकारियों समेत गांधी परिवार को खुद अपनी समीक्षा करनी है। बेशक, कड़े.निर्णय लेना जरूरी है। मगर निचली कतार तक जोश और जीत का जज्बा जगाने की भी जरूरत है। मन-मुटाव और आपसी झगड़ों को निपटाए बगैर जो टेढ़ी खीर साबित हो सकती है। वरिष्ठ नेताओं को परदे के पीछे या दिशा-निर्देशन का जिम्मा दिया जाना ही एकमात्र जरिया हो सकता है। आखिर, वर्तमान में यह सबसे ज्यादा युवाओं का देश है, यह हकीकत देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को समझ आ ही रही है।

## चिंतन-मनन

### कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग कर-के देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है।

इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

### संवाद से भविष्य संवारने की सार्थक पहल!

सोनम लववंशी

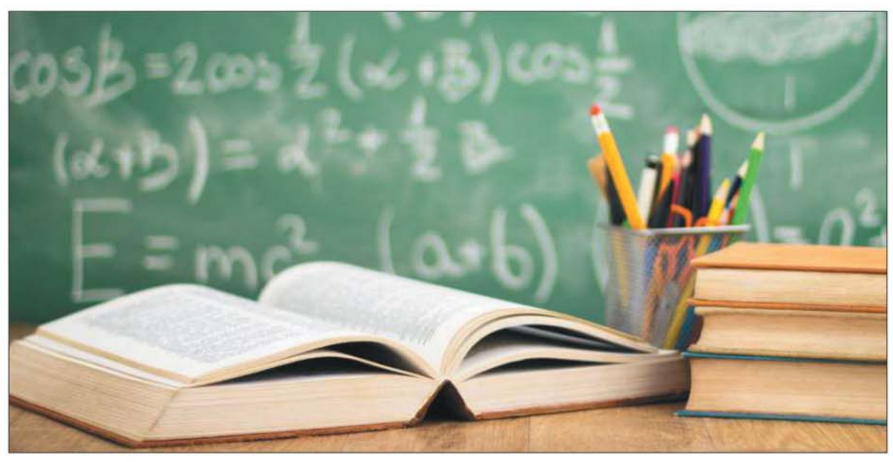

बच्चों की शिक्षा और समग्र विकास में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में जब शिक्षा प्रणाली अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गई है, बच्चों पर मानसिक दबाव भी बढ़ता जा रहा है। परीक्षा और करियर की चिंता ने उनकी मासूमियत को छीन लिया है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते और अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लगभग 12,000 छात्र परीक्षा और करियर संबंधी तनाव के कारण आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठा लेते हैं। यह स्थिति समाज के लिए एक गहरी चिंता का विषय है। ऐसे में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी किया गया पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल एक नवाचार है, बल्कि यह बच्चों की शिक्षा को तनावमुक्त और आनंदमय बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास भी है। इस पहल का मूल उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद को सशक्त करना है, जिससे बच्चों को एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और सहयोगी वातावरण मिल सके।

एक बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका शैक्षणिक प्रदर्शन। शोध बताते हैं कि जिन बच्चों को अपने अभिभावकों और शिक्षकों से निरंतर समर्थन मिलता है, वे न केवल अकादमिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता भी मजबूत होती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, जिन बच्चों के माता-पिता स्कूल की गतिविधियों में भाग लेते हैं, वे 30 प्रतिशत अधिक आत्मविश्वासी होते हैं और उनकी सीखने की क्षमता भी 20 फीसदी तक बेहतर होती है। सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर इसी दिशा में एक ठोस प्रयास है। इस कैलेंडर को तैयार करने के लिए सीबीएसई ने जनवरी 2025 में एक दस सदस्यीय कमेटी का गठन किया था, जिसने विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी सिफारिशें दीं। इन सिफारिशों के आधार पर अप्रैल 2025 से इस पहल को लागू किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, जो शिक्षा में भागीदारी और समग्र विकास पर बल देती है। यह कैलेंडर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सतत संवाद को बढ़ावा देगा और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान करेगा।

आज की शिक्षा प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर विषय बन गया है। परीक्षा के दिनों में बच्चों का तनाव चरम पर होता है, जिससे उनकी निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास प्रभावित होते हैं। ऐसे में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच समन्वय बहुत आवश्यक हो जाता है। यह कैलेंडर इस समन्वय को बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। इसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन कर-के वे अपने बच्चों को बेहतर सहायता प्रदान कर सकते हैं। बच्चों की शिक्षा केवल स्कूल तक सीमित नहीं होती; उनके विकास में घर का वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जब अभिभावक बच्चों की शिक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, तो बच्चों की सीखने की क्षमता बेहतर होती है। पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि बच्चों के साथ अभिभावकों के भावनात्मक संबंध को भी मजबूत करेगा।

इसके अतिरिक्त, इस पहल से स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे शिक्षा का स्तर भी सुधरेगा। जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों की प्रगति की निगरानी करते हैं, तो बच्चों का प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से बेहतर होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी अधिक होती है, वहां छात्रों के परीक्षा परिणाम 15-20 फीसदी तक बेहतर होते हैं। ऐसे में सीबीएसई की इस पहल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। डिजिटल युग में, जहां बच्चे स्क्रीन पर अधिक समय बिताते हैं और परिवारों के बीच संवाद की खाई बढ़ती जा रही है, यह कैलेंडर न केवल संवाद बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि एक संरचनात्मक बदलाव भी लेकर आएगा। यह कैलेंडर बच्चों की शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित न रखते हुए उनके समग्र विकास पर केंद्रित करेगा और निःसन्देह सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर शिक्षा क्षेत्र में एक प्रभावी और सराहनीय प्रयास है। यह केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाला एक सशक्त माध्यम है। जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर कार्य करेंगे, तो बच्चों की शिक्षा न केवल प्रभावी होगी, बल्कि वे मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। यह पहल शिक्षा प्रणाली में एक नए युग की शुरूआत करने की क्षमता रखती है, जहां बच्चे तनावमुक्त होकर अपने भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

### फूड ड़िलीवरी : एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

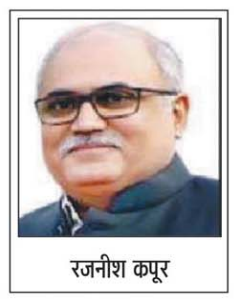

रजनीश कपूर

आज की तेज-रफ्तार दुनिया में दस मिनट फूड डिलीवरी सेवाएं क्रांति की तरह उभरी हैं। लोग अपने व्यस्त जीवन में समय बचाने के लिए इन सेवाओं पर निर्भर हो रहे हैं। स्विगी, जोमैटो, और अन्य स्टार्टअप्स ने 'हाइपर-लोकल डिलीवरी' के नाम पर भोजन को रिकॉर्ड समय में ग्राहकों तक पहुंचाने का वादा किया है। लेकिन क्या यह सुविधा वाकई इतनी लाभकारी है, जितनी दिखाई देती है? दस मिनट की फूड डिलीवरी कितनी सार्थक है? विज्ञापन की चकाचौंध भरी दुनिया में इस सेवा के ऐसे कौन से बिंदु हैं जिन्हें अनदेखा कर दिया जाता है।

जब भी कभी किसी रेस्टोरेंट पर दस मिनट की डिलीवरी का ऑर्डर आता है, तो उन पर इतना अधिक दबाव होता है कि अक्सर खाने की गुणवत्ता पर ध्यान देने की बजाय जल्दबाजी में ऑर्डर तैयार करते हैं। ताजा सामग्री का उपयोग, स्वच्छता और स्वाद को भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, एक बर्गर जो सामान्य रूप से 20 मिनट में तैयार होता है, को 10 मिनट में बनाने के लिए पहले से तैयार पैटीज या कम गुणवत्ता वाली सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है, बल्कि पोषण गुण भी कम हो जाता है। दस मिनट की डिलीवरी का सबसे बड़ा नुकसान डिलीवरी कर्मचारियों को होता है। इन कर्मचारियों को असंभव समय-सीमा के भीतर ऑर्डर पहुंचाने के लिए कहा जाता है। सड़कों पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में देश में डिलीवरी कर्मचारियों की दुर्घटनाएं 30प्र. तक बढ़ी हैं। इसका एक बड़ा कारण 'हाइपर-फास्ट डिलीवरी' मॉडल है। इसके अलावा, ये कर्मचारी अक्सर कम वेतन, बिना किसी स्वास्थ्य/दुर्घटना बीमा के और अनिश्चित नौकरी की स्थिति में काम करते हैं। उनकी मानसिक-शारीरिक सेहत पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। तेज डिलीवरी का पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ता है। डिलीवरी वाहनों की संख्या बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है। दस मिनट में डिलीवरी के लिए छोटे-छोटे ऑर्डर अलग-अलग वाहनों से पहुंचाए जाते हैं जिससे ईंधन की बबार्दी होती है। पैकेजिंग में उपयोग होने वाला प्लास्टिक और डिस्पोजेबल कंटेनर भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में फूड डिलीवरी उद्योग हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिसाइकिल नहीं हो पाता। दस मिनट में डिलीवरी मॉडल इस समस्या को और बढ़ाता है, क्योंकि जल्दबाजी में पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग पर ध्यान नहीं दिया जाता।

यह डिलीवरी मॉडल बड़े डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स द्वारा संचालित होता है, जो रेस्तरांओं से भारी कमीशन वसूलते हैं। छोटे और स्थानीय रेस्तरां, जो पहले से ही कम मार्जिन पर काम करते हैं, इस दबाव को झेल नहीं पाते। कई बार उन्हें अपनी कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं, या गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है। परिणामस्वरूप कई छोटे रेस्तरां बंद हो रहे हैं, और बाजार पर बड़े खिलाड़ियों का दबदबा बढ़ रहा है। यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि ग्राहकों के लिए विकल्पों की विविधता को भी कम करता है। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड भोजन, जो जल्दी तैयार हो जाता है, इस मॉडल में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है, जिसमें मोटापा, मधुमेह, और हृदय रोग जैसी समस्याएं शामिल हैं।

दस मिनट में डिलीवरी पूरी तरह से तकनीक पर निर्भर है। ग्राहकों को बार-बार ऐप का उपयोग करना पड़ता है, जिससे उनकी निजी जानकारी पता, फोन नंबर और भुगतान विवरण आदि इन प्लेटफॉर्म्स के पास जमा हो जाती है। डेटा उल्लंघन की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, और यह जोखिम बना रहता है। भारत में खाना पेट भरने भर का साधन नहीं है; यह सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव भी है। परिवारों का एक साथ खाना बनाना-खाना सामुदायिकता को बढ़ावा देता है। दस मिनट में डिलीवरी इस अनुभव को कमजोर कर रही है। लोग अब रेस्तरां में जाकर खाने की बजाय घर से ऑर्डर करना पसंद करते हैं, जिससे सामाजिक मेलजोल कम हो रहा है।

स्थानीय व्यंजनों की जगह फास्ट फूड चेन का प्रभुत्व बढ़ रहा है, जो सांस्कृतिक विविधता के लिए हानिकारक है। बेशक, दस मिनट की डिलीवरी रोजगार सृजन करती है, लेकिन आर्थिक असमानता को भी बढ़ावा देती है। यह मॉडल खाद्य गुणवत्ता से लेकर पर्यावरण, डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा से लेकर स्थानीय अर्थव्यवस्था तक, कई क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। हमें सोचना होगा कि क्या हमें वाकई हर चीज इतनी जल्दी चाहिए या हम थोड़ा धीमा चल कर स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली चुन सकते हैं। सरकार, कंपनियों, और ग्राहकों को मिल कर इस मॉडल को और जिम्मेदाराना बनाने की दिशा में काम करना होगा। स्थायी और नैतिक डिलीवरी प्रथाओं को अपना कर हम सुविधा और जिम्मेदारी का संतुलन बना सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

# मुझे हमेशा से एक्शन पसंद, जाट को लेकर उत्साहित हूं

अभिनेता रणदीप हुड्डा क्रिस हेम्सवर्थ अभिनीत फिल्म एक्सट्रैक्शन की रिलीज के पांच साल बाद एक्शन जोन में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने माना कि उन्हें हमेशा एक्शन जॉनर पसंद रहा है क्योंकि इसमें कुछ नया और रोमांच होता है। जल्द ही वो जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्सट्रैक्शन सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रुसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित है, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब जाट के साथ, वह एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें उन्होंने रणतुंगा की भूमिका निभाई है। एक्शन में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन शैली पसंद रही है। इसमें कुछ नयापन, भावनाओं को झकझोरने का माद्दा और रोमांच होता है। बायोपिक्स में गंभीर किरदार निभाने के बाद जाट में खतरनाक रणतुंगा का रोल मेरे अलग ही किरदार को प्रदर्शित करता है। अभिनेता ने कहा कि वह एक्शन को मिस कर रहे थे और 'जाट' उन्हें उस स्थान पर वापस ले आया। रणदीप ने कहा- कोरियोग्राफी से लेकर एक्शन तक काफी डिमांडिग था लेकिन यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक अनुभव रहा है। एक ऐसा किरदार निभाना जो जितना करिश्माई है उतना ही निर्दयी भी है, कुछ ऐसा है जिसे लेकर मैं वाकई उत्सुक हूं। एक्सट्रैक्शन मेरे लिए अपनी तरह की पहली फिल्म थी ये एक रोमांचकारी अनुभव था। जाट की बात करें तो इसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसांद्रा भी हैं। प्रत्येक अभिनेता अपनी भूमिका में अनूठापन और गहराई लाता है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। संपादन नवीन नूली ने किया है। दावा है कि फिल्म दर्शकों को मनोरंजन की दुनिया की अद्भूत सैर पर ले जाएगी। मैथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित यह फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी।

# क्या करण जौहर की राह चलेंगी आलिया?

## नई प्रतिभाओं को करेंगी लॉन्च

आलिया भट्ट ने साल 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अभिनय की दुनिया में कदम रखे थे। उन्हें करण जौहर ने लॉन्च किया था। तब से अब तक आलिया ने कई कमाल की फिल्मों में काम किया है और सिलसिला जारी है। वे प्रोडक्शन की दुनिया में भी कदम रख चुकी हैं। साल 2021 में आलिया ने अपना प्रोडक्शन हाउस एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस लॉन्च किया था। इसके बैनर तले उन्होंने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर पहली फिल्म डार्लिंग्स बनाई। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि आलिया एक वेब सीरीज का निर्माण करने वाली हैं।

### नई कास्ट को करेंगी लॉन्च

आलिया भट्ट की पिछली दो फिल्में- हार्ट ऑफ स्टोन और जिगरा बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाईं। अब आलिया शिव रवैल के निर्देशन में बन रही स्पाई एक्शन ड्रामा फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है। कहा जा रहा है कि आलिया एक एडल्ट वेब सीरीज प्रोड्यूस करेंगी। तेलुगु 123 की रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट अपनी इस वेब सीरीज को पूरी तरह नई कास्ट के साथ बनाएंगी।

### क्या आलिया पकड़ेंगी करण जौहर की राह?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट को चार नए चेहरों की तलाश है, जिन्हें वे इस वेब सीरीज के जरिए लॉन्च करेंगी। हालांकि, फिलहाल आधिकारिक रूप से ऐसी कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। लेकिन, अगर खबरों में सच्चाई है तो देखना यह भी दिलचस्प होगा कि आलिया आउटसाइडर्स को मौका देती हैं या करण जौहर की तरह स्टारकिड्स पर भरोसा जताएंगी। मालूम हो कि करण जौहर स्टारकिड्स को लॉन्च करने के लिए जाने जाते हैं।

### इस ओटीटी पर आने की चर्चा

बतौर निर्माता आलिया की पहली फिल्म डार्लिंग्स साल 2022 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। आलिया ने इसमें लीड रोल किया था और उनके अपोजिट विजय वर्मा नजर आए थे। विजय ने आलिया के शराबी पति की भूमिका निभाई थी। आलिया की सीरीज को लेकर कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह प्राइम वीडियो पर आएगी। फिलहाल आधिकारिक तौर पर कब एलान होता है? इसका इंतजार है!

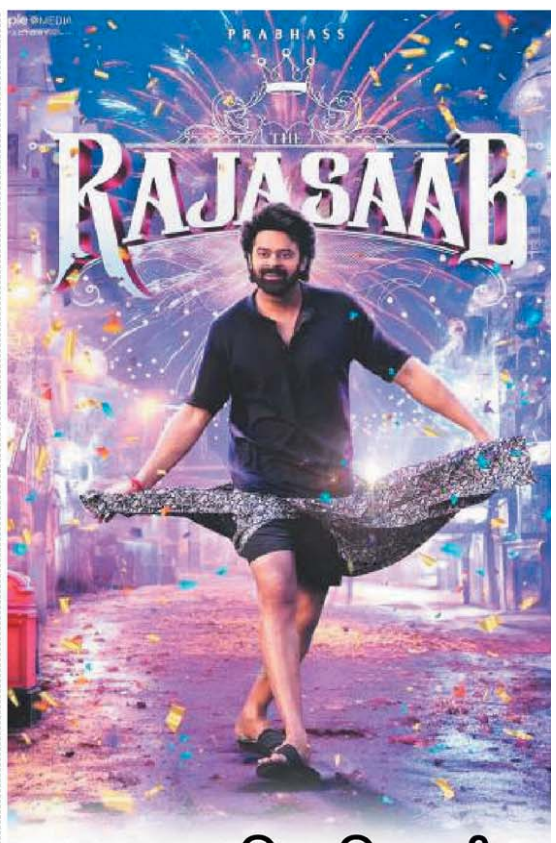


# एक बार फिर खिसकी द राजा साब की रिलीज डेट, अब इस साल दस्तक नहीं देगी प्रभास की फिल्म

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी अगली फिल्म द राजा साब को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रभास की आने वाली हॉरर रोमांटिक कॉमेडी फिल्म द राजा साब प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा में है। फिल्म की रिलीज को कई बार देरी का सामना करना पड़ रहा है। अब खबर आ रही है कि फिल्म एक बार फिर आगे की रिलीज के लिए खिसक गई है।

### पोस्टपोन हुई द राजा साब

प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब एक बार फिर पोस्टपोन हो गई है। मूल रूप से यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी रिलीज को टाल दिया गया था और खबर थी कि यह फिल्म 2025 के मध्य में रिलीज होगी। हालांकि, अब इस फिल्म को फिर आगे खिसका दिया गया। मारुति दासरी द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी इस साल स्क्रीन पर नहीं आएगी, यह संक्रांति 2026 तक रिलीज हो सकती है।

### क्यों हुई फिल्म में देरी?

ओटीटी प्ले के अनुसार, दरअसल, 2025 के मध्य में कई फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार है और इस वजह से ही फिल्म के लिए 2026 की संक्रांति का समय चुना गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता अभी भी लंबित वीएफएक्स भागों पर काम कर रहे हैं , जिसके कारण देरी हुई है। इसके अलावा, अपनी दूसरी फिल्म फौजी की शूटिंग के दौरान प्रभास के पैर में चोट लगने से द राजा साहब की शूटिंग प्रभावित हुई है।

### प्रभास की आने वाली फिल्म

यह फिल्म प्रभास की पहली हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी और इसमें वह दोहरी भूमिका में नजर आएंगे, जिसमें वह वृद्ध व्यक्ति की भूमिका भी निभाएंगे। फिल्म में मालविका मोहनन, संजय दत्त और निधि अग्रवाल भी हैं। द राजा साहब के अलावा प्रभास की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं।वह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ स्पिरिट, एक्शन-ड्रामा सालार 2 और नाग अश्विन की कल्कि 2898 एडी सीक्वल में अभिनय करेंगे। पौराणिक ड्रामा फिल्म कन्नप्पा में भी उनकी विशेष भूमिका है।

# अंजिनि धवन ने भाई-भतीजावाद पर इब्राहिम-खुशी का किया बचाव

अंजिनी धवन जो हाल ही में सलमान खान की फिल्म सिकंदर में नजर आईं थीं, उन्होंने फिल्म नादानियां में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर के ट्रोल होने पर अपनी बात रखी है। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में अंजिनि धवन ने नादानियां में भाई-भतीजावाद के इल्जाम को लेकर इब्राहिम और खुशी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि आलोचना बहुत निजी मामला हो जाता है। किसी भी फिल्म की कामयाबी या नाकामी किसी एक पर निर्भर नहीं करती है। इसमें कई लोग काम करते हैं। इसलिए यह सब पर निर्भर करती है। फिल्म नादानियां साल 2025 के शुरूआत में रिलीज हुई थी। यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है। इसका निर्देशन शाउना गौतम ने किया था। फिल्म के निर्माता करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा थे। इस फिल्म से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में महिमा चौधरी, दिया मिर्जा और सुनील शेट्टी थे।

### नादानियां पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

फिल्म नादानियां को मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। नादानियां से बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद पर फिर से नई बहस छिड़ी थी। हालांकि कई दर्शकों ने कहा कि फिल्म की क्वालिटी अच्छी नहीं थी। जबकि कुछ लोग फिल्म के सपोर्ट में भी आए और इसके विचार का समर्थन किया। फिल्म में स्टार किड्स इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर के लॉन्च पर बॉलीवुड में इस बात की चर्चा तेज हुई कि सितारों के बच्चों को फिल्मों में खास मौका दिया जाता है।

### वरुण धवन की फिल्मों की तारीफ

अंजिनी ने अपने चचेरे भाई वरुण धवन के फिल्मी करियर की तारीफ की। उन्होंने उनकी चार फिल्मों के बारे में बताया जो उन्हें बहुत पसंद आईं। उन्हें बदलापुर, अक्टूबर, मैं तेरा हीरो और हम्टी शर्मा की दुल्हनिया बहुत पसंद आईं।

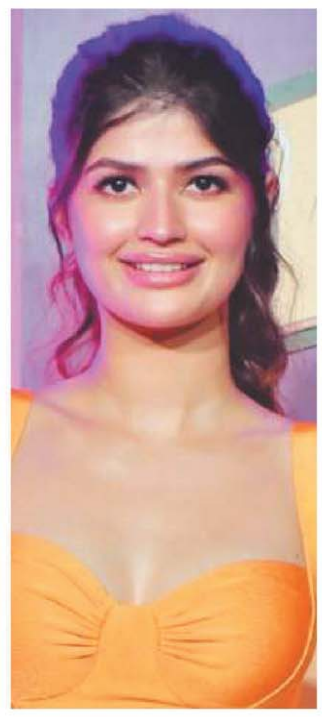

# छावा के बाद प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबका हैरान कर देने के बाद अब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। अक्षय ने प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली साइन की है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी कड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना महाकाली में एक अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। हनु-मान की शानदार सफलता के बाद अब महाकाली इस यूनिवर्स की अगली सुपरहीरो फिल्म होगी। यह एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है जो देशभर के दर्शकों तक पहुंचेगा।

# ऋतिक रोशन 'कृष 4' के डायरेक्शन पर बोले राकेश रोशन

ऋतिक रोशन ने भी अपने पिता राकेश रोशन की तरह एक्टिंग करने के बाद निर्देशक बनने की तरफ कदम बढ़ा दिया है। वह अपनी ही आने वाली फिल्म 'कृष 4' का निर्देशन करेंगे। इस फिल्म के बारे में, निर्देशक की कुर्सी पर बैठने के अनुभव के बारे में ऋतिक ने अपने मन की बातें एक इवेंट में साझा की है। इस इवेंट में उनके कई फैंस भी मौजूद थे।

### कैसा महसूस कर रहे हैं ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह एक इवेंट में नजर आ रहे हैं। इसी इवेंट में अपनी फिल्म 'कृष 4' के बारे में उन्होंने बात की। फिल्म 'कृष 4' को लेकर ऋतिक कहते हैं, 'मुझे मोटिवेशन की जरूरत है। मैं काफी नर्वस हूं।' फिल्म 'कृष 4' के निर्देशन की जिम्मेदारी अब ऋतिक रोशन के कंधों पर है।

### लीड रोल में ऋतिक आते हैं नजर

साइंस फिक्शन, सुपर हीरो की कहानी वाली 'कृष' सीरीज की फिल्मों में ऋतिक की कृष के रोल में नजर आते हैं। 'कृष' सीरीज की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है, दर्शकों को इस सीरीज की फिल्मों का इंतजार रहता है। इस सीरीज की अब तक की फिल्मों को ऋतिक के पिता राकेश रोशन ने निर्देशित किया था। अब ये काम ऋतिक करेंगे।

### ऋतिक रोशन की आने वाली फिल्में

फिल्म 'कृष 4' का जहां ऋतिक रोशन निर्देशन कर रहे हैं। वहीं बतौर एक्टर भी उनकी कुछ फिल्म आने वाली हैं। इसमें 'वॉर 2' फिल्म भी शामिल है। इस फिल्म में उनके साथ साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग के लिए कुछ दिन पहले जूनियर एनटीआर मुंबई में ही थे। जूनियर एनटीआर को ऋतिक अपना पसंदीदा को-एक्टर भी बताते हैं।

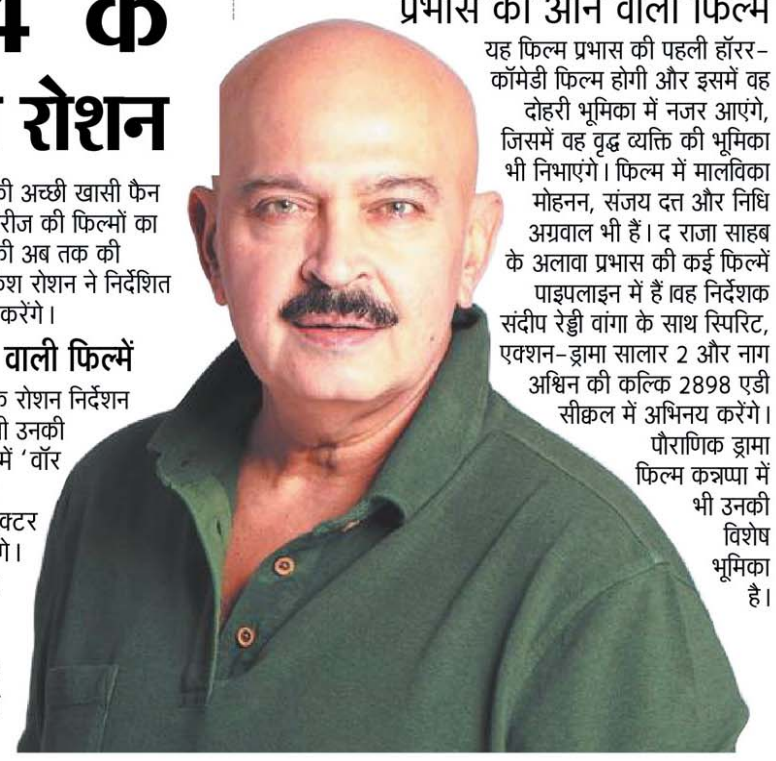

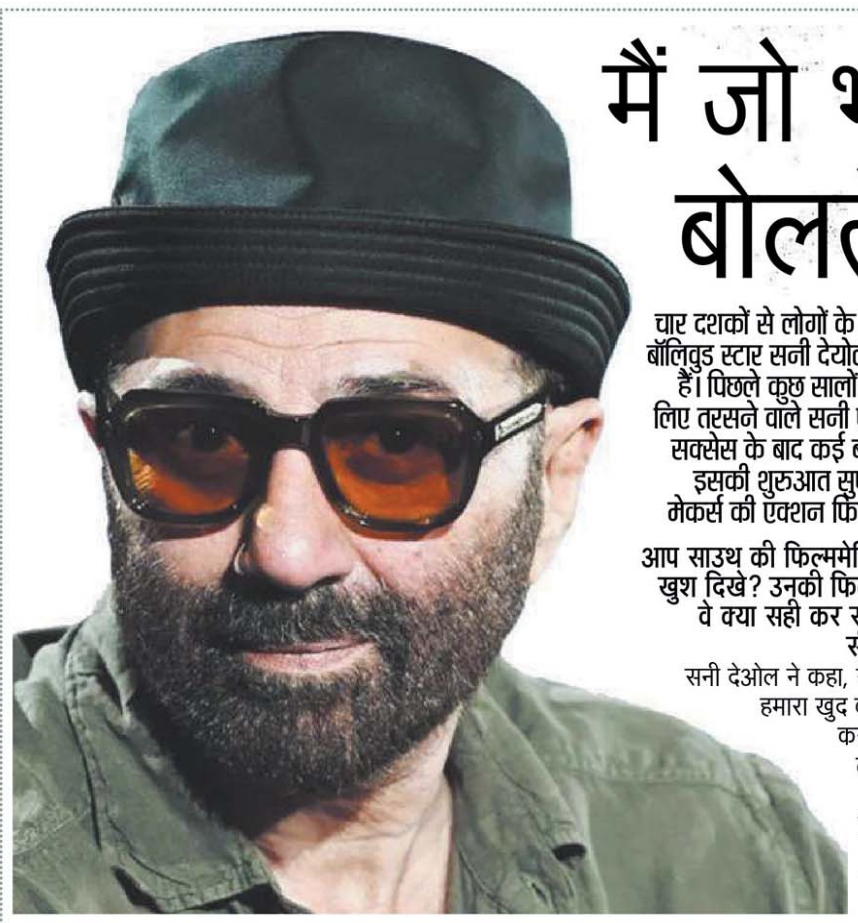

# मैं जो भी काम करता, उसे आउटडेटेड बोलते थे, मगर गदर 2 के बाद...

**चार दशकों से लोगों के दिलों पर राज कर रहे बॉलिवुड स्टार सनी देयोल इन दिनों बेहद खुश हैं। पिछले कुछ सालों से अच्छी स्क्रिप्ट्स के लिए तरसने वाले सनी पाजी गदर 2 की सुपर सक्सेस के बाद कई बड़ी फिल्मों में दिखेंगे। इसकी शुरुआत सुपरहिट फिल्म पुष्पा के मेकर्स की एक्शन फिल्म जाट से हो रही है।**

**आप साउथ की फिल्ममेकिंग स्टाइल से काफी खुश दिखे? उनकी फिल्में सफल भी रही हैं। वे क्या सही कर रहे हैं, जो बॉलिवुड को सीखने की जरूरत है?**

सनी देओल ने कहा, सीखने की बात नहीं है। हमारा खुद का सिनेमा ऐसा ही हुआ करता था, देसी कहानियां, लार्जर दैन लाइफ हीरो। मैंने कितनी ऐसी हिंदी फिल्में की हैं, मगर बाद में हमने वो बनानी बंद कर दी। जबकि, साउथ की वैसी ही फिल्में डब होकर आने लगीं, जो पूरा देश देखता था। फिर जब हमें वैसी फिल्म बनानी होती तो साउथ की रीमेक करने लगे। हमारे राइटर, डायरेक्टर्स ने वो कहानियां सोचनी बंद कर दीं, क्योंकि उनको मौका नहीं मिल रहा था। मल्टीप्लेक्स आने के बाद मेकर्स सिर्फ सीमित शहरी ऑडियंस को टार्गेट करने लगे और चूंकि वही फिल्में उन्हें बिजनेस दे रही थीं तो वे खुश भी थे। अब गदर 2 इतनी सफल हुई, मगर जब हम उसे बना रहे थे तो सब कह रहे थे कि ये आउटडेटेड है। ऐसा सिनेमा नहीं चलता। आर्ट मॉडर्न है, ये है वो है तो हमें समझ में नहीं आ रहा था कि ये मॉडर्न और आउटडेटेड क्या होता है? मगर दौर वैसा ही चल रहा था। मैं जो भी काम करता, उसे आउटडेटेड बोलते थे। मगर जब गदर 2 चल गई, तब बोलते हैं अरे यार, गलती हो गई। हम भी ऐसा ही कुछ बनाते हैं तो ये हमेशा रहा है और ऐसा ही चलता रहेगा। जब कोई चीज सफल हो जाती है तो सब उसके पीछे भागते हैं। हमें अपनी कहानियों पर यकीन करना जरूरी है।

**गदर 2 की सफलता के बाद आपकी जिंदगी कितनी बदली?**

गदर 2 के बाद मैंने ढेर सारी फिल्में कर रहा हूं। वरना उससे पहले मुझे फिल्में करने में मुश्किल होती थी, क्योंकि मन मुताबिक ऑफर ही नहीं मिलते थे। मैं अक्सर कहता हूं कि मेरी स्ट्रगल गदर के बाद शुरू हुई। उससे पहले मुझे पता नहीं था कि स्ट्रगल क्या होता है। मैं जो भी करना चाहता था, कहानी अच्छी लगती थी, फिल्म बना लेते थे। गदर के बाद उस तरह की चीजें मेरे हाथ में आनी बंद हो गईं। मैं जैसा सिनेमा करना चाह रहा था, वो नहीं कर पा रहा था। मगर मैं ऐसा इंसान हूं कि लगा रहता हूं। इसलिए बस लगा रहा। प्रड्यूसर था तो फिल्में खुद बनाईं, डायरेक्ट भी कीं। जो फिल्में नहीं करनी थी, वो भी करता गया, करता गया, क्योंकि मैं ऐसा ही हूं। मैं लगा रहता हूं।

**आप जाट, लाहौर 1947, बॉर्डर 2, रामायण इतनी सारी फिल्मों पर एक साथ काम कर रहे हैं। 69 की उम्र में खुद को इतना फिट कैसे रखते हैं, क्योंकि कहीं न कहीं शरीर की अपनी एक क्षमता होती है?**

मैं ऐसे नहीं सोचता। मुझे नहीं लगता है कि मेरी उम्र बहुत हो गई है। मुझे याद है कि जब 80 के दशक में मैं फिल्मों में आया था और शूट करता था तो मेरे इतने ज्यादा एक्सिडेंट हुए थे। मेरी पीठ में दिक्कत हुई, छह-छह महीने मैं बिस्तर में रहा। मेरे शरीर का पुर्जा-पुर्जा टूटा है, लेकिन इस वजह से मैंने कभी ये नहीं सोचा कि मैं ये नहीं करूंगा, वो नहीं करूंगा। मैं चलता रहा, जहां तक मेरे शरीर ने साथ दिया। इसलिए मैं कह रहा हूं कि मुझे पता नहीं कि मेरी उम्र क्या है, क्योंकि मैं वो कर रहा हूं जो मुझे करना है।

**हैंड पंप उखाड़ने के आइकॉनिक सीन के बाद जाट में आप पंखा घुमा रहे हैं। ऐक्शन से इतना लगाव क्यों? क्योंकि कहीं न कहीं इस फिल्म में भी आपकी वही इमेज भुनाने की कोशिश दिख रही है!**

इमेज भुनाने की कोशिश नहीं है। ये तो फिल्म की कहानी पर निर्भर करता है, जहां ऐक्शन की जरूरत होती है, वहां करते हैं। राइटर्स पब्लिक को एंटरटेन करने के लिए जरूरत के हिसाब से सीन लिखते हैं। मगर, ये तो है कि इतने समय से ऐक्शन करते-करते वो इमेज इतना बड़ा हो गया है कि मैं चाहूं भी तो उससे नहीं निकल पाता। मुझे पता है कि ऑडियंस को देखना ही वो है जो बहुत बड़ा हो, जिसे देखकर उन्हें लगे कि मजा आया।

# सनराइजर्स और पंजाब किंग्स आज होंगे आमने-सामने

**हैदराबाद (एजेंसी)।** सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां अपने घरेलू मैदान राजीव गांधी स्टेडियम में पंजाब किंग्स का सामना करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का लक्ष्य जीत हासिल कर लगातार हार का सिलसिला तोड़ना रहेगा हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं है क्योंकि इस बार पंजाब किंग्स की टीम शानदार फार्म में है और लगातार जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है।

वहीं सनराइजर्स ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर सबसे अधिक स्कोर बनाया था पर उसके बाद से ही वह असफल रही है और लगातार हार रही है। सनराइजर्स की टीम पहले मैच के बाद एक बार भी 200 रनों तक नहीं पहुंच पायी है। उसने

। ट्रैविस हेड सहित उसके सभी आक्रामक बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे हैं। इससे उसका नेट रन रेट भी नीचे आया है। सनराइजर्स के पास हेड के अलावा अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं पर ये सभी रन बनाने में नाकाम रहे हैं। पिछले साल सनराइजर्स की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले हेड और अभिषेक ने इस बार वर्तमान सत्र में इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 15 रन की है। हेड अभी तक पांच पारियों में 67, 47, 22, 04 और 08 रन ही बना पाए हैं। अभिषेक की बल्लेबाजी भी खराब रही है। वह एक बार ही 24 रन तक पहुंच पाये हैं।

सनराइजर्स की गेंदबाजी भी कमजोर है। उसके गेंदबाजों ने अभी तक काफी रन दिये हैं. कप्तान पैट कमिंस भी प्रभावी नहीं रहे हैं। मोहम्मद शमी और हर्शल पटेल ने भी काफी रन दिये हैं। उसके स्पिनरों को भी संघर्ष करना पड़ा है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम ने नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में अभी तक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। श्रेयस के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने भी

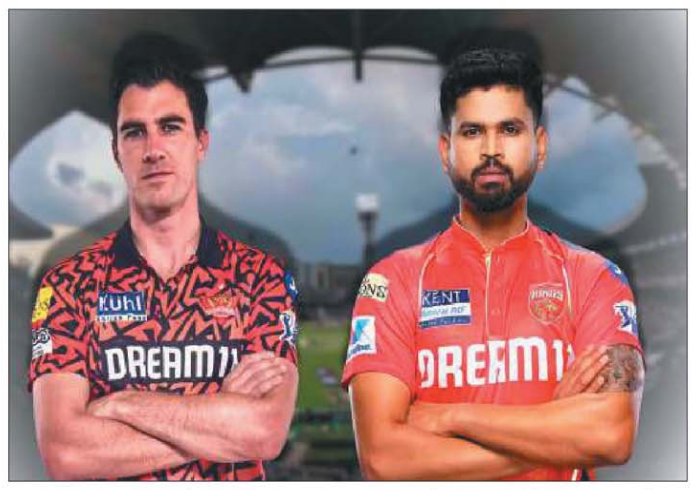

धमाकेदार बल्लेबाजी की है। टीमी की गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके पास अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, युजवेंद्र चहल और मार्को यानसन जैसे गेंदबाज हैं। ऐसे में इस मैच में पंजाब की टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं**

**सनराइजर्स हैदराबाद:** पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट

**पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, यश ठाकुर,मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, प्रियांश आर्य

## केएल राहुल ने खोला मैच जिताऊ पारी का राज, आरसीबी के खिलाफ बनाए 93 रन

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि कीपिंग करते हुए पिच के मिजाज को समझा और आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद राहुल ने कहा कि उन्हें बेंगलुरु की परिस्थितियों की अच्छी जानकारी है। उन्होंने कर्नाटक के खिलाड़ी कि के रूप में अपना पूरा करियर इस शहर में खेलते हुए बिताया है।

उन्होंने कहा कि यह थोड़ी मुश्किल पिच थी, लेकिन मेरा मानना है कि मुझे जो मदद मिली वह यह थी कि मैंने 20 ओवर तक विकेट के पीछे रहकर देखा कि पिच कैसे खेल रही है। मुझे विकेटकीपिंग करते हुए लगा कि गेंद पिच पर थोड़ा रुक कर रही थी और दोनों पारियों के दौरान पिच का मिजाज एक जैसी ही रहा।

राहुल ने कहा, 'यह दोहरी गति वाली पिच नहीं थी, बल्कि गेंद एक ही गति से बल्ले पर आ रही थी,। बस थोड़ा ,सा रुक रही थी। मुझे पता था कि मेरी स्ट्रेंथ क्या हैं, इसलिए मैं शुरुआत आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहता था और फिर उसके बाद पिच को पढ़ना चाहता था और मैंने वही किया।'

उन्होंने कहा, 'ऐसी पिच पर मुझे पता था कि शॉट्स कहां खेलना है। अगर मैं पहले से ही बड़े शॉट के लिए जा रहा था, तो मुझे पता था कि क्या हासिल करना है। उन्होंने कहा कि विकेटकीपिंग ने मुझे यह समझने में मदद की कि अन्य बल्लेबाजों ने कैसे खेला, वे कहां आउट हुए और कहां उन्हें छक्का मारने अवसर मिला।' उल्लेखनीय है कि केएल राहुल ने 53 गेंदों में नाबाद 93 रन बनाते हुए दिल्ली कैपिटल्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ जीत दिलाई। यह दिल्ली कैपिटल्स की लगातार चौथी जीत थी।

## कप्तानी के दौरान अलग ही अंदाज में नजर आते हैं धोनी : गांगुली

**कोलकाता (एजेंसी)।** नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की कोहली में हुए फ्रेक्चर के बाद जहां एक बार फिर महेन्द्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी मिली है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का भी मानना है कि धोनी का कप्तानी के दौरान अलग ही अंदाज देखने को मिलता है। इसलिए उन्हें अगर सीएसके की ओर से आगे भी खेलना है तो कप्तानी ही करनी चाहिये। गांगुली ने कहा कि 43 साल की उम्र में भी धोनी आसानी से बड़े शॉट खेल लेते हैं और ये उनकी खूबी है। वहीं सीएसके के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं धोनी भी अब तक खेले मैचों में निचले क्रम पर उतरे हैं जिसपर कई सवाल भी उठे हैं।

वहीं गांगुली ने एक कार्यक्रम में कहा,''मेरा यह मानना है कि अगर धोनी को सीएसके के लिये खेलना है तो उसे कप्तान ही बने रहना चाहिये कई कप्तानी करते हुए वह अधिक बेहतर प्रदर्शन करते हैं।''

गांगुली ने कहा, ''धोनी अभी भी छक्के लगा रहा है। हमने पिछले मैच में देखा। वह 43 साल का हो गया है, ऐसे में स्वाभाविक है कि वह वैसे नहीं खेल सकता जैसे 2005 में खेलता था। इससे मुझे लगता है कि उसके भीतर अभी भी छक्के लगाने की ताकत है।'' साथ ही कहा कि उसके अंदर खेल की समझ होने के साथ ही खेल का लंबा अनुभव भी है, ऐसे में वह वही करेगा जो टीम के लिये सही होगा।'' वहीं पिछले बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अपने घरेलू मैच में खराब प्रदर्शन को लेकर गांगुली ने कहा, ''ये टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ही बता सकते हैं। पिछले मैच में वह जीत के करीब होने के बाद से ही हार गये थे।''

# आईपीएल में आज सुपर जॉइंट्स का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

**लखनऊ (एजेंसी)।** लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है क्योंकि जहां सुपर जॉइंट्स को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं टाइटंस की टीम का मनोबल लगातार मिल रही जीत से बढ़ा हुआ है। गुजरात टाइटंस लगातार चार मैच जीतने के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं लखनऊ सुपर जॉइंट्स तीन मैच में जीत के साथ ही पांचवें नंबर पर है।

लखनऊ की टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि पूरन फार्म में हैं। इस सलामी बल्लेबाज ने अब तक 288 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 225 है जो किसी भी विरोधी टीम के लिए परेशानी की बात है। पूरन ने अभी तक 25 चौके और 24 छक्के लगाए हैं। ऐसे में उनपर अंकुश लाना टाइटंस की पहली प्राथमिकता होगी। पूरन को रोकने का प्रयास टाइटंस के तेज गेंदबाज मो सिराज करेंगे। सिराज ने अब तक पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके नाम पर पांच मैच में 10 विकेट लिए हैं। ऐसे में पूरन के लिए सिराज के

खिलाफ पावर प्ले में बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होगा। पूरन के अलावा सलामी बल्लेबाजों एडेन मार्क्रम और मिशेल मार्श को भी सिराज से सतर्क रहना होगा। टाइटंस की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने भी अभी तक अच्छी गेंदबाजी की है। इसके अलावा उसके पास स्पिनर आर साई किशोर और स्पिनर राशिद खान हैं। ऐसे में सुपर जॉइंट्स के बल्लेबाजों की राह आसान नहीं है। टीम के एक और कमजोरी उसके कप्तान ऋषभ पंत का फार्म में नहीं होना भी है। ऋषभ ने अभी तक चार पारियों में केवल 19 रन बनाए हैं। राशिद ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी करके लय हासिल करने के संकेत दिए थे। अगर वह अपना यह प्रदर्शन जारी रखते हैं तो लखनऊ के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल पैदा हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की ओर से अब अब बल्लेबाजी में बी साईं सुदर्शन ने 273 और जोस बटलर ने 203 रन बनाये हैं पर कप्तान शुभमन गिल का बल्ला अब तक खामोश है।

सुपर जॉइंट्स की गेंदबाजी शार्दुल ठाकुर, अवेश खान के अलावा स्पिनर रवि बिश्नोई पर आधारित रहेगी।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं**

**गुजरात टाइटंस =** शुभमन गिल (कप्तान), बी साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़, करीम जनत।

**लखनऊ सुपर जाइंट्स =** ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

## पीसीबी ने दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर बॉश पर प्रतिबंध लगाया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अचानक पीएसएल छोड़ने वाले दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। बॉश को पीएसएल के लिए शामिल किया गया था पर इस क्रिकेटर ने आईपीएल में खेलने के लिए पीएसएल छोड़ दिया। इसपर नाराजगी जताते हुए पीसीबी ने इस क्रिकेट के अगले

एक साल तक पीएसएल में खेलने पर पाबंदी लगा दी है। इस क्रिकेटर को पीएसएल में पेशावर जाल्मी ने अपनी टीम में शामिल किया था पर उसने आईपीएल के लिए करार तोड़ दिया। बॉश को आईपीएल में तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स की जगह मिली थी। विलियम्स चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हो गये थे। पीसीबी ने बॉश पर प्रतिबंध की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह अगले साल पीएसएल में चयन के लिए अयोग्य होंगे। बॉश ने हालांकि करार तोड़ने के लिए माफी मांगी है। एक बयान में इस क्रिकेटर ने कहा, मुझे पीएसएल से हटने के अपने फैसले पर गहरा अफसोस है और मैं पाकिस्तान के लोगों, पेशावर जाल्मी के प्रशंसकों सभी से से माफी मांगता हूं। बॉश ने कहा, पीएसएल एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है, और मैं अपने फैसले से टीम और उसके प्रशंसकों को हुई निराशा को पूरी तरह से समझता हूं। पेशावर जाल्मी के वफादार प्रशंसकों के लिए, मुझे आपको निराश करने के लिए वास्तव में खेद है। मैं अपने कार्यों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और जुर्माना और एक साल के प्रतिबंध को स्वीकार करता हूं।

## कोहली ने प्यूमा के साथ अपना करार तोड़ा, एगिलिटास स्पोर्ट्सवियर में बनेंगे निदेशक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने स्पोर्ट्स ब्रांड प्यूमा के साथ अपना करार तोड़ दिया है। विराट ने साल 2017 में प्यूमा के साथ करीब 110 करोड़ रुपये के एक करार पर हस्ताक्षर किए थे। प्यूमा ने विराट को इस करार को अगले आठ साल के लिए 300 करोड़ रुपये में आगे बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था पर विराट ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। कंपनी उन्हें हर साल 37 करोड़ से ज्यादा, महीने के तीन करोड़ और हर दिन के 10 लाख रुपये देने को तैयार थी पर विराट तैयार नहीं हुए। वह अब एगिलिटास स्पोर्ट्सवियर कंपनी में निवेशक की भूमिका संभालेंगे। इस कंपनी की स?थापना 2023 में प्यूमा इंडिया के साउथईस्ट एशिया के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक गांगुली ने की थी। विराट सबसे अधिक कमाई करने वालों में शामिल हैं और उनकी नेट वर्थ 1050 करोड़ रुपये के करीब है। प्यूमा इंडिया ने कोहली के साथ साझेदारी खत्म होने की पुष्टि करते हुए कहा, 'प्यूमा विराट को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है। हमारे बीच कई वर्षों की यादगार साझेदारी रही, जिसमें बेहतरीन कैंपेन और प्रोडक्ट कोलैबोरेशन शामिल रहे। कंपनी आने वाले समय में नए एथलीट्स पर निवेश करती रहेगी और भारत में खेलों के ढ़ांचे को और मजबूत बनाने की दिशा में काम जारी रखेगी।' अब कोहली का ध्यान अपने लाइफस्टाइल और एथलीजर ब्रांड वन 8 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने का है। एगिलिटास के साथ करार के जरिए कोहली का लक्ष्य है कि वे वन8 को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

## वनडे क्रिकेट में इस नियम में बदलाव पर हो रहा विचार, तेंदुलकर-ली पहले ही बता चुके हैं खतरनाक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों के इस्तेमाल के साथ नियमों में बदलाव करने पर विचार कर रहा है, ताकि गेंदबाजों के लिए खेल को संतुलित किया जा सके। मौजूदा खेल परिस्थितियों (पीसी) का पूर्ण उलटफेर नहीं है, लेकिन संभावित बदलाव गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग की संभावना को फिर से पेश करके बढ़त देने के लिए बनाया गया है। इसके अतिरिक्त ICC टेस्ट मैचों के लिए इन-गेम क्लॉक शुरू करने पर विचार कर रहा है, ताकि ओवर रेट को नियंत्रित करने में मदद मिल सके और पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप को टी20 प्रारूप में बदलने के विचार का भी मूल्यांकन कर रहा है। जिम्बाब्वे में ICC बैठकों के दौरान इस सिफारिश की समीक्षा की जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार वनडे में दूसरी नई गेंद को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का प्रस्ताव ICC क्रिकेट समिति की ओर से आया है। सुझाए गए बदलाव के अनुसार टीमें दो नई गेंदों के साथ शुरुआत करेंगी, लेकिन 25 ओवर के बाद से उन्हें एक नई गेंद चुननी होगी। इसका मतलब यह है कि नियम को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा रहा है, लेकिन इससे रिवर्स स्विंग को फिर से शुरू करने में मदद मिलेगी, एक ऐसी सुविधा जो दो नई गेंदों पर लंबे समय तक चमकने के कारण गायब हो गई थी।

दो गेंदों के नियम की काफी आलोचना हुई है, जिसमें सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज इसे खेल के लिए हानिकारक बताते हैं। तेंदुलकर ने तर्क दिया कि दो नई गेंदों का उपयोग करने से वे इतनी पुरानी नहीं हो पातीं कि रिवर्स स्विंग की अनुमति मिल सके, जो विशेष रूप से अंतिम ओवरों के दौरान एक महत्वपूर्ण कौशल है। उन्होंने लंबे समय से वनडे में बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन की वकालत की है।

तेंदुलकर ने कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी में कहा था, 'वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों का होना आपदा का एक आदर्श नुस्खा है क्योंकि प्रत्येक गेंद को रिवर्स करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता है। हमने लंबे समय से डेथ ओवरों का अभिन्न अंग रिवर्स स्विंग नहीं देखा है।'

पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने भी इस मामले पर तेंदुलकर के रुख का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है। सौरव गांगुली के नेतृत्व में क्रिकेट समिति ने गहन मूल्यांकन किया है। अतीत में, सफेद गेंद अक्सर 35वें ओवर तक खराब हो जाती थी या अपना रंग खो देती थी, जिससे अंपायर इसे बदलने के लिए मजबूर होते थे। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, एक गेंद का उपयोग पारी के अंत तक 37-38 ओवर तक किया जा सकता है, जबकि मौजूदा व्यवस्था के अनुसार दोनों गेंदों का उपयोग केवल 25 ओवरों के लिए किया जाता है।

चर्चा के तहत एक अन्य महत्वपूर्ण नियम टेस्ट क्रिकेट में उलटी गिनती घड़ियों का उपयोग है, जो ओवरों के बीच 60 सेकंड की सीमा निर्धारित करती है। ये घड़ियां पहले से ही सीमित ओवरों के प्रारूप में उपयोग में हैं और मैचों को गति देने में मदद करती हैं। ICC

क्रिकेट समिति का लक्ष्य इस कदम के माध्यम से यह सुनिश्चित करना है कि टेस्ट मैचों में प्रत्येक दिन 90 ओवर फेंके जाएं। ICC पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप के प्रारूप में बदलाव पर भी विचार कर रहा है अब तक खेले गए दो संस्करण - 2023 (दक्षिण अफ्रीका) और 2025 (मलेशिया) - दोनों में छोटे प्रारूप का उपयोग किया गया है। पुरुषों के संस्करण के लिए कोई भी प्रारूप परिवर्तन केवल 2028 प्रसारण चक्र से प्रभावी होगा।

## घरेलू मैदान में सबसे अधिक मैच हारने वाली टीम बनी आरसीबी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने घरेलू मैदान पर टीम की हार पर निराशा जताई हैं। पाटीदार ने कहा कि बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से टीम के हाथों से जीत निकल गयी। आरसीबी ने इस मैच में पहले खेलते हुए 163 रन बनाये। इसके बाद वह अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पायी हालांकि उसके गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत करते हुए दिल्ली के 30 रनों पर ही तीन विकेट गिरा दिये थे। इसके बाद के एल राहुल के 93 रनों की पारी से मैच बदल गया। इस प्रकार आरसीबी को अपने घरेलू मैदान पर 45वीं हार मिली है। इस प्रकार वह अपने घरेलू मैदान पर सबसे ज्यादा 45 मैच हारने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली है। वह अपने घरेलू मैदान पर 44 मैच हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर 38 के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स है। टीम को मिली हार के लिए पाटीदार ने बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया और कहकि जिस तरह से हमने विकेट को देखा। उससे वह काफी अलग निकला, हमें लगा कि यह एक अच्छा बल्लेबाजी विकेट है पर अहम अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये। एक विकेट पर 80 रनों से 4 विकेट पर 90 रन पर पहुंच जाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। हमारे पास अच्छे बल्लेबाज थे पर हम अपनी स्थिति का सही आंकलन नहीं कर पाये। पाटीदार ने हालांकि टिम डेविड के प्रदर्शन की तारीफ की है।

## पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की वापसी, अब टीम में निभाएगी ये भूमिका

**ब्रिसबेन (एजेंसी)।** सात बार की विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2027 की तैयारियों को लेकर 26 सदस्यीय टीम के लिए सहायक कोच और मेंटर के रूप में राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई हैं। लैनिंग बनाम पेरी श्रृंखला में लैनिंग अपने नाम वाली टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगी, हालांकि वह ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट परिसर के शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों के साथ काम करेंगी।

यह समूह अप्रैल के अंत में तीन टी-20 मैचों के लिए एकत्रित होगा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया 2027 टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर रहा है और इस दौरान खिलाड़ी अपने खेल में सुधार करने के लिए ध्यान केंद्रित करने के लिएअलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। इस सीरीज के लिए चयन को वाईएसपी द्वारा राज्य और क्षेत्रीय संघों के सहयोग से नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन का मानना है कि लैनिंग का जुड़ना अगली पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए सीखने और अपने भविष्य को बदलने वाला अवसर है। थॉम्पसन ने कहा, 'यह हमारे सर्वश्रेष्ठ उभरते क्रिकेटरों के लिए ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेटरों में से एक से क्रिकेट के गुर सीखने का अविश्वसनीय अवसर है।'

## बेटे से नहीं मिल पाने से दुखी हैं धवन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी शिखर धवन ने कहा है कि वह अपने बेटे से पिछले दो साल से नहीं मिल पाने से दुखी हैं। धवन का कहना है कि पत्नी आयशा से तलाक के बाद उनके लिए अपने बेटे से बात करना भी संभव नहीं हो रहा है। ये उनके लिए एक कठिन समय है। इसका कारण है कि उनका नंबर तक ब्लॉक कर दिया गया है। भावुक हुए धवन ने कहा, मैं चाहता हूं कि वो खुश और स्वस्थ रहे। मैं उसे अब भी हर तीन या चार दिन में मैसेज करता हूं। मुझे उम्मीद नहीं है कि वो उन मैसेज को पढ़ेगा। अगर वो मैसेज ना भी पढ़े तो भी कोई परेशानी नहीं है। उससे संपर्क करने की कोशिश करना मेरा काम है और मैं ये करता रहूंगा। साथ ही कहा कि उनके बेटे की उम्र अब 11 वर्ष हो गई है। अपने बेटे से जुड़ाव महसूस करने के लिए वो आध्यात्मिकता का सहारा लेते है। शिखर धवन ने कहा कि मैंने दो साल पहले अपने बेटे को देखा था। एक साल पहले उससे अंतिम बार मेरी बात हुई थी। ये समय काफी मुश्किल रहा है। मगर इस तरह भी जीना सीख जाते है। मैं उसे याद करता हूं और आध्यात्मिक तौर पर उससे बात भी करता हूं। इससे मुझे लगता है कि मैं उसे गले लगा रहा हूं। मैं आध्यात्मिक रूप से इसमें ही अपनी ऊर्जा लगाता हूं। मुझे लगता है कि मैं इसी तरीके से अपने बेटे को वापस पा सकूंगा। गौरतब है कि धवन और उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी के तलाक के बाद से ही बेटे जोरावर की कस्टडी को लेकर दोनों के बीच लंबे समय तक मुकदमा चला था। तब धवन ने काफी कोशिश की थी कि वो अपने बेटे को अपने पास रख सकें पर उन्हें सफलता नहीं मिली और आयशा बेटे को लेकर अपने घर ऑस्ट्रेलिया चली गयी।

# हरियाणा सरकार ने दिए विकल्प, विनेश फोगट ने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना

**कोलकाता (एजेंसी)।** चंडीगढ़ = पहलवान से राजनेता बनी विनेश फोगट ने हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में उन्हें ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ की पेशकश करने के बाद नकद पुरस्कार चुना है, जिसमें उन्हें विभिन्न विकल्पों में से चुनने के लिए कहा गया है। 30 वर्षीय फोगट को 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण 2024 पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

तीन बार की ओलंपियन ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले साल कांग्रेस के टिकट पर जींद जिले के जुलाना से हरियाणा विधानसभा चुनाव में सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा था। हाल ही में हरियाणा सरकार ने अपनी खेल नीति के तहत फोगट को तीन विकल्प दिए। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना। उन्होंने अपने फैसले की जानकारी देने के लिए मंगलवार को राज्य के खेल विभाग को एक पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि हरियाणा मंत्रिमंडल ने राज्य की खेल नीति के तहत फोगट को ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ देने का फैसला किया है। राज्य की खेल नीति तीन तरह के लाभ प्रदान करती है जिसमें 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार, ग्रुप 'ए' के तहत एक उत्कृष्ट खिलाड़ी (ओएसपी) की नौकरी और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) का प्लॉट शामिल था।

सरकार ने हाल ही में उनसे उस लाभ के बारे में वरीयता मांगी थी जिसका वह लाभ उठाना चाहती थीं। मार्च में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान फोगट ने सैनी को पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किए जाने के बाद पदक विजेता की तरह उनका सम्मान करने के उनके वादे की याद दिलाई थी।

उन्होंने विधानसभा में कहा, 'मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे ओलंपिक रजत पदक विजेता के रूप में पुरस्कार मिलेगा। यह वादा अभी भी पूरा नहीं हुआ है। यह पैसे की बात नहीं है, यह सम्मान की बात है। पूरे राज्य से कई लोग मुझसे कहते हैं कि मुझे नकद पुरस्कार मिलना चाहिए था।% सैनी ने कहा कि

प्रक्रियागत निर्णय के कारण फोगट को पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। फोगट को ÷हरियाणा का गौरव÷ बताते हुए मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि वह उनके सम्मान को कम नहीं होने देंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### माइक हकाबी की नए राजदूत के रूप में पुष्टि होने पर इस्राइली पीएम ने दी बधाई

**येरूशलम, एजेंसी।** इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे प्रिय मित्र माइक हकाबी की इस्राइल में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में पुष्टि होने पर बधाई। यह इस्राइल-अमेरिका गठबंधन के लिए एक महान दिन है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, मैं हमारे दोनों देशों के बीच अटूट बंधन को और भी मजबूत बनाने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सीनेट ने 53-46 वोटिंग से अरकंसास के पूर्व गवर्नर माइक हुकाबी को ट्रंप के इस्राइल में राजदूत के रूप में पुष्टि की। उनके नाम पर ये सहमति तब बनी है जबकि हाल ही में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस की यात्रा की थी। माइक हुकाबी को इस्राइल के कट्टर समर्थक के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति ट्रंप के गाजा में इजराइल-हमास युद्ध, लेबनान में हिज्बुल्लाह के साथ संघर्ष और ईरान द्वारा इजराइल को दी जाने वाली धमकियों को समाप्त करने के अब तक के असफल प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

### पोप फ्रांसिस ने किंग चार्ल्स III और क्वीन कैमिला से की मुलाकात

**वेटिकन, एजेंसी।** पोप फ्रांसिस ने बुधवार को वेटिकन में किंग चार्ल्स III और क्वीन कैमिला से निजी मुलाकात की, जो अपनी चार दिवसीय यात्रा के तहत इटली पहुंचे थे। पोप की अस्पताल से छुट्टी के बाद यह पहली बार मुलाकात हुई है। इस दौरान पोप ने किंग और क्वीन को उनकी 20वीं शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दी और किंग और क्वीन ने पोप की जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान कुछ निजी उपहारों का आदान-प्रदान भी हुआ और भविष्य में किंग के वेटिकन दौरे को लेकर भी चर्चा हुई।

### पनामा अपनी धरती पर अमेरिकी सैन्य अड्डे को बर्दाश्त नहीं करेगा

**पनामा , एजेंसी।** पनामा के सुरक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि उनका देश पनामा में अमेरिका के सैन्य अड्डे को बनाने के किसी भी प्रस्ताव को खारिज कर देगा। गौरतलब है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री ने बुधवार को पनामा में अमेरिकी सैन्य अड्डा बनाने का सुझाव दिया था। इस पर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ मीडिया से बात करते हुए कहा है कि पनामा साफ कर चुका है कि हम अमेरिकी सैन्य अड्डे को अपनी धरती पर स्वीकार नहीं करेंगे।

### पाकिस्तान में मजहबी शोधार्थी की गोली मारकर हत्या

**क्वेटा, एजेंसी।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने एक मजहबी शोधार्थी कारी ऐजाज आबिद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारी ऐजाज आबिद अहले-ए-सुन्नत वल जमात और इंटरनेशनल ख़त्म-ए-नबुव्वत मूवमेंट के प्रमुख थे। उन्हें सोमवार को खैबर जिले से सटे पश्त खारा इलाके में निशाना बनाया गया था। गंभीर रूप से घायल आबिद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि हमले में उनका साथी कारी शाहिदुल्लाह भी घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह लक्षित हत्या का मामला प्रतीत होता है। मौके से 30 बोर की गोली के कई खोखे बरामद हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आतंकवाद की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

### इजराइली सुप्रीम कोर्ट ने पीएम नेतन्याहू का फैसला रोका, खुफिया विभाग चीफ की बर्खास्तगी पर रोक लगाई

**येरूशलम, एजेंसी।** इजराइली सुप्रीम कोर्ट से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक खुफिया विभाग शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार को बर्खास्त करने के कदम पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने आपसी समझौते को लेकर 20 अप्रैल तक की समय सीमा दी है। 11 घंटे तक चली बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट की पैनल ने कहा कि रोनेन फिलहाल अपने पद पर बने रहेंगे। विपक्षी दलों ने नेतन्याहू सरकार के शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार को हटाने के फैसले को चुनौती दी थी। नेतन्याहू ने आंतरिक खुफिया विभाग के प्रमुख को 'विश्वास की कमी' का हवाला देकर हटाने का फैसला किया था। फिलहाल पद पर बने रहेंगे रोनेन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिन बेट के प्रमुख को बर्खास्त करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता कमजोर होती है। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के अंतिम फैसले तक किसी कार्यवाहक प्रमुख की नियुक्ति और नए खुफिया प्रमुख का ऐलान सरकार न करे। नेतन्याहू और रोनेन के बीच तनाव अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमास के आतंकियों के हमले और 'कतर गेट' के बाद से बढ़ता जा रहा है।

# फिलिस्तीन को अलग देश की मान्यता देगा फ्रांस, मैक्रों बोले- किसी को खुश करने के लिए ऐसा नहीं कर रहा

**पेरिस, एजेंसी।** राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस कुछ समय में फिलिस्तीन को अगल देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। फ्रेंच प्रेसिडेंट ने बुधवार को एक इंटरव्यू में बताया कि उनका मकसद इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष को अंतिम रूप देना है। मैक्रों ने कहा कि हम मान्यता की दिशा में बढ़ना चाहते हैं, और हम ऐसा आने वाले महीनों में करेंगे। मैं ऐसा किसी को खुश करने के लिए नहीं कर रहा हूं। मैं इसे इसलिए करूंगा क्योंकि किसी समय यह सही होगा। मैक्रों ने कहा कि मिडिल ईस्ट के देश भी इजराइल को मान्यता देंगे। हम उन लोगों के खिलाफ लड़ाई में हैं जो इजराइल के अस्तित्व को नकारते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस जून 2025 तक फिलिस्तीन को एक अलग देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। इससे पहले फरवरी 2024 में मैक्रों ने कहा था कि फिलिस्तीन को मान्यता देना फ्रांस के लिए टैबू (वर्जित) नहीं है। मैक्रों पहले भी टू स्टेट सॉल्यूशन थ्योरी के पक्ष में रह चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के 193 में से 146 देशों ने फिलिस्तीन को अलग देश के तौर पर मान्यता दे रखी है। पिछले साल आर्मेनिया, स्लोवेनिया, आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, बहामास, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, जमैका और बारबाडोस ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे कई अहम देशों ने

फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। इजराइल को मान्यता नहीं देने वाले देशों में सऊदी अरब, ईरान, इराक, सीरिया और यमन शामिल हैं।

**टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थक रहा है फ्रांस :** फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम सऊदी अरब के साथ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की अध्यक्षता करें, जहां हम कई पक्ष इसे मान्यता दें। उन्होंने कहा कि मैं ये इसलिए करूंगा क्योंकि हमें लगता है कि ये करना सही होगा। फ्रांस द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने से इस्राइल के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकेगा। फ्रांस लंबे समय से इस्राइल-फलस्तीन विवाद में टू-स्टेट सॉल्यूशन (द्वि-राज्य समाधान) का समर्थक रहा है। हालांकि फ्रांस द्वारा अगर फलस्तीन को मान्यता दे दी जाती है तो यह बड़ा नीतिगत बदलाव होगा और इससे इस्राइल के नाराज होने का भी खतरा है।

**फ्रांस के फलस्तीन को मान्यता देने से हो सकते हैं बड़े बदलाव :** उल्लेखनीय है कि करीब 150 देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं, जिनमें आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन आदि भी शामिल हैं। इस्राइल द्वारा 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद जिस तरह से गाजा में बम बरसाए जा रहे हैं और हजारों लोग मारे गए हैं, उसके बाद बीते साल जून में स्लोवेनिया ने भी फलस्तीन को मान्यता दे दी। हालांकि फ्रांस अगर फलस्तीन को मान्यता देता है तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा क्योंकि यूरोपीय संघ में फ्रांस एक अहम देश है। मिस्त्र दौरे पर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव की भी आलोचना की, जिसमें ट्रंप ने गाजा को मध्य पूर्व का रिवेरा बनाने का वादा किया था। मैक्रों ने तंज कसते हुए कहा कि गाजा पट्टी कोई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं है।

**चंद्रमा के दूरदराज के हिस्से की मिट्टी में पृथ्वी वाले हिस्से की तुलना में शुष्कता के संकेत : लन्दन, एजेंसी।** 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है। चीन के वैज्ञानिकों ने बुधवार को बताया कि चंद्रमा के सुदूर भाग से प्राप्त मिट्टी और चट्टानों से संकेत मिलते हैं कि वह हिस्सा पृथ्वी की ओर वाले हिस्से की तुलना में अधिक शुष्क हो सकता है। वैज्ञानिकों ने हालांकि कहा कि स्पष्ट तस्वीर के लिए और अधिक नमूनों की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चंद्र आवरण में पानी की प्रचुरता यह समझाने में मदद कर सकती है कि चंद्रमा कैसे विकसित हुआ। पिछले साल चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला देश बन गया था। अंतरिक्ष यान 'चांग ई 6' ने दक्षिण ध्रुव-'ऐटकेन बेसिन' से ज्वालामुखीय चट्टान और मिट्टी को निकाला था। 'चीनी विज्ञान अकादमी' के सेन हू ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने पांच ग्राम मिट्टी के नमूने लिए और फिर विस्तृत विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मदद से 578 कणों का चयन किया। उन्होंने बताया कि चंद्रमा के निकटवर्ती भाग से पिछले दशकों में एकत्र किए गए नमूनों की तुलना में इनमें पानी की प्रचुरता 1.5 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम से भी कम है। निकटवर्ती भाग से लिए गए नमूनों में यह मात्रा एक माइक्रोग्राम से लेकर 200 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम के बीच है। 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

## भारतीय मूल के शख्स पर विमान में यौन उत्पीड़न का आरोप; टेक्सास की उड़ान के दौरान हुई वारदात

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका में एक घरेलू उड़ान में भारतीय मूल के शख्स पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संघीय अधिकारियों के मुताबिक, शख्स की उम्र 36 साल बताई जा रही है। उस पर एक साथी यात्री के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। मोंटाना के संघीय अभियोजक कर्ट एल्मे ने 3 अप्रैल को एक बयान में कहा कि भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर मोंटाना से टेक्सास की उड़ान में आपत्तिजनक हरकत और यौन संपर्क का आरोप है। बयान में कहा गया, न्यू जर्सी के लेक हियावाथा के रहने वाले भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष विमान क्षेत्राधिकार में अपमानजनक यौन संपर्क के लिए एक-मामले में अभियोग लगाया गया। अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला को दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना और कम से कम पांच साल की निगरानी रिहाई का सामना करना पड़ सकता है। बयान में आगे कहा गया कि आरोपी को 17 अप्रैल, 2025 को अभियोग के लिए पेश होना है। अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 26 जनवरी, 2025 को बोजमैन से डलास जाने वाली अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला ने दूसरे यात्री की अनुमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाए। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय इस मामले में मुकदमा चला रहा है। बयान में कहा गया है कि एफबीआई, आईसीई और डलास फोर्ट वर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने मामले की गहन जांच की है।

## बैसाखी के लिए पाकिस्तान ने भारतीय तीर्थयात्रियों को जारी किए 6,500 वीजा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान उच्चायुक्त ने 10 से 19 अप्रैल आयोजित होने वाले बैसाखी पर्व को लेकर भारतीय तीर्थयात्रियों को 6,500 से अधिक वीजा जारी किए हैं। पाकिस्तानी कूटनीतिक मिशन ने सोमवार को एक बयान में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच 1974 के धार्मिक स्थलों पर यात्रा प्रोटोकॉल के तहत वाजा जारी किए गए हैं। यहां गुरुद्वारों में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों में हर साल सैकड़ों भारतीय श्रद्धालु शामिल होते हैं।

## यमन में संदिग्ध अमेरिकी हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए: हूती विद्रोही

**सना, एजेंसी।** यमन में अमेरिका के संदिग्ध हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए, जबकि इससे एक दिन पहले हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी है। इस बीच विद्रोहियों ने तस्वीरें जारी करके एक और अमेरिकी 'एमक्यू-9 रीपर ड्रोन' को मार गिराने का दावा किया। विद्रोहियों ने कहा कि मंगलवार रात होदेदा के अल-हवाक जिले में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 15 लोग घायल हो गए, मारे गए लोगों में से अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। विद्रोहियों के 'अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज़ चैनल' द्वारा प्रसारित फुटेज में लोगों को घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाए जाते तथा बचावकर्मी अपने मोबाइल फोन की रोशनी में घायलों की खोज करते दिखाई दिए। हूती विद्रोहियों के अनुसार राजधानी सना के दक्षिण में अल-सबीन जिले को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए।

# सऊदी अरब में 14 नई जगहों पर तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार मिले

**दुबई, एजेंसी।** सऊदी तेल कंपनी अरामको ने देश के पूर्वी क्षेत्र और खाली क्वार्टर में 14 तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्रों और तेल भंडार की खोज की है। राज्य समाचार एजेंसी एसपीए ने बुधवार को कहा कि ये भंडार भले ही संख्या में अधिक हैं, लेकिन उनमें गैस और तेल की मात्रा कम हैं। घोषणा के अनुसार, छह क्षेत्रों और दो रिजर्वायर में विभिन्न ग्रेड के अरब तेल पाए गए, जिनकी कुल मात्रा 8,126 बैरल प्रतिदिन है।

गणना से पता चलता है कि दो क्षेत्रों और चार जलाशयों से प्राकृतिक गैस की खोज कुल 80.5 मिलियन मानक क्यूबिक फीट प्रति दिन (एससीएफडी) थी। तेल क्षेत्रों और जलाशयों से संबद्ध गैस 2.11 मिलियन एससीएफडी तक पहुंच गई। उत्पादक समूह ओपेक की मार्च की रिपोर्ट में द्वितीयक स्रोतों के अनुसार, दुनिया के शीर्ष तेल निर्यातक राज्य ने फरवरी में लगभग 9 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का उत्पादन किया।

**सऊदी के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार :** सऊदी अरब के पास दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है, जिसका अनुमान लगभग 267 बिलियन बैरल है, जो दुनिया के कुल भंडार का लगभग 16-17प्रतिशत है। सऊदी अरब के खोजे जा चुके तेल भंडार वेनेजुएला के बाद दुनिया में दूसरे सबसे बड़े हैं। वहीं, सऊदी अरब का अनुमानित तेल भंडार लगभग 267 बिलियन

बैरल हैं। सऊदी अरब के भंडार ओपेक के सिद्ध भंडार का लगभग 22प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं।

सऊदी अरब के तेल भंडार को जानें सऊदी अरब के तेल भंडार के मुख्य क्षेत्रों में घावर फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा तटवर्ती तेल क्षेत्र) और सफानिया फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा अपतटीय तेल क्षेत्र) शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों को सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको संचालित करती है। सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है। सऊदी अरब के पास प्राकृतिक गैस के महत्वपूर्ण भंडार भी हैं, जो घरेलू उत्पादन से अपनी सभी घरेलू खपत को पूरा करता है। सऊदी अरब में तेल की खोज 1938 में हुई थी।

## पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तलाक की खबरों पर मिशेल ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- जो मेरे लिए सही, वही चुना

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के उनकी पत्नी मिशेल ओबामा के साथ तलाक की खबरें चल रही हैं। अब इन्हें लेकर मिशेल ओबामा ने अपनी बात रखी है। अभिनेत्री सोफिया बुश के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत में मिशेल ओबामा ने कहा कि बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से उनकी अनुपस्थिति की वजह खुद पर ध्यान देना है न कि तलाक।

**बीते कई दिनों से चल रहीं थी तलाक की खबरें :** मिशेल ओबामा ने कहा कि अब मैं अपना कैलेंडर खुद नियंत्रित करती हूं। मैं खुद को यह आजादी कई वर्ष पहले भी दे सकती थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकी। मैंने बच्चों को बहाना बनाया और उन पर ध्यान दिया। गौरतलब है कि बराक ओबामा और मिशेल ओबामा एक आदर्श दंपति माने जाते हैं, लेकिन बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से मिशेल ओबामी की गैरमौजूदगी से दोनों के तलाक की खबरों को बल मिला। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल ओबामा शामिल नहीं हुईं थी। साथ ही जनवरी में पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार

कार्यक्रम में भी बराक ओबामा अकेले ही शामिल हुए थे।

**मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही था :** मिशेल ओबामा ने कहा कि मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही है, न कि वो, जो मुझे करना चाहिए था या दूसरे लोग मुझसे चाहते थे। मिशेल ने कहा कि तलाक की अटकलें, लोगों की महिलाओं की आजादी की मांग को स्वीकार नहीं करने की आदत के चलते उठीं। मुझे लगता है कि यही वजह चीज है, जिससे हम महिलाओं के रूप में जूझते हैं। लोग ये नहीं समझ पाए कि मैं खुद पर ध्यान देने का विकल्प चुन रही हूं, लेकिन लोगों ने मान लिया कि मैं तलाक ले रही हूं।

उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बीते दिनों स्वीकार किया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान वे अपनी पत्नी के साथ रिश्ते पर ध्यान नहीं दे पाए। अपनी किताब मेमोर बिकमिंग में भी दंपति ने बताया कि बराक ओबामा के राजनीतिक करियर के दौरान दोनों के रिश्तों में चिड़चिड़ापन आ गया था।

## विपक्षी नेता म्यांग ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चुनाव में ठोका दावा, जनता से किया बड़ा वादा

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया में तीन जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग भी दम दिखाएंगे। उन्होंने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की। म्यांग ने कहा कि वे आर्थिक विकास के माध्यम से देश की स्थिति को ठीक करेंगे।

दक्षिण कोरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के मामले में पद से हटा दिया गया है। देश के कार्यवाहक नेता हान डक-सू ने मंगलवार को घोषणा की कि हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति यून की जगह लेने के लिए 3 जून को समयपूर्व राष्ट्रपति चुनाव होंगे। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग ने भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का एलान किया है। ली 2022 में यून से मामूली अंतर से चुनाव हार गए थे। उन्होंने मार्शल लॉ की घोषणा के बाद पूर्व राष्ट्रपति को हटाने के लिए अभियान चलाया था। म्यांग ने चुनाव लड़ने के लिए पार्टी के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है।

एक वीडियो संदेश में ली ने कहा कि यून के मार्शल लॉ की कहानी ने देश के गहरे विभाजन और सामाजिक संघर्षों को उजागर किया है। इसका मूल

कारण अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई है। उन्होंने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और आय ध्रुवीकरण को कम करने के लिए आक्रामक सरकारी खर्च का वादा किया। हमारे पास पहले से कहीं ज़्यादा है, लेकिन धन कुछ क्षेत्रों में बहुत ज़्यादा केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में आर्थिक विकास दर में गिरावट के साथ, केवल निजी क्षेत्र की ताकत पर अर्थव्यवस्था को बनाए रखना और विकसित करना मुश्किल हो गया है। हालांकि, सरकार के नेतृत्व में प्रतिभा विकास और तकनीकी अनुसंधान और विकास में व्यापक निवेश के साथ, हम अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

## राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया से संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदारी का अनुरोध किया

**ब्रातीस्लावा, एजेंसी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में कहा कि भारत और स्लोवाकिया के पास फिल्म निर्माण और बढ़ते मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग में अपने सहयोग को मजबूत करने के महत्वपूर्ण अवसर हैं।

दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आईं मुर्मू ने स्लोवाकिया के अपने समकक्ष राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ चर्चा में स्लोवाकिया को एक से चार मई तक मुंबई में भारत द्वारा आयोजित आगामी 'वेव' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) भारतीय कलाकारों को सामग्री तैयार करने और उसे वैश्विक बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया को फिल्मांकन गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। स्लोवाकिया हॉलीवुड निर्माताओं का पसंदीदा स्थान रहा है, लेकिन भारतीय फिल्म उद्योग ने 2019 में 'हाई टाट्रा पर्वतीय क्षेत्र' की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया, जब अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'चेहरे' की शूटिंग यहां हुई। भारत के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत के तेजी से बढ़ते मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक निकटता से सहयोग करने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें स्लोवाकिया को फिल्म शूटिंग का गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।'' पेलेग्रिनी ने शाम में राष्ट्रपति मुर्मू के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया।

**चीन ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की, कहा- अमेरिका जाने से पहले सोच लें : बीजिंग , एजेंसी।** चीन ने अमेरिका की यात्रा करने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने बुधवार को एक ट्रैवल एजवाइजरी में चीनी नागरिकों से कहा कि वे अमेरिका जाने से पहले वहां के हालात का पूरा आकलन करें। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में सुरक्षा की स्थिति और चीन-अमेरिका के बिगड़ते व्यापारिक रिश्तों के कारण यात्रा जोखिम भरी हो सकती है। इसके अलावा चीन के शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के लिए एक अलग चेतावनी जारी की है। इसमें छात्रों को अमेरिका जाने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि उन्हें वहां वीजा, कागजी कार्रवाई, या कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

# चिराग ने किया जाति जनगणना का समर्थन, तेजस्वी को बताया छोटा भाई

## क्या नीतीश की तरह ही चिराग एनडीए में प्रेशर पॉलिटिक्स कर रहे

**पटना (एजेंसी)।** चिराग पासवान ने बिहार चुनाव से पहले कास्ट सेंसस का खुलकर सपोर्ट किया है। ये बात इसलिए महत्वपूर्ण है, कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना के लिए जोरदार मुहिम चला रहे हैं। गुजरात में हुए कांग्रेस अधिवेशन में भी राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार और पीएम मोदी पर निशाना साधा था। सत्ता में आने पर जातिगत जनगणना कराने की बात कही है। 2025 में बिहार के तीन दौरे कर चुके राहुल गांधी ने नीतीश कुमार के जातिगत गणना को फर्जी बताया था।

जातिगत जनगणना के पैरोकार लालू यादव भी हैं और राहुल गांधी की सक्रियता के कारण कहीं न कहीं टकराव की भी नौबत आ रही है। वहीं पीएम मोदी के हनुमान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लालू यादव की राजनीति को भी निशाने पर लिया है और ये जताने की कोशिश की है कि वह मुस्लिम-यादव की राजनीति को भी सही नहीं मानते हैं। चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की ये कहते हुए वकालत की है कि ऐसा होने से सरकार को लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने के लिए आंकड़े मिल जाएंगे।

खास बात ये है कि चिराग कतई नहीं चाहते कि जातिगत जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए। उनका कहना है कि अगर जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी कर दिए तो जातिवाद को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि ये विरोधाभासी लग सकता है कि मैं जाति की राजनीति को सपोर्ट नहीं करता, लेकिन जातिगत जनगणना का समर्थन जरुर करता हूं।

लालू परिवार के साथ रिश्तों को लेकर चिराग ने कहा कि कि उनके परिवार के रिश्ते लालू परिवार से हमेशा अच्छे रहे हैं और मैं खुले मंच पर ये बात कहता भी रहा हूंज्मैंने इसे कभी छिपाया भी नहीं हैज्जैसे रिश्ते मेरे पिता के वक्त थे, वैसा आज भी हैज्तेजस्वी को मैं अपना छोटा भाई मानता हूं। लालू यादव की मुस्लिम-यादव पॉलिटिक्स को राजनीति के रूप में जाना जाता है। चिराग का कहना है कि मेरे लिए इसका का अलग मतलब है। मेरे 5 सांसदों में से 2 महिलाएं हैंज मैं 14 करोड़ बिहारियों की बात करता हूंज जैसे ही बिहारी बिहार से बाहर निकलते हैं और जाति से बाहर निकलते हैं, वे हर फील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। चाहे वह मीडिया क्षेत्र हो, कॉर्पोरेट हो या फिर नौकरशाही।

कास्ट सेंसस की पैरवी तो चिराग पासवान को राहुल गांधी की तरफ ले जाती है और ऐसा लगता है वो भविष्य में तेजस्वी यादव के साथ जाने का भी इशारा कर रहे हैं। लेकिन, मुस्लिम-यादव फैक्टर की उनकी नई परिभाषा तेजस्वी के खिलाफ जाती है, बल्कि उसमें मोदी के मन की बात भी छिपी हुई लगती है।



चिराग पासवान भी लगता है, नीतीश कुमार की तरह एनडीए में प्रेशर पॉलिटिक्स करने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे भी, बीजेपी और नीतीश कुमार की वजह से चिराग ने जो फजीहत झेली है, वह भूल पाना तो उनके लिए मुश्किल ही होगा। वह कहते हैं अगर आप अपने आपको मजबूत रखते हैं, तो कोई आपको निगल नहीं सकता।

## वक्फ कानून पर एनडीए में दिखी दरार, साथी दल ने कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। नया वक्फ कानून बनकर तैयार हो गया है और 18 अप्रैल से इसे लागू करने की संभावना भी जताई जा रही है। इससे पहले एनडीए के घटक दल नेशनल पीपुल्स पार्टी इंडिया (एनपीपी) के नेता व मणिपुर के क्षेत्रगाओ निर्वाचन क्षेत्र से विधायक शेख नूरुल हसन ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। इसके अलावा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए, इसे रद्द करने की मांग की है। मणिपुर में एनडीए के घटक एनपीपी के विधायक हसन ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपनी याचिका में वक्फ कानून में किए गए उस बदलाव पर चिंता जाहिर की है, जिसमें इस्लाम का पालन करने वाले अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को अपनी संपत्ति वक्फ को देने से वंचित किया गया है। याचिका में कहा गया है कि यह उनके अपने धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में कहा गया वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की धारा 3ई अनुसूचित जनजाति के सदस्यों (पांचवीं या छठी अनुसूची के तहत) के स्वामित्व वाली भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित करने से रोकती है। एनपीपी विधायक ने अपनी याचिका में कानून में किए गए संशोधन न सिर्फ मनमाना है बल्कि मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों को नियंत्रित करने का प्रयास है। याचिका में कहा गया है कि कानून में किए गए संशोधन मनमाने प्रतिबंध लगाता है और इस्लामी धार्मिक बंदोबस्तों पर राज्य नियंत्रण बढ़ाता है। याचिका में कहा कि वक्फ कानून में किए गए बदलाव वक्फ के धार्मिक चरित्र को विकृत करेंगे और साथ ही वक्फ और वक्फ बोर्डों के प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएंगे।

## किश्तवाड़ में मुठभेड़ दौरान एक आंतकी की मौत

किश्तवाड़(एजेंसी)। किश्तवाड़ के छतरू में जारी मुठभेड़ दौरान सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। इस दौरान एक आतंकी के इंकाउटर की सूचना मिली है। इसकी पुष्टि खुद अधिकारियों ने की है। छतरू के जंगली क्षेत्र में 9 अप्रैल को संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया था। तभी शाम के समय जंगल में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, इसके जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी गोलियां चलाईं और मुठभेड़ शुरू हो गई।

## सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा, 18 घंटों से भूखे-प्यासे बैठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के गुरुद्वारों के दर्शन के लिए दिल्ली से रवाना हुए सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत से करीब करीब 6,000 सिख श्रद्धालु सुबह 6 बजे से वाघा बॉर्डर पर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें अभी तक पाकिस्तानी प्रशासन की ओर से इजाज़त नहीं मिली है। इसमें से 288 श्रद्धालु अब भी बॉर्डर पर भूखे-प्यासे बैठे हैं और उन्हें न पाकिस्तान सरकार की तरफ से कोई सुविधा दी गई है और न ही पाकिस्तान गुरुद्वारा कमेटी का कोई प्रतिनिधि वहाँ मौजूद है। श्रद्धालुओं को पिछले 18 घंटों से ना खाना मिला है और ना ही पीने का पानी, जिससे उन सभी में भारी रोष है। यह स्थिति पाकिस्तान सरकार की गंभीर नाकामी को दिखाती है। श्रद्धालु बेहद असहाय महसूस कर रहे हैं और भारत सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों और संगठनों से अपील की जा रही है कि वे इस मामले को संज्ञान में लें और श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द राहत पहुंचाए।

## रिहाइशी बिल्डिंग में आग लगने से मची अफरातफरी, गुजरात के गृह राज्यमंत्री का भी है बिल्डिंग में घर

सूरत (एजेंसी)। शहर के वेसू इलाके में आग लगने की घटना सामने आई है। वेसु इलाके में एक आलीशान फ्लैट में तड़के अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग उसी बिल्डिंग में लगी, जहां गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही हर्ष संघवी तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच के आदेश दिए। जानकारी के मुताबिक सूरत के वेसू इलाके में हैप्पी एन्क्लेव की सातवीं मंजिल पर आग लग गई। सातवीं मंझिल पर लगी आग की चपेट में तीन मंझिलें आ गईं। आग इतनी विकराल थी कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब 10 टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। इस दुर्घटना में कुल 18 लोगों को बचा लिया गया। आग लगने के समय 15 लोगों को छत पर ले जाया गया था। अग्निशमन कर्मियों ने सभी लोगों को कपड़े से ढक दिया और उन्हें नीचे उतारा। वहां अग्निशमन व्यवस्था तो थी, लेकिन बड़ी दमकल गाड़ियों का परिसर में प्रवेश करना कठिन था। बताया जाता है कि नौवीं मंजिल पर फर्नीचर का काम चल रहा था, जहां लकड़ी, पीओपी, प्लाईवुड और फाइबर सामग्री रखी गई थी। जिसके कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। इतना ही नहीं, आग नौवीं मंजिल से 10वीं और 11वीं मंजिल तक पहुंच गई थी। जानकारी के मुताबिक यह बिल्डिंग नवनिर्मित है। जिसके चलते नए मकान के अंदर नया फर्नीचर लगा होने के कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। गृहमंत्री हर्ष संघवी की सोसायटी में जब आग लगी तो मेयर और कमिश्नर समेत तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आग लगने का कारण अभी भी अज्ञात है। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई।

## दिल्ली में जिम जाते समय प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पश्चिम विहार में एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की गई है। शुक्रवार सुबह इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। राजकुमार दलाल नाम के कारोबारी की हत्या तब हुई जब वह अपनी फॉर्च्यूनर कार में बैठकर जिम जा रहे थे। दिल्ली पुलिस को एसबीआई कॉलोनी के सामने एक गाड़ी पर कई राउंड फायरिंग की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने तुरंत राजकुमार को अस्पताल पहुंचाया जहां, डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि राजकुमार को निशाना बनाकर 8-10 राउंड फायरिंग की गई। हत्या किसने और क्यों की यह अभी साफ नहीं है। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के द्वारा हमलावरों की पहचान शुरू की है। कारोबारी दलाल अपने घर से निकलकर कुछ ही दूर गए थे, कि हमलावरों ने गाड़ी के सामने आकर फायरिंग शुरू कर दी।

## कोलकाता हाईकोर्ट ने केंद्र से पूछा बंगाल में कब शुरू होगी मनरेगा योजना

कोलकाता (एजेंसी)। जनहित की योजना मनरेगा को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा योजना को आखिर कब से फिर से शुरू किया जाएगा। अदालत ने साफ कहा कि फंड को हमेशा के लिए रोका नहीं जा सकता। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और जस्टिस चैताली चटर्जी की बेंच ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने पूछा कि जब पूरे राज्य में गड़बड़ी केवल चार जिलों में हुई है, तो बाकी जिलों में योजना क्यों न शुरू की जाए?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चार जिलों हुगली, पूर्व बर्दवान, मालदा और दार्जिलिंग जीटीए में गड़बड़ी पाई गई थी। खुद राज्य सरकार ने भी इस बात को माना है। राज्य सरकार ने बताया कि इन चार जिलों में से 2.37 करोड़ रुपये वापस वसूल लिए गए हैं। जबकि कुल गड़बड़ी 5.37 करोड़ की थी। केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि 15 जिलों की जांच की गई है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि उसके पास जो दस्तावेज हैं, वे सिर्फ चार जिलों की जानकारी देते हैं। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या बाकी जिलों में भी ऐसी ही सिफारिशें की गई थीं? और अगर नहीं, तो योजना को फिर से शुरू क्यों न किया जाए?

## कंगना ने बिजली बिल को लेकर कहा- मेरे घर में कोई फैक्ट्री नहीं चल रही

### -एक लाख के बिजली बिल को लेकर हो रही बयानबाजी

**मंडी (एजेंसी)।** भाजपा सांसद कंगना रनौत को लगभग एक लाख का बिल थमा था। इससे भड़की रनौत ने पूछ लिया ... ने चुनावों के समय सरकाघाट से मिली कम लीड़ को लेकर नाराज भी नजर आयी। कंगना ने विक्रमादित्य सिंह की ओर इशारा करते हुए कहा रामपुर का बेटा होने के नाते राजा बाबू को उनके क्षेत्र की जनता ने सबसे ज्यादा लीड़ दी है। जबकि सरकाघाट की

## 'बिहार में हर कोई बदलाव चाहता है', प्रशांत किशोर का दावा, जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग

**पटना (एजेंसी)।** अपनी पहली रैली से पहले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में लोग बदलाव चाहते हैं। जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की संभावना है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़ा था जिसमें वे अपना खाता खोलने में विफल रहे। अपनी 'बदलाव रैली' किशोर ने कहा कि लोग बिहार में एक 'विकल्प' चाहते हैं, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की संस्कृति दूसरों से अलग है।

किशोर ने कहा कि इसे 'बदलाव रैली' इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब मैं 2 साल तक चला, तो मैंने एक ही शब्द सबसे ज़्यादा सुना- बदलाव। चाहे वो आरजेडी के समर्थक हों, बीजेपी के या फिर नीतीश कुमार के, हर कोई बिहार में बदलाव चाहता है। वे बिहार में एक राजनीतिक विकल्प चाहते हैं। वे बिहार में शिक्षा और नौकरियों के बारे में बात करना चाहते हैं। जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग है। आप हमारे कार्यकर्ताओं को जबरन वसूली, लूटपाट और मारपीट करते नहीं पाएंगे। वे अपना कार्यक्रम अनुशासित तरीके से करेंगे।'

पटना के गांधी मैदान में रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसके महत्व पर जोर देते हुए किशोर ने कहा, 'जनता से हमारा संवाद जारी रहेगा लेकिन आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बिहार में जन सुराज के गठन के बाद यह पार्टी की पहली बैठक है। हम गांधी मैदान में एक साथ बैठेंगे।' रैली के बारे में आगे बोलते हुए, किशोर ने कहा कि इसका बिहार की राजनीति पर 'प्रभाव' पड़ेगा और लोग जन सुराज को 'मजबूत विकल्प' के रूप में देखेंगे। किशोर ने कहा, 'इस रैली का बिहार की राजनीति पर इस तरह प्रभाव पड़ेगा कि बिहार के लोग जो विकल्प के अभाव में भाजपा या राजद को चुन रहे थे, वे अब जन सुराज के रूप में एक मजबूत विकल्प देख सकते हैं और इस पर उनका भरोसा मजबूत होगा।'